मां कालरात्रि

ज्वाला कराल अति उग्रम शेषा सुर सूदनम।
त्रिशूलम पातु नो भीते भद्रकाली नमोस्तुते।।

दैनिक
नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अस्ताचलगामी सूर्य को दिया गया अर्घ्य
उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व होगा संपन्न

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | राजधानी 5 | झारखंड 6 | अभिव्यक्ति 7 | कारोबार

www.navpradesh.com रांची, मंगलवार 28 मार्च 2023, चैत शुक्ल पक्ष सप्तमी, विक्रम संवत-2081 वर्ष-8 अंक-334 पृष्ठ- 12 मूल्य-3 रुपए रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

सबसे बड़े वाली माफीवीर घुंघरू सेठ जो एक बार नहीं बल्कि तीन बार माफी मांगने की हैट्रिक लगा चुके है वो भी राहुल गांधी को सलाह दे रहे है कि वे अपने बयान के लिए माफी न मांगे। ऐसे लोग दूसरों को चने के झाड़ पर चढ़ाकर अपना उल्लू सीधा करना चाहते है। घुंघरू सेठ तो इस खेल के सबसे बड़े खिलाड़ी है। वो तो यही चाहते है कि सारे विपक्षी नेता इसी तरह की गलती करें और माफी न मांगकर जेल की हवा खाएं ताकि मैदान में वे अकेले ही रह जाए और पीएम की दौड़ में अव्वल हो जाएं।

विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन परिसर में किया ब्लैक प्रोटेस्ट

■ टीएमसी समेत 17 पार्टियां, सोनिया भी काले कपड़े पहनकर पहुंचीं

नई दिल्ली। राहुल गांधी की सांसदी जाने और अडाणी मामले पर सोमवार को विपक्ष ने ब्लैक प्रोटेस्ट किया। इसमें 17 विपक्षी दल शामिल हुए। सोनिया गांधी भी काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचीं। उधर, लोकसभा में विपक्षी सांसदों ने भारी हंगामा किया। एक सांसद तो लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला के आसन तक पहुंच गया और काला कपड़ा लहराने लगा। यह देख स्पीकर सभा को स्थगित कर चले गए। दरअसल, सुबह 11 बजे जैसे ही दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू हुई। विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी। इससे राज्यसभा की कार्यवाही को 2 बजे तक और लोकसभा की कार्यवाही को 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। 2 बजे राज्यसभा की कार्यवाही शुरू हुई, लेकिन

हंगामे के चलते दिनभर के लिए स्थगित हो गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट किया- 'लोकतंत्र के लिए काला अध्याय! पहली बार सत्ता पक्ष संसद को ठप्प कर रहा है। क्यों? क्योंकि मोदी जी के परम मित्र के काले कारनामे उजागर हो रह हैं ! एकजुट विपक्ष जेपीसी की मांग पर कायम रहेगा।' खड़गे ने कहा, 'हम काले कपड़ों में क्यों आए हैं? हम दिखाना

कांग्रेस की ऑल-पार्टी मीटिंग में टीएमसी भी हुई शामिल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज संसद की कार्यवाही शुरू होने के पहले अपने चैम्बर में विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक रखी। इसमें कांग्रेस, डीएमके, सपा, जेडीयू, बीआरएस, सीपीएम, आरजेडी, एनसीपी, सीपीआई, आप और टीएमसी समेत 17 पार्टियां शामिल हुईं। इस बैठक में तृणमूल कांग्रेस का आना चौंकाने वाला रहा। इस सत्र में टीएमसी अब तक किसी विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस के साथ नहीं आई थी। टीएमसी नेताओं के आने पर खड़गे ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए जो भी आगे आएगा हम उसका स्वागत करेंगे।

जेपीसी की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

कांग्रेस तथा विपक्षी दलों के सांसदों ने अडानी मामले में जेपीसी की मांग को लेकर सोमवार को संसद भवन परिसर में स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति के सामने धरना दिया और प्रदर्शन किया तथा प्रवर्तन निदेशालय- ईडी एवं अन्य एजेंसियों के दुरुपयोग करने का सरकार पर ■ शेष पृष्ठ4 पर

अडानी समूह में सारा पैसा निवेश की वजह बताए सरकार : राहुल

नयी दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि सरकार जनता का पैसा अडानी समूह की कंपनियों में क्यों निवेश कर रही है इसका देश को जवाब चाहिए लेकिन सरकार मौन बनी हुई है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि जो पैसा अदानी समूह की कंपनियों में गलत तरीके से डाला गया है उसको लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं लेकिन उसकी जांच हो रही है और ना इस बारे में कोई जवाब दिया जा रहा है। उन्होंने ट्वीट किया एलआईसी की पूंजी, अडानी को। एसबीआई की पूंजी अडानी को। ईपीएफ ओ की पूंजी भी अडानी को। 'मोडानी' के खुलासे के बाद भी, जनता के रिटायरमेंट का पैसा अडानी की कंपनियों में निवेश क्यों किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी, न जांच, न जवाब। आखिर इतना डर क्यों। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने भी सवाल किया कि आखिर अडानी की संपत्ति कुछ ही साल में 12 लाख करोड़ रुपये कैसे पहुंची है और जब इस बारे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सवाल किया तो उनकी आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

मेधावी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन जरूरी

झारखंड सिर्फ खनिज संपदा नहीं बल्कि बौद्धिक क्षमता में भी आगे: मुख्यमंत्री

नवप्रदेश/रांची। झारखंड मंत्रालय स्थित सभागार में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा आयोजित ÷पुरस्कार वितरण समारोह (जेएसी/ सीबीएसई/आईसीएसई बोर्ड परीक्षा 2022 में झारखण्ड राज्य के प्रथम/द्वितीय एवं तृतीय तृतीय स्थान प्राप्त तथा स्टेट ओलम्पियाड के प्रथम/द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों का पुरस्कार वितरण समारोह) में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन

कुल 130 छात्र-छात्राओं को किया गया पुरस्कृत

पुरस्कार वितरण समारोह में प्रथम आने वाले स्टूडेंट्स को तीन लाख रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वालों को दो लाख रुपए एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को एक लाख रुपए की सम्मान राशि प्रदान की गई। साथ ही, प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी स्टूडेंट्स को एक लैपटॉप और एक मोबाईल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने आने वाली पीढ़ी के लिए एक नई योजना प्रारंभ की है। राज्य के मेधावी बच्चों को पुरस्कृत किया जा रहा है। हमारी सरकार की सोच है कि झारखंड के बच्चे चाहे यहां के सरकारी स्कूल में पढ़ाई कर रहे हों, सीबीएसई या आईसीएसई बोर्ड की पढ़ाई कर रहे हों। जो बच्चे शिक्षा को लेकर गंभीरता पूर्वक पढ़ाई करते हैं उनके उत्साह को

मजबूती प्रदान करने एवं शिक्षा के प्रति उनकी जागरूकता को बढ़ाने के उद्देश्य से आपकी सरकार ने यह योजना शुरू की है ताकि बच्चे और होनहार बने। उक्त बातें मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड मंत्रालय स्थित सभागार में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह (जेएसी %खअउ%/ सीबीएसई/आईसीएसई बोर्ड परीक्षा 2022 में झारखण्ड राज्य के प्रथम/द्वितीय एवं तृतीय तृतीय स्थान प्राप्त तथा स्टेट ओलम्पियाड के प्रथम/द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं का पुरस्कार वितरण समारोह) को संबोधित करते हुए कहीं।

बच्चों का उत्साहवर्धन जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुरस्कार वितरण योजना का उद्देश्य राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कर रहे बच्चों का उत्साहवर्धन करना है। शिक्षा विभाग ने इस कार्य को आज पूर्ण रूप दिया है। वर्तमान समय में अच्छे स्कूल तथा शिक्षण संस्थानों में नामांकन के लिए पैसों की जरूरत एवं पढ़ाई के लिए लैपटॉप और मोबाइल आवश्यक है। इसके जरिए वे तकनीकी जरूरतें पूरी कर सकते हैं। राज्य सरकार मेधावी छात्र-छात्राओं को आज पुरस्कार के रुप में ये सब जरूरत की चीजें प्रदान कर रही है। हमारी सरकार इन बच्चों के अभिभावकों को भी सहयोग करने का प्रयास कर रही है, ताकि 10वीं और 12वीं के बाद की सीढ़ी के लिए उन्हें अधिक चिंता करने की जरूरत न पढ़े और होनहार बच्चों को मदद मिल सके। प्रतियोगिता के इस दौर में यहां के बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता देखने को मिली। उसका बेहतर परिणाम देखने को मिला है। आज होनहार बच्चे सम्मानित हुए हैं। इन बच्चों की क्षमता को देखते हुए लगता है, आने वाले दिनों में इससे अधिक संख्या में बच्चे सामने आ सकते हैं। ■ शेष पृष्ठ 4 पर

1 अप्रैल से श्रमिकों को मनरेगा के तहत मिलेगा 255 रुपये पारिश्रमिक

रांची। झारखंड में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) श्रमिकों को 1 अप्रैल 2023 से प्रतिदिन 228 रूपए की मजदूरी मिलेगी। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा मनरेगा के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए राज्यवार प्रतिदिन मजदूरी की दर का राजपत्र में प्रकाशन कर दिया गया है। मनरेगा के तहत काम करने वाले अकुशल हस्त कर्मकारों हेतु झारखंड के लिए 228 रूपए प्रतिदिन की मजदूरी तय की गई है। यह नई दर 1 अप्रैल 2023 से प्रभावी होगी। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 210 रूपए मजदूरी दर निर्धारित थी। आगामी वित्तीय वर्ष के लिए इसमें 18 रूपए की बढ़ोतरी की गई है। बता दें कि झारखंड अभी केन्द्रांश के 210 रुपये और राज्य मद से 27 रुपये अलग से दे रहा है। यानी अभी 237 रुपये मिलते हैं। भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रति मानव दिवस मजदूरी 228 रूपये एवं राज्य योजना मद से 27 रूपये झारखंड सरकार वहन करेगी और झारखंड में मनरेगा श्रमिकों को कुल मिलाकर 255 रूपये का भुगतान किया जाएगा।

एससी रिजर्वेशन के विरोध में येदियुरप्पा के घर पत्थरबाजी, लोगों का हिंसक प्रदर्शन

शिवमोगा। कर्नाटक में सोमवार को आरक्षण के मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के घर पर पत्थरबाजी हुई। बंजारा और भोवी समुदाय के लोगों ने शिवमोगा में येदियुरप्पा के घर के बाहर हिंसक विरोध प्रदर्शन किए। राज्य सरकार ने फैसला किया है कि शेड्यूल कास्ट (एससी) को मिलने वाले आरक्षण को इस वर्ग की अलग-अलग जातियों में बांट दिया जाएगा। बंजारा और भोवी समुदाय इसी का विरोध कर रहा है। उनका कहना है कि इससे उनके समुदाय के लोगों के साथ अन्याय होगा। राज्य सरकार ने एससी समुदाय के आरक्षण को इसके अंदर आने वाली जातियों में बांटने का रिकमेंडेशन केंद्र सरकार को भेजा है। ■ शेष पृष्ठ 4 पर

कर्नाटक की बीजेपी सरकार ने लिए दो फैसले

कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण को लेकर दो बड़े फैसले किए। पहले फैसले के तहत सरकार ने ओबीसी मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत कोटा खत्म कर दिया। दूसरा फैसला ये कि इस 4 प्रतिशत कोटे को वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों में बांटा गया है। इस फैसले के बाद वोक्कालिगा के लिए कोटा 4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6 प्रतिशत कर दिया गया है। पंचमसालियों, वीरशैवों और अन्य लिंगायत श्रेणियों के लिए कोटा 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत हो गया है। वहीं, मुस्लिम समुदाय को अब ईडब्ल्यूएस कोटे के तहत आरक्षण मिलेगा।

दादा-दादी बने लालू-राबड़ी

पटना: डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव बने पिता. इसे लेकर लालू परिवार में जश्न का माहौल है. इस खुशी के समय को सभी काफी एंजॉय किया. परिवार के सदस्यों में खुशी का ठिकाना नहीं है. लालू परिवार में सभी ने ट्वीट कर इस खुशी के पल को लोगों से साझा किया है. वहीं, लालू यादव ने ट्वीट कर लिखा कि 'अपने बच्चे के बच्चे को प्रथम बार गोद में लेना अद्भुत, रोमांचक, सुखद और मंत्रमुग्ध करने वाला पल होता है. आप इस कीमती, नये,

छोटे से मासूम चेहरे में भविष्य के साथ-साथ अतीत एवं वर्षो के प्यार, त्याग और संघषोज़ को महसूस करते हैं. इनकी छोटी आंखें का मिलान कुछ नया दिखाता है'

पिता बनने पर बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने खुद इसकी सूचना भी दी. सोमवार को उन्होंने ट्विटर पर अपनी नवजात बेटी के साथ एक तस्वीर पोस्ट कर यह जानकारी दी. तेजस्वी ने लिखा- 'भगवान ने प्रसन्न होकर बेटी के रूप में उपहार भेजा है.'

राष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार पश्चिम बंगाल के दौरे पर कोलकाता पहुंची मुर्मू

कोलकाता (वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पद संभालने के बाद पहली बार सोमवार को पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंची। श्रीमती मुर्मू का हवाई अड्डे पर राज्य के राज्यपाल सी वी आनंद बोस, वरिष्ठ मंत्री फिरहाद हकीम और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया। राष्ट्रपति को हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। मुर्मू हवाई अड्डे से राज्यपाल के साथ नेताजी भवन कलकत्ता रेस कोर्स के लिए हेलीकाप्टर से रवाना हुई, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति सोमवार को नेताजी को श्रद्धांजलि देने के लिए कोलकाता में नेताजी भवन गई और शाम नेताजी इंडोर स्टेडियम में उनके सम्मान में आयोजित नागरिक अभिनंदन में भी शामिल हुई। बाद में श्रीमती मुर्मू रवींद्रनाथ टैगोर के घर जोरासांको ठाकुरबाड़ी में जाकर उनको श्रद्धासुमन अर्पित करेगी। वह राजभवन में ■ शेष पृष्ठ 4 पर

ईडी ने 5 साल में मनी लॉन्ड्रिंग के 3497 मामले दर्ज किए

■ बस्तर सांसद दीपक बैज के सवालों के जवाब में मंत्री चौधरी ने दिया जवाब

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को लोकसभा में बताया कि पिछले पांच साल के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत 3,497 मामले दर्ज किए हैं। लोकसभा में छत्तीसगढ़ के बस्तर सांसद दीपक बैज के प्रश्न के लिखित उत्तर में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने यह जानकारी दी। सांसद दीपक

बैज ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा विगत पांच साल में प्रत्येक साल के दौरान दर्ज किए गए मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों का ब्योरा मांगा था। इस पर, केंद्रीय मंत्री चौधरी ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय एक जांच एजेंसी है जिसे फेमा, पीएमएलए और ■ शेष पृष्ठ 4 पर

मोहम्मद फैजल की सदस्यता बहाली पर सुको में सुनवाई आज

नयी दिल्ली (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय मोहम्मद फैजल पी. पी. की लक्षद्वीप संसदीय क्षेत्र की सदस्यता बहाल करने में लोकसभा सचिवालय की कथित देरी के खिलाफ उनकी याचिका पर 28 मार्च को सुनवाई करेगा। याचिकाकर्ता मोहम्मद फैजल को हत्या के प्रयास के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 11 जनवरी 2023 को 10 साल कैद की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद 13 जनवरी को उनकी सदस्यता रद्द कर दी गई थी। हालांकि, उनकी सजा और 10 साल की जेल की सजा पर 25 जनवरी में रोक लगा दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता ए. एम. सिंघवी ने सोमवार को मामले पर शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया। उनके 'विशेष उल्लेख' पर गौर करते हुए पीठ ने 28 मार्च को सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त की। श्री सिंघवी ने सदस्यता बहाली के संदर्भ में पीठ के समक्ष कहा कि सात पत्र लिखे जा चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि केरल उच्च न्यायालय द्वारा उनकी दोषसिद्धि और सजा पर रोक के खिलाफ केंद्र शासित लक्ष्यदीप प्रशासन द्वारा दायर मामला मंगलवार को न्यायमूर्ति के एम जोसेफ की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष सुनवाई हो सकती है। ■ शेष पृष्ठ 4 पर

//-- सुविचार --//
ईश्वर के समक्ष केवल प्रार्थना ही ना करे बल्कि ध्यान भी लगाए।

सूर्योदय-सूर्यास्त

उदय : 05:47 प्रातः
अस्त : 06:03 संध्या

प्रदेश का मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	33.0	21.0
जमशेदपुर	38.0	22.0
हजारीबाग	32.0	21.2
डालटनगंज	38.0	21.0

गरमा-गरम

जी-20 सतत जलवायु के लिए जल संरक्षण

भारत ने 1 दिसंबर, 2022 को इंडोनेशिया से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की। जी-20 नेतृत्व, देश को ग्लोबल वार्मिंग, भोजन और ऊर्जा की कमी, आतंकवाद, भू-राजनीतिक संघर्ष और डिजिटल अंतर को कम करने समेत विभिन्न आकस्मिक स्थितियों से मुकाबला करने के लिए दुनिया को ÷भारत के प्रयास तथा वर्तमान स्थिति÷ (इंडिया स्टोरी) को सामने रखने का अवसर प्रदान करता है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत की जी-20 अध्यक्षता; पिछली 17 अध्यक्षता के कार्यकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के आधार पर आगे ब?ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस वर्ष की जी-20 थीम ÷एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य÷; भारत के ÷वसुधैव कुटुम्बकम÷ (विश्व एक परिवार है) के अंतर्निहित दर्शन को पूरी तरह से व्यक्त करती है। यह दर्शन भारत के जी-20 नेतृत्व का मार्गदर्शन करेगा।

पहली जी-20 पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह (ईसीएसडब्ल्यूजी) की बैठक एक सकारात्मक परिणाम के साथ संपन्न हुई, जिसमें सभी जी-20 देशों ने भारत की अध्यक्षता के अंतर्गत पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफएंडसीसी) द्वारा प्रस्तावित विषयों पर अपना समर्थन व्यक्त किया। निम्न उर्वरता भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने, समुद्र-तटीय क्षेत्रों में नीली अर्थव्यवस्था के जरिये सतत विकास को बढ़ावा देने, जैव विविधता को बढ़ाने, जंगल की आग और समुद्री कचरे को रोकने, चक्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने आदि विषयों पर हुई गहन चर्चा ने दूसरे शिखर सम्मेलन में अधिक सकारात्मक व दृष्टिगत विचार-विमर्श के लिए मंच तैयार किया है।

जल संसाधन प्रबंधन के सर्वोत्तम तौर-तरीके

अपनी जी-20 की अध्यक्षता के कार्यकाल के दौरान, भारत जलवायु परिवर्तन और जल संकट की चुनौतियों से जु? प्रभाव को कम करने के लिए एक एकीकृत, व्यापक और सर्वसम्मति पर आधारित दृष्टिकोण के प्रति आशान्वित है। जल संरक्षण, वास्तव में, भारतीय पहचान और सांस्कृतिक इतिहास का अभिन्न अंग है और वर्तमान समय में यह और अधिक प्रासंगिक हो गया है। पानी की ÷बचत÷ करना, केवल जल संरक्षण से जु?ा नहीं है, बल्कि यह

हम सबकी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्वच्छ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, चाहे समय और स्थान कोई भी हो।

भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने कृत्रिम पुनर्भरण और वर्षा जल संचयन के माध्यम से जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं। जल जीवन मिशन कार्यक्रम का लक्ष्य, 2024 तक 193 मिलियन से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से पेयजल आपूर्ति की सुविधा प्रदान करना है। हमारे महत्वाकांक्षी नमामि गंगे मिशन ने नदी के कायाकल्प, प्रदूषण में कमी, पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण और नदी बेसिन प्रबंधन के समग्र दृष्टिकोण आदि के सन्दर्भ में मूलभूत बदलाव किये हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने इसे प्राकृतिक जगत को पुनर्जीवित करने के लिए विश्व के शीर्ष 10 कायाकल्प कार्यक्रमों (रेस्टोरेशन फ़्लैगशिप) में से एक के रूप में मान्यता दी है।

अति महत्वपूर्ण जल भंडारण अवसंरचना को जलवायु अनुकूल बनाने के लिए भारत, दुनिया के सबसे ब? बांध पुनर्वास कार्यक्रम का भी कार्यान्वयन कर रहा है।

इसके अलावा, मांग और आपूर्ति पक्ष से जु? कार्यक्रमों के संयोजन के माध्यम से भूजल संसाधनों के दीर्घकालिक स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए, अटल भूजल योजना लागू की जा रही है। यह योजना समुदाय के नेतृत्व में, ग्राम पंचायत-वार जल सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से वर्तमान में चल रही/नई योजनाओं के संयोजन के जरिये कार्यान्वित की जा रही है।

इन प्रयासों और कई अन्य योजनाओं के साथ, भारत वर्ष 2047 तक जल सुरक्षित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ रहा है। इस परिदृश्य में, हम दूसरी जी-20 पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह (ईसीएसडब्ल्यूजी) बैठक की मेजबानी करने के लिए उत्सुक हैं। यह बैठक जल संरक्षण और सतत तथा समानता आधारित जल संसाधनों के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करेगी।

हमें उम्मीद है कि जल संसाधन प्रबंधन पर वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों और अभिनव विचारों पर चर्चा करने के लिए बैठक में विभिन्न जी-20 देशों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। मुझे विश्वास है कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत नदी कायाकल्प; जलवायु-अनुकूल ■ शेष पृष्ठ 4 पर

झारखंड कैबिनेट की बैठक में 44 प्रस्तावों पर लगी मुहर

रांची नगर निगम को 224 बसों को खरीदने के लिए 605.42 करोड़ रुपये की स्वीकृति

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 44 प्रस्ताव पर मुहर लगी। बैठक के बाद कैबिनेट की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने बताया कि बैठक में झारखंड श्रम प्रवर्तक भर्ती नियमावली (संशोधन) 2023 के साथ ही झारखंड औद्योगिक प्रशिक्षण सेवा संवर्ग संशोधित नियमावली 2023 की गठन की स्वीकृति दी गयी।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा शहरी स्थानीय निकाय कर्मियों के लिए सातवें वेतन आयोग के आलोक में सरकार का वित्तीय भार 2027- 28 तक होगा, पहले यह सिर्फ 2022- 23 तक था। वहीं नगर विकास विभाग रांची नगर निगम में 605.45 करोड़ की लागत से 224 सिटी बसों की खरीद करेगी। इन बसों में नॉन एसी की 220 और एसी इलेक्ट्रिक बस 24 होंगी। इससे राजधानी में बेहतर शहरी परिवहन व्यवस्था हो सकेगी।

रांची शहरी क्षेत्र में चल रही सिटी बस सेवा में नगर निगम नई रूट पर बसों को चलाने की तैयारी में है। इसके तहत ही कैबिनेट की बैठक में 244 बसों को चलाने के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है, जिसके लिए 605.45 करोड़ खर्च किए जाएंगे।

विभागीय प्रस्तावों के मुताबिक बसों के परिचालन के लिए कुल 13 रूट और 200 नए बस स्टॉप बनाए जाएंगे। प्रत्येक बस प्रतिदिन 174 किमी की दूरी तय करेगा। बसों

के परिचालन में कुल सकल लागत 62 रुपये प्रति किमी होगा, जबकि कुल राजस्व संग्रह 44.08 है। इस प्रकार प्रति किमी 17.03 रुपये का घाटा होने की संभावना है। ऐसे में अगले 10 वर्षों में 247 करोड़ रुपये के घाटा का आकलन किया गया है।

बसों का प्रस्तावित किराया दो किमी तक पांच रुपये, दो से पांच किमी तक 10 रुपये, पांच से 10 किमी के लिए 15 रुपये और 10 किमी से अधिक होने पर 20 रुपये निर्धारित किया गया है। प्रत्येक दो वर्षों में 11 प्रतिशत किराया वृद्धि होना प्रस्तावित है। पीपीपी मोड पर योजना का क्रियान्वयन ग्रॉस कास्ट कांट्रैक्ट मॉडल के आधार पर होगा, जिसमें तीन पक्ष ऑपरेटर 1, ऑपरेटर 2 और रांची नगर निगम होगा।

कैबिनेट के अन्य फैसले

- रांची में ट्रांसपोर्ट नगर फेज दो के लिए 657.82 करोड़ रुपये की लागत की मंजूरी

दी गई। वर्तमान में रांची के सुकरहुट्टू में बन रहे ट्रांसपोर्ट नगर के लिए 57.82 करोड़ की राशि दी गई है।
- झारखंड के भवनों में अब कॉमन टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना अनिवार्य होगा। नगर विकास विभाग के बिल्डिंग बायलॉज 2016 में संशोधन किया गया। इससे टेलीकॉम कंपनी जो सर्विस प्रोवाइडर इन आसानी से डिजिटल सुविधा पहुंचा सकेगी।
- एनसीसी कैडेट अब खेलकूद विभाग की जगह अब स्कूली शिक्षा विभाग के अंतर्गत शामिल होगा।
- सिमडेगा, खूंटी, दुमका में इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू होगा।
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2018 -19 और 2019- 20 में सरकार द्वारा देय प्रीमियम सब्सिडी राज्यांश एवं किसानों द्वारा देय प्रीमियम राशि को राज्य सरकार द्वारा भुगतान करने के लिए 362.50 करोड़ को वर्तमान वित्तीय वर्ष में ही बीमा कंपनियों के भुगतान की मंजूरी दी गई है।
- हर घर तक सुविधा पहुंचाने को लेकर मोबाइल वेटनरी यूनिट स्थापित करने के लिए 236 मोबाइल वेटनरी यूनिट क्लीनिक खोला जाएगा। इसके लिए 46 करोड़ रुपये दिए गए हैं।
- प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति की नियमावली में संशोधन किया गया है। इससे सरकारी सहायता प्राप्त सभी स्कूलों के साथ मदरसा को भी लाभ होगा।
- रांची में दुर्गा सोरेन चौक से रिंग रोड तक सड़क चौड़ीकरण के लिए 65 करोड़ रुपये की योजना स्वीकृत।
- नमामि गंगे योजना के तहत रामगढ़ में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए 310 करोड़ रुपये की योजना मंजूर हुई है।
- वित्तीय वर्ष 2022- 23 की एमएलए फंड की एकमुश्त निकासी की स्वीकृति दी गई। इसके लिए डीसी बिल समर्पित करना जरूरी नहीं होगा।
- भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मे अब महानिदेशक, अपर महानिदेशक के अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक भी हेड हो सकते हैं।
- कई विभागों यथा उत्पाद,कृषि, श्रम, कार्मिक, नगर विकास आदि के नियमावली में मैट्रिक, इंटर झारखंड से पास होने की अनिवार्यता को खत्म किया गया।
- बागवानी मिशन के लिए 16 करोड़ रुपये को सेविंग खाते में रखने की मंजूरी दी गई।
- अमृत योजना के तहत बड़कीसरैया में शहरी जलापूर्ति योजना के लिए 46 करोड़ रुपये की योजना मंजूर हुई।
- पूर्व मंत्री स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद सिंह के इलाज के दौरान हुए एयर एंबुलेंस में हुई खर्च की मंजूरी दी गई।
- एकलव्य मॉडल स्कूल को एनजीओ से चलाने के लिए मार्च 2023 तक इसी तरह कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित आश्रम विद्यालय पीवीटीजी आवासीय एसटीएससी प्राथमिक विद्यालय को भी एनजीओ से चलाने के लिए मार्च तक अवधि विस्तार दिया गया।
- एनटीपीसी करणपुरा टंडवा में गरही जलाशय के लिए 25 एकड़ जमीन एनटीपीसी को देने की स्वीकृति दी गई।
- डॉ अरुण कुमार सिन्हा सिविल सर्जन धनबाद की अपील अभ्यावेदन को अस्वीकृत किया गया।

एक नजर

मुख्यमंत्री से मिले कांग्रेस के झारखंड प्रभारी अविनाश पांडे

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से सोमवार को रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं झारखंड कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं झारखंड कांग्रेस प्रभारी के बीच राज्य में चल रहे विकासात्मक कार्यों सहित कई अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। मौके पर मंत्री आलमगीर आलम, मंत्री बादल पत्रलेख एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर उपस्थित थे।

टाटीसिलवे इलाके में मिला युवक का शव

रांची : टाटीसिलवे थाना क्षेत्र के आरा गेट रेलवे ट्रैक के समीप सोमवार को एक युवक का शव बरामद हुआ है। बताया जाता है कि ट्रेन के ठोकर लगने से यह हादसा हुआ है। युवक बीआईटी का रहनेवाला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी गई है।

छठी जेपीएससी मामले में प्रतिवादियों को झारखंड हाई कोर्ट का नोटिस

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सोमवार को छठी जेपीएससी मामले में उन प्रतिवादियों को पुनः नोटिस जारी किया है, जिन्हें पूर्व में नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उसका तामीला नहीं हो सका था। खंडपीठ ने रिजर्व कैटेगरी के अभ्यर्थियों के मेरिट को कंसीडर करते हुए उनका कैडर आवंटन अनरिजर्व कैटेगरी में किए जाने से संबंधित चंदन कुमार, गौतम कुमार, संजय कुमार महतो एवं कुमार अविनाश की अपील याचिका पर सुनवाई की। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने इन सभी को प्रतिवादी बनाते हुए नोटिस जारी किया था। कार्यरत अभ्यर्थी संजय कुमार महतो पहले से ही प्रतिवादी बनाए गए थे, कोर्ट ने उन्हें भी नोटिस जारी किया था। यह मामला छठी जेपीएससी परीक्षा से जुड़ा है, जिसमें आरक्षित वर्ग के जिन उम्मीदवारों ने अपनी योग्यता के आधार पर सामान्य वर्ग में जगह बनाई थी, उन्हें सामान्य श्रेणी में ही कंसीडर करते हुए जेपीएससी ने कैडर आवंटित किया। इसके विपरीत याचिकाकर्ता का कहना था कि कैडर आवंटन के लिए चॉइस ऑफ सर्विस के लिए उनका कंसीडरेशन आरक्षित वर्ग में ही किया जाना चाहिए था। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने जून, 2021 में जेपीएससी की ओर से रिजर्व कैटेगरी वाले अभ्यर्थियों को मेरिट के आधार पर उनका कैडर आवंटन अनरिजर्व कैटेगरी में किए जाने को सही ठहराया था। याचिकाकर्ता का कहना था कि उनका कैडर आवंटन उन्हीं की रिजर्व कैटेगरी में होना चाहिए था। याचिकाकर्ता ने एकल पीठ के आदेश को खंडपीठ में चुनौती दी है।

हर कार्यकर्ता जीत की शुरूआत अपने बूथ से करे : कर्मवीर सिंह

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की पूंजी हैं। लेकिन कार्यकर्ता का आधार संगठन है और संगठन सर्वोपरी है। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा में सब कार्य के लिए कार्यकर्ता और सभी कार्यकर्ता के लिए काम की प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है। उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता जीत की शुरूआत अपने बूथ से करें।

कर्मवीर सिंह सोमवार को रांची के नगड़ी स्थित स्वर्णरेखा बैंक्वेट हॉल में भाजपा के दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल की सांगठनिक बैठक में कार्यकताओं को संबोधित कर रहे थे। सिंह ने आगामी लोकसभा, विधानसभा चुनाव में पार्टी की बड़ी सफलता के लिए बूथ आधारित कार्यक्रमों को गति देने का आह्वान किया। उन्होंने बूथ समितियों को सर्व स्पर्शी, सर्व व्यापी और सर्व समावेशी बनाने पर बल दिया, जिसमें महिलाओं की

भागीदारी सुनिश्चित हो।

उन्होंने आगामी 11 अप्रैल को भाजपा द्वारा रांची में हेमंत सरकार के खिलाफ होने वाले विशाल प्रदर्शन की तैयारी सहित बूथ पर मनाए जाने वाले छह कार्यक्रमों,आगामी छह अप्रैल को पार्टी के स्थापना दिवस, 14 अप्रैल अंबेडकर जयंती पर मनाए जाने वाले समरसता सप्ताह जैसे कार्यक्रमों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पार्टी की योजना के अनुसार सभी कार्यकर्ता आगामी छह अप्रैल को पार्टी की स्थापना दिवस पर अपने घरों पर झंडा अवश्य लगाएं। साथ ही अंबेडकर जयंती के अवसर पर अपने-अपने क्षेत्र में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा सहित सभी महापुरुषों की प्रतिमा की साफ सफाई करते हुए प्रभातफेरी, माल्यार्पण, व्याख्यान, गोष्ठी जैसे कार्यक्रम अवश्य करें। साथ ही समरसता सप्ताह में स्वच्छता अभियान एवं सेवा कार्य अवश्य आयोजित करें।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष एवम विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि हेमंत सरकार की नाकामियों, विफलताओं और वादा खिलाफी के कारण उनकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है। भाजपा के द्वारा पिछले दिनों प्रखंड एवं जिला स्तर पर हुए राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में जनता का व्यापक समर्थन मिला। राज्य की आम जनता, महिला, युवा, आदिवासी, दलित, पिछड़े सहित सभी वर्ग के लोग हेमंत सरकार से ऊब चुके हैं। लोग इस सरकार से निजात चाहते हैं। मुंडा ने कहा कि पार्टी द्वारा आगामी 11 अप्रैल को रांची में आयोजित हेमंत हटाओ, झारखंड बचाओ आंदोलन में सड़कों पर जनसैलाब उतरेगा।

हाई कोर्ट ने दिया सेवानिवृत्त कर्मी को छह प्रतिशत ब्याज के साथ सारी सुविधाएं देने का आदेश

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सोमवार को पाकुड़ डिवीजन में पेयजल स्वच्छता विभाग में कार्यभारित स्थापना से सेवानिवृत्त कर्मी अमरेंद्र कुमार का कार्यकाल नियुक्ति के दिन से मानकर सारे बेनिफिट देने का निर्देश दिया है।

खंडपीठ ने याचिकाकर्ता की याचिका को स्वीकार करने के साथ ही एकल पीठ के आदेश को रद कर दिया। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि याचिकाकर्ता की सेवा की गणना नियुक्ति के दिन एक दिसंबर 1981 से करके इन्हें सारे बेनिफिट जैसे पेंशन, पीएफ, ग्रेच्युटी आदि का भुगतान छह प्रतिशत साधारण ब्याज के साथ दिया जाए।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता मनोज टंडन ने कोर्ट को बताया कि अमरेंद्र कुमार की नियुक्ति एक दिसंबर, 1981 को पाकुड़ डिवीजन के पेयजल स्वच्छता विभाग में कार्यभारित स्थापना में हुई थी। वर्ष 2005 में उसका नियमितीकरण हुआ। राज्य सरकार ने कहा कि पेंशन देंगे, लेकिन जिस दिन से उन्हें नियमित किया गया है, उस दिन से उन्हें पेंशन दिया जाएगा। याचिकाकर्ता वर्ष 2022 में सेवानिवृत्त हुए हैं।

अधिवक्ता मनोज टंडन ने कोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने प्रेम सिंह बनाम यूपी सरकार के केस में वर्ष 2019 में कहा है कि कार्यभारित स्थापना में नियुक्ति होने के दिन से सेवा की गणना होगी। हाई कोर्ट की एकल पीठ ने याचिकाकर्ता को किसी तरह की राहत नहीं दी थी। इस पर याचिकाकर्ता ने खंडपीठ में एलपीए दाखिल कर एकल पीठ के आदेश को चुनौती दी थी।

झारखंड हाई कोर्ट से हार्डकोर नक्सली भीखन गंझू को मिली जमानत

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस राजेश कुमार की अदालत में सोमवार को हार्डकोर नक्सली भीखन गंझू की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने भीखन को जमानत की सुविधा प्रदान कर दी है। अदालत ने यह शर्त रखी है कि भीखन का बेलर उसका कोई नजदीकी रिश्तेदार बनेगा। यह मामला हत्या आर्म्स एक्ट और 17 (सीएलए) क्रिमिनल लॉ एमेंडमेंट एक्ट से जुड़ा हुआ है, जिसमें रामगढ़ जिले के पतरातू थाने में भीखन गंझू के खिलाफ कांड संख्या 262 /2019 दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि रांची पुलिस ने वर्ष 2022 में पंडरा इलाके से 10 लाख के इनामी नक्सली भीखन गंझू को गिरफ्तार किया था। इसके बाद से वह न्यायिक हिरासत में है। भीखन उग्रवादी समूह टीपीसी का कमांडर है। पिपरवार के अशोका, टंडवा के मगध-आम्रपाली परियोजना में टेरर फंडिंग के केस में भी भीखन गंझू आरोपित है।

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,
प्राचार्य का कार्यालय,औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, इटखोरीगंज
Email principalitiikg@gmail.com
आवश्यक सूचना
PMKVY-4.0
Domestic Data Entry Operator (I.D) — 10th Pass
Customer Service Executive (Meet & Greet) — 12th Pass
PR 26701 (Dealer)22-23*D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION, DALTONGANJ.
VERY SHORT NOTICE INVITING TENDER
Tender Reference No. BCD/DALTONGANJ DIV/25/2022-23
1. Name of Department — Building Construction Department
2. Name of Authorities — Executive Engineer, B.C.D. Building Division, Daltonganj
3. Date and time of Sale of BOQ
4. Date and time of Receiving sealed tenders
5. Date and time of Opening of Sealed tenders
6. Place of Sale of BOQ — 1. In the Office of Executive Engineer, B.C.D. Building Division, Daltonganj 2. In the Office of Superintendent Engineer, B.C.D Circle No.-02, Ranchi.
7. Place of Opening and Receiving Tender — As per Place mentioned in serial No. 6 (1)
8. Details of Work
Sl. No. | Name of Work | Estimated Cost | Amount of Earnest Money | Cost of Tender Paper | Time Completion of Work
Updated Character, PAN, G.S.T Certificate, Up to Date G.S.T Return Certificate
Performance Security
Executive Engineer, Building Division, Daltonganj
PR 26741 Building(22-23).D

हजारीबाग केस में रामगढ़ की पूर्व विधायक ममता देवी को मिली जमानत

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस नवनीत कुमार की अदालत में सोमवार को रामगढ़ की पूर्व विधायक ममता देवी को गोला गोलीकांड के दो अलग-अलग मामलों में मिली सजा को चुनौती देने वाली क्रिमिनल अपील पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने ममता देवी को हजारीबाग केस में जमानत दे दी, जबकि रामगढ़ केस में सुनवाई के लिए 31 मार्च की तिथि निर्धारित की है। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता भोला नाथ ओझा ने पक्ष रखा। उल्लेखनीय है कि पूर्व विधायक ममता देवी को रामगढ़ सिविल कोर्ट और हजारीबाग सिविल कोर्ट ने दो अलग-अलग मामलों में सजा सुनाई है। एक मामले में 13 दिसंबर 2022 को उन्हें पांच साल की सजा मिली थी। वहीं दूसरे मामले में चार जनवरी 2023 को हजारीबाग की विशेष कोर्ट ने गोला गोलीकांड के चौथे मामले में ममता देवी और भाजपा नेता राजीव जायसवाल को दो-दो साल की सजा सुनाई थी। दोनों सजा को चुनौती देते हुए ममता देवी की ओर से हाई कोर्ट में अपील दाखिल की गई है।

हाईट्स बिल्डिंग सोसाइटी मामले में रांची डीसी ने हाई कोर्ट में जवाब दाखिल किया

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की कोर्ट में सोमवार को रतन हाईट्स बिल्डिंग सोसाइटी की याचिका पर सुनवाई के दौरान रांची के डीसी हाजिर हुए और अपना जवाब दाखिल किया। डीसी ने कोर्ट में बताया कि 20 अप्रैल के बाद रिटेनिंग वॉल कैसा होना चाहिए इसका डिजाइन बीआईटी मेसरा दे सकता है। बीआईटी अभी शैक्षणिक गतिविधियों में व्यस्त है। इस पर कोर्ट ने मेकॉन के अधिवक्ता को मौखिक कहा कि वह मेकॉन से इंस्ट्रक्शन ले कि वह रिटेनिंग वॉल की जांच करेगा या नहीं। अगर रिटेनिंग वॉल सही नहीं है, तो डिजाइन में कितना खर्चा लगेगा, इसका इस्टीमेट दे। कोर्ट को बताया गया कि रिटेनिंग वॉल का खर्चा डीसी की ओर से वहन किया जाएगा। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 29 मार्च निर्धारित की।

बीएयू : तेलहनी, दलहनी एवं मिलेट फसल पर प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन, कुलपति ने कहीं

झारखंड, उड़ीसा व छत्तीसगढ़ की जलवायु एवं भूमि मिलेट फसलों के लिए काफी उपयुक्त

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : भारत के प्रयासों से मिलेट के पोषक गुणों एवं आहार में महत्त्व को वैश्विक पहचान मिली है. आज पुरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष - 2023 मनाया जा रहा है. मिलेट फसलों के आच्छादन, उत्पादन एवं उत्पादकता के साथ निर्यात को बढ़ावा देने की दिशा में केंद्र और राज्य सरकार काफी सक्रिय है. झारखंड राज्य में भले ही हमारे थाली में मोटा अनाज (मिलेट) दूर हो गयी है, लेकिन प्रदेश में मोटे अनाजों की खेती सदियों से प्रचलित रही है. प्रदेश में मडुआ (रागी), ज्वार और बाजरा प्रमुख मिलेट फसलें है और सर्वाधिक रागी की खेती की जाती है. बीएयू ने रागी की चार उन्नत किस्में विकसित की है. वैज्ञानिकों द्वारा मिलेट के गुणवत्ता वाली उन्नत बीजों का उत्पादन एवं केवीके वैज्ञानिकों के थोड़े से प्रदेश में मिलेट फसलों के आच्छादन, उत्पादन एवं उत्पादकता में बढ़ोतरी के साथ निर्यात को बढ़ावा दिया जा सकता है. उक्त बातें तेलहनी, दलहनी एवं मिलेट फसल पर आयोजित प्रशिक्षण सह कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि कुलपति डॉ ओंकार नाथ सिंह ने कहीं।

कुलपति ने कहा कि झारखंड, उड़ीसा एवं छत्तीसगढ़ की जलवायु एवं भूमि मिलेट फसलों के लिए काफी उपयुक्त है और देश में मिलेट फसल के क्षेत्र में इन तीन राज्यों में काफी संभावनाएँ है. उन्होंने कहा कि जिले के कृषि विकास में केवीके की अग्रणी भूमिका रहीं है. राज्य की वर्त्तमान कृषि पारिस्थितिकी में केवीके वैज्ञानिकों द्वारा जिले में अंतिम किसान तक मिलेट, तेलहनी एवं दलहनी फसलों के तकनीकी हंस्तान्तरण पर विशेष प्रयासों की जरुरत हैं. गृहविज्ञान विषय के वैज्ञानिकों को मिलेट के मुल्यवर्धक उत्पादों को निर्मित कर किसानों को जागरूक की जानी चाहिए।

निदेशक अनुसंधान डॉ प्रदीप सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष झ 2023 में राज्य के सभी कृषि केन्द्र अपने केंद्र में मिलेट फसल आधारित तकनीकी पार्क, बैनर, पोस्टर एवं अन्य माध्यमों से प्रचार-प्रसार करें. किसानों के खेत में बेहतर प्रदर्शन वाली मिलेट फसल प्रजाति को चिन्हित कर स्टेट सीड चैन की मुख्य धारा में लाने की पहल हो. डॉ सिंह ने वैश्विक स्तर पर मिलेट उत्पादों की मांग को देखते हुए बीएयू वैज्ञानिकों को रागी की तरह राज्य के उपयुक्त ज्वार, बाजरा एवं गुन्दली की उन्नत फसल प्रजाति विकसित करने पर जोर दिया।

निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ एस कमार्कार ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों को स्थानीय कृषि पदाधिकारियों एवं किसानों के समन्वय से आगामी खरीफ एवं रबी मौसम में तेलहनी, दलहनी एवं मिलेट फसलों के प्रजाति का उन्नत बीज की आवश्यकता का आकलन करने पर जोर दिया. उन्होंने स्थानीय किसानों की मांग आधारित बेहतर बीज उत्पादन योजना एवं मार्केटिंग पर रणनीति बनाने और विशेष फोकस देने पर बल दिया।

आईसीएआर प्रोजेक्ट्स कोऑर्डिनेटर डॉ एमएस मल्लिक ने वर्त्तमान संदर्भ में मिलेट फसलों का प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन तथा मार्केटिंग को जिले के सुदूरवर्ती गांवों तक ले जाने पर जोर दिया।

डीन वेटनरी डॉ सुशील प्रसाद ने राज्य के कृषि विकास में तेलहनी, दलहनी एवं मिलेट फसलों को प्राथमिकता एवं वैज्ञानिक सोच आधारित बढ़ावा देने पर जोर दिया. स्वागत भाषण में निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ जगरनाथ उरांव ने कहा कि विश्वविद्यालय के शोध कार्यो पर मंथन और विकसित तकनीकी आधारित भावी रणनीति एवं प्रसार कार्यो हेतु यह कार्यक्रम आयोजित की गयी है।

कार्यक्रम का संचालन रेडियो हरियाली समन्वयक शशि सिंह तथा धन्यवाद केवीके, चतरा प्रभारी डॉ रंजय कुमार सिंह ने दी. बीएयू परिसर स्थित किसान भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ रितेश दुबे, डॉ सुशंता दत्ता, डॉ अदिति अलीजा, डॉ राजेश कुमार और डॉ प्राची सिंह सहित सभी 24 जिलों के कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान एवं वैज्ञानिक भी मौजूद थे।

राजस्व से संबंधित मामलों की समीक्षात्मक बैठक

शहीद सम्मान स्मारक पार्क बनाने के लिए अंचल अधिकारी को जमीन मुहैया कराने का निर्देश

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने सोमवार को राजस्व से संबंधित मामलों की समीक्षात्मक बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की। जिसमें अपर समाहर्त्ता राँची, राजेश कुमार बरवार एवं विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अनुमंडल पदाधिकारी सदर राँची, दीपक कुमार दुबे व राँची जिला के सभी अंचल अधिकारी और संबंधित पदाधिकारी मौजूद थे।

उपायुक्त ने बैठक में सबसे पहले सभी संबंधित अधिकारियों को रामनवमी, रमजान एवं चैती छठ, चैती दुर्गा पूजा को बेहतर तरीके से संपादित कराने के निर्देश सभी संबंधित पदाधिकारियों को दिया। वहीं उपायुक्त ने राजस्व संबंधित मामलों की समीक्षात्मक बैठक करते हुए संबंधित अधिकारियों को कई निर्देश दिए। जिसमें कृषि गणना 2021 प्रथम चरण के जितने पेंडेंसी के मामले राँची जिला में हैं, उन्हें 31 मार्च 2023 तक पूरा करने के निर्देश दिया। अंचल अधिकारी, तमाड़ एवं अनुमंडल पदाधिकारी बुंडू, अंचल अधिकारी बुंडू, को कृषि गणना संबंधित पेंडेंसी मामले 31 मार्च 2023 तक हटाने के निर्देश, राज्य ईवीएम वेयर हाउस हेतु भूमि जल्द उपलब्ध करा कर अगले विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव से पहले उपायुक्त राँची ने भवन निर्माण कराने के निर्देश अंचल अधिकारी नामकुम को दिया गया। साथ यह भी निर्देश दिया गया कि भूमि चिन्हित करने से पहले अच्छे से जाँच कर लें ताकि भूमि अधिग्रहण करने में समस्या ना हो। भूमि अधिग्रहण करने के समय आम सूचना भूमि अधिग्रहण संबंधित ग्रामीणों को दें ताकि अन्य समस्या उत्पन्न ना हो शामिल है।

इसके साथ ही उपायुक्त ने गौशाला, खटाल हेतु भूमि उपलब्ध कराने के लिए अंचल अधिकारी नगड़ी, रातु, नामकुम, कांके को निर्देश दिया, ताकि जल्द भूमि उपलब्ध होने पर शहर से खटालों को विस्थापित किया जा सकें, उपायुक्त द्वारा यातायात पार्क हेतु भूमि उपलब्ध कराने के लिए अंचल अधिकारी कांके एवं अरगोड़ा को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए जल्द भूमि उपलब्ध कराने को कहा गया ताकि यातायात पार्क जल्द बनाया जा सके, उपायुक्त ने एकलव्य विद्यालय संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए अंचल अधिकारी, नामकुम को जल्द भूमि उपलब्ध करा कर जल्द निर्माण कार्य पूरा कराने के निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कहा कि एकलव्य विद्यालय निर्माण मुख्य उद्देश्य हैं जिसे पूरा कराना सर्वपरि है।,वहीं उपायुक्त ने विधायक के आवास हेतु भूमि उपलब्ध कराने के संबंध में अंचल अधिकारी, नामकुम, रातु, नगड़ी, ओरमांझी को निर्देश देते हुए भूमि जल्द उपलब्ध कराने को कहा ताकि विधायक आवास निर्माण शुरू कराया जा सके। इसके आलावे उच्च न्यायालय से संबंधित मेडिएशन सेंटर हेतु भूमि जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश अंचल अधिकारी नामकुम और नगड़ी को दिया गया।

उपायुक्त ने एयरपोर्ट, सेना भूमि से संबंधित विस्थापन, दाखिल खारिज के लंबित मामलों का निष्पादन त्वरित कराने का निर्देश अंचल अधिकारी, नामकुम और अरगोड़ा को दिया। पांच दिन में टास्क पूरा करने का निर्देश एवं बंदोबस्ती पर्चा हर घर में पहुँच जाये यह सुनिश्चित कराने को कहा। कोई समस्या हो तो फोर्स की तैनाती कराने का निर्देश दिया। उन्होंने शहीद सम्मान स्मारक पार्क बनाने के लिए अंचल अधिकारी नगड़ी को जमीन मुहैया कराने के निर्देश दिया। ताकि पार्क का निर्माण जल्द शुरू कराया जा सके। यह पार्क 2 एकड़ भूमि पर बनना है। उपायुक्त, राँची ने मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना एवं फसल राहत योजना से लंबित मामले जल्द से जल्द निपटा कर लाभुकों को भुगतान कराने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं राँची जिला के सभी अंचल अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया, ताकि लाभुकों को इस योजना का लाभ मिल सके। कैटगरी बी में सुखाड़ राहत में भुगतान करने के निर्देश सभी राँची जिला के अंचल अधिकारीयों को दिया।

उपायुक्त, राँची ने कोविड से मृत व्यक्तियों के भुगतान से संबंधित सभी लंबित मामले अन्य जिलों से प्राप्त प्रतिवेदन पर लंबित जाँच प्रतिवेदन पर जल्द कार्रवाई करते हुए भुगतान कराना सुनिश्चित कराने एवं जितने प्रतिवेदन आये उसका तुरंत सत्यापन करा मुआवजा राशि देने निर्देश दिया। उपायुक्त, राँची ने राजस्व न्यायालय से संबंधित सभी मामलों में जिला के अंचल अधिकारी को निर्देश दिया कि ई-कोर्ट में कॉज लिस्ट तैयार करके डाटा एंट्री कराना सुनिश्चित करेंगे। जितने भी जिला के अधिकारी के कोर्ट चलते हैं, वह पूर्ण रूप से चलें यह भी सुनिश्चित करें।

गुप्त सूचना पर सुभाष नगर, बड़का टोली में पुलिस ने की छापामारी

पंडरा इलाके से मां-बेटी गिरफ्तार, 70 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : पंडरा ओपी पुलिस ने ब्राउन शुगर कारोबार में शामिल मां और बेटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस की गिरफ्त में आयी 55 वर्षीय महिला एनी बारला अपनी बेटी अन्नु पूर्ति के साथ पंडरा के बड़का टोली में किराये के घर में रहकर ब्राउन शुगर का धंधा कर रही थी। दोनों मूल रुप से खूंटी के कर्रा थाना क्षेत्र के महुगांव की रहनेवाली है।

इस संबंध में कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में महिला के द्वारा ब्राउन शुगर की बिक्री धडल्लें से की जा रही है। उक्त सूचना पर पुलिस टीम ने पंडरा ओपी अंतर्गत सुभाष नगर,बड़का टोली में छापामारी कर दो संदिग्ध महिला को पकड़ने में सफल रही। पुलिस ने गिरफ्त में आयी महिला के घर के अंदर चौकी से 70 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद की है,जिसका कुल वजन आठ ग्राम है।

पुलिस पूछताछ के दौरान गिरफ्तार दोनों माँ-बेटी ने बताया कि उन्हें ब्राउन शुगर अरगोड़ा, राँची का रहने वाला निखिल नाम का लड़का 150 रूपया प्रति पुड़िया की दल से उपलब्ध करवाता है। और ये दोनों उस ब्राउन शुगर की एक पुड़िया को 200 रूपया प्रति पुड़िया की दल से बेचती है। पुलिस टीम में प्रकाश सोय (पुलिस उपाधीक्षक, कोतवाली), पुअनि चन्द्र शेखर, (प्रभारी, पंडरा ओपी), पुअनि गुलाब सोय मुरूम, पुअनि मिथुन कुमार, सअनि एदल दास, सअनि रमेश कुमार सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

कार्यालय, प्रभारी न्यायाधीश (प्रशासन),
व्यवहार न्यायालय, लोहरदगा
नोटिस
PR 20574 (Advertising)(22-23)/D

प्रशासन ने अखाड़ों व श्रृंगार समितियों के साथ की बैठक

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : श्री महावीर मंडल रांची महानगर ,राँची के सभी अखाड़ो एवं श्रृंगार समिति का बैठक चैंबर भवन में आयोजित किया गया। जिसमे महानगर के विभिन्न आखाड़ा धारियों के अध्यक्ष और उनके प्रतिनिधियों ने प्रशासन के समक्ष अपनी बातों को रखते हुये समय से जुलुस का लाइसेंस देना , नई लाइसेंस का व्यवस्था करना जुलुस के मार्गो को सुगम बनाने , विजली पानी की व्यवस्था करने और लौटते हुए जुलुस के मार्गो में लाइट का व्यवस्था करने की मांग की हैं ।

इस बैठक के आरंभ में उपयुक्त, एसएसपी , सिटी एसपी व एडीएम लॉ को महानगर के अध्यक्ष कुणाल अजमानी , महामंत्री मुनचुन राय ,डॉ दिलीप सोनी , रमेश बाली , शेखर शरण , बादल सिंह ने संयुक्त रूप से मंडल की तरफ से अंगवस्त्र , तलवार एवं स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया । बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष कुणाल अजमानी के द्वारा किया गया, जिसमें रांची के विभिन्न क्षेत्रों से आये शहर से 105 आखाड़ा व 19 श्रृंगार समिति ने इस साल भव्य और विशाल रामनवमी शोभायात्रा निकालने का संकल्प लिया वहीं कार्यक्रम में मुख्यरूप से मंड़ल के मुख्य संरक्षक राँची विधायक सी पी सिंह ने कहा कि सभी लोग पूरे जोश और उमंग के साथ शोभायात्रा निकाले। कार्यक्रम में मुख्यरूप से राँची उपायुक्त राहुल सिन्हा ने कहा कि फ्लाईओवर के कार्य चल रहा है उसे लेकर आखाड़ा धारियों से विधि व्यवस्था में सहयोग करते हुये शोभायात्रा शांतिपूर्ण निकालने का आग्रह किया। बैठक में मुख्यरूप से मंडल अध्यक्ष कुणाल अजमानी , मंत्री मुनचुन राय ,डॉ दिलीप सोनी , रविन्द्र वर्मा, अनिल केशरी, अमरनाथ सरकार, शेखर सरण, शुम्भू प्रसाद, रवि प्रकाश टुन्ना, वजरंग वर्मा, रोहित शारदा, महेश सोनी, रमेश बाली, सतीश सिन्हा, बादल सिंह, राजेश्वर प्रसाद, राजन, दिलीप स्वर्णकार, विपिन सोनी, नवजोत अलंग, रोहित पांडेय , अमित गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, दिपक अग्रवाल, विक्रांत विश्वकर्मा, राजन वर्मा , कौशल चौधरी , अंकित सरकार, राहुल सोनी , समीर कुमार , अमन कुमार सहित अन्य लोग शामिल थे।

पीएनबी ने 20 फोल्डिंग स्ट्रेचर कराया उपलब्ध

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : पुलिस केंद्र रांची में सोमवार को पंजाब नेशनल बैंक के द्वारा रांची जिला के ग्रामीण क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर स्थित थाना को वाहन दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को उठाकर ले जाने के लिए 20 फोल्डिंग स्ट्रेचर उपलब्ध कराया गया।

गौरतलब है कि ग्रामीण थाना क्षेत्रों में स्थित थाना के समीप सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को ले जाने में पुलिसकर्मियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। पुलिस की इस परेशानी को देखते हुये लिए पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण रांची के द्वारा पंजाब नेशनल बैंक के उप-महाप्रबंधक रांची से आग्रह किया गया कि आप अपने सीएसआर मद से रांची पुलिस को फोल्डिंग स्ट्रेचर उपलब्ध कराइए ताकि घायलों को इलाज के लिये ले जाने में सुविधा हो। इस कार्यक्रम में पंजाब नेशनल बैंक के उप महाप्रबंधक, रांची जिला के वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, नगर, सहायक पुलिस अधीक्षक मुख्यालय प्रथम सहित पुलिस केंद्र के अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

MINOR IRRIGATION DIVISION, CHATRA
Very Urgent e-Procurement Re-Tender II call
Tender Reference No. WRD/MID/CHATRA/F1-01/2023-23 Date :- 27.03.2023
Executive Engineer,
Minor Irrigation Division, Chatra
PR 20567(Minor Irrigation) 22-23 (2)

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, बोंडा, राँची
Email Id – eeDwsd.gonda@gmail.com
अविलम्ब आवश्यक निविदा आमंत्रण सूचना सं० –21/2022–23
PR NO.20560 Drinking Water and Sanitation(22-23) D

श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति पूजा पंडाल का उद्घाटन आज

रांची : श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति के द्वारा आज पूजा पंडाल का पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जायेगा, महासप्तमी तिथि में बेलवरण पूजा एवं नवपत्रिका प्रवेश सुबह 10 :00 बजे किया जाएगा। इस पूजा पंडाल का उद्घाटन उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा, एसएसपी कौशल किशोर, एडीम राजेशवर नाथ अलोक के द्वारा की जायेगी। सभी अतिथिओं का स्वागत समिति के अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू एवं महामंत्री गोपाल पारीक द्वारा की जाएगी। इस मौके पर सक्रिय रूप से महासमिति के मुख्य संरक्षक किशोर साहू, रमेश सिंह , राजकुमार गुप्ता, उदय साहू,कोषाध्यक्ष संजय सिंह (लल्लू सिंह) सहित संस्था के सभी पदाधिकारी गण उपस्थित रहेंगे। वहीं पहले व दूसरे मंगलवारी के सफल आयोजन के बाद तीसरी मंगलवारी शोभायात्रा संध्या 07 बजे से, भक्त शिरोमणि हनुमान रहेंगे आकर्षण का केंद्र, 101 किलो शुद्ध घी से निर्मित लड्डू भोग, ढ़ोल नगाड़े, तथा अस्त्र – शस्त्र का प्रदर्शन करते हुए भक्त महावीर चौक पहुंचेंगे।

पुंदाग में 79 वाँ अन्नापूर्णा भंडारे का आयोजन

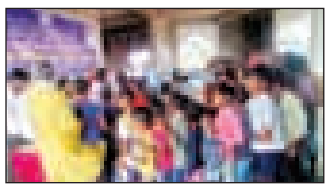

रांची : श्रीकृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट एंव स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट (रजिड्ड) दिल्ली शाखा राँची के सयुंक्त तत्वाधान मे 79 वाँ श्री कृष्ण प्रणामी अन्नापूर्णा भंडारे का आयोजन संस्था के निमार्णाधीन श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम(आश्रम) मंदिर पुंदाग के परिसर मे किया गया। जिसमें संस्था ने सैकड़ो श्रद्धालुओ के बीच पुड़ी सब्जी, खीर व पुलाव का प्रसाद के रुप में वितरण किया। इस अन्नपूर्णा भंडारे का संचालन संस्था की वरिष्ठ सदस्य श्री पुर्णमल सर्राफ और उनके परिवार के सौजन्य से किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल ,उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज कुमार चौधरी, अनमोल सर्राफ,पवन पोद्धार, शकुंतला केजरीवाल, सुधा सुल्तानिया,पायल सर्राफ, अमिता जालान, शिव भगवान अग्रवाल,ओमप्रकाश सरावगी, विशाल जालान,रमेन्द्र पाण्डेय, आलोक सिंह, धीरज कुमार गुप्ता, सुनीता अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

हत्याकांड के आरोपियों को उम्र कैद व 10 हजार जुर्माना की सजा

रांची : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, प० सिंहभूम, चाईबासा के न्यायालय द्वारा सोमवार को हत्याकांड के अभियुक्त बागुन टुन्टीया और चोरन टुन्टीया को आजीवन कारावास व 10 हजार रुपए जुमार्ना की सजा दी गई है। दोनों चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के लुपुंगबेडा गांव के रहनेवाले है। गौरतलब है कि दोनों अभियुक्तों के खिलाफ 27 मई 2021 को चक्रधरपुर थाना में कोड़ा खण्डैत की हत्या करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। 24 मई 2021 को समय रात्रि करीब आठ बजे कोड़ा खण्डैत ग्राम लुपुंगबेड़ा स्थित छोटा तालाब में स्नान करने गये थे,जहां नहाने के क्रम उनके पैर में मछली पकड़ने वाला जाल में फंस गया उसने जाल को जैसे ही उठाया कि वहाँ पर पहले से ही छुपे हुए व्यक्ति बागुन टुन्टीया एवं चोरन टुन्टीया ने उनको लाठी और पत्थर से सिर और छाती पर जान मारने के नियत से वार कर दिया, जिससे कोडा खण्डैत गम्भीर रूप से जख्मी हो गये। जख्मी कोड़ा खण्डैत को ईलाज के लिए अनुमण्डल अस्पताल, चक्रधरपुर ले जाया गया ,जहाँ से बेहतर ईलाज के लिए सदर अस्पताल चाईबासा रेफर कर दिया गया। ईलाज के दौरान 26 मई 2021 को रात्रि 11:00 बजे चिकित्सक द्वारा कोड़ा खण्डैत को मृत घोषित कर दिया गया था।

भारतीय कालगणना पुरातन और प्राचीन : कर्मवीर

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : मैथिली समाज के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में आकर मैं गर्व की अनुभूति कर रहा हूं। नववर्ष की परंपरा सृष्टि के प्रथम चरण से रही है। हमारे पंचांग की परंपरा प्राचीन है। भारतीय पंचांग दुनिया का सबसे पुरातन पंचांग है। आज का यह कार्यक्रम जिस महापुरुष के नाम पर आयोजित है उन्हें कोटि - कोटि अभिनंदन। उक्त बातें अशोक नगर के चिंतन सभागार में विश्वंभर फाउंडेशन द्वारा आयोजित पंचांग कैलेंडर विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झारखंड प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री संगठन कर्मवीर सिंह ने कही।

मौके पर विश्वंभर फॉउंडेशन द्वारा दी जाने वाली 'विश्वम्भर मैथिली साहित्य सम्मान - 2022 की भी घोषणा की गयी। स्व. विश्वम्भर झा की पुण्यतिथि पर आयोजित इस कार्यक्रम में ज्यूरी के संयोजक श्री प्रमोद कुमार झा ने विश्वम्भर मैथिली साहित्य सम्मान - 2022 की घोषणा करते हुए कहा कि इस वर्ष का सम्मान मैथिली के मूर्धन्य रचनाकार शिवशंकर श्रीनिवास को दिया गया है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी झारखण्ड प्रदेश के संगठन महामंत्री श्री कर्मवीर सिंह, रांची के विधायक श्री सी पी सिंह, गुमला जिला प्रभारी सत्यनारायण सिंह, भरतीय जनतांत्रिक मोर्चा के धर्मेंद्र तिवारी, रांची नगर निगम वार्ड 26 के पार्षद अरुण कुमार झा, समाज सेवी रमेश सिंह, दूरदर्शन के सेवा निवृत निदेशक प्रमोद कुमार झा, लहरि त्रैमासिक पत्रिका के संपादक प्रोफेसर नरेंद्र झा, समाजसेवी विवेकानंद झा मुन्नू जी एवं अमरनाथ झा संग फॉउंडेशन के सचिव नवीन कुमार झा, राजेश झा सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुभारंभ सर्वप्रथम भारत माता, माँ जानकी एवं स्व. विश्वम्भर झा चित्र पर पुष्पांजलि एवं गायक कलाकार अश्वनी आनंद के गाये गोसोवनी गीत जय जय भैरवी असुर भयावनी से हुई। संगठन महामंत्री श्री कर्मवीर सिंह जी हिंदू नव वर्ष एवं हिन्दू संस्कृति पर प्रकाश डालते हुए विश्वम्भर फॉउंडेशन को झारखण्ड में नई परंपरा का प्रारम्भ पर सराहना की। प्रमोद कुमार झा जी के द्वारा विश्वम्भर मैथिली साहित्य सम्मान - 2022 किया गया। अमर नाथ झा ने विश्वम्भर फॉउंडेशन के क्रिया कलाप पर प्रकाश डाला। मिथिला से आये चिर परिचित कलाकार श्री रामसेवक ठाकुर ने चैता, सोहर एवं माँ जानकी के गीत गाकर आये। ठाकुर ने श्रोताओ की जबरदस्त वाह वाही लूटी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेश झा, किशोर झा, प्रदीप कुमार चौधरी, आनंद कुमार झा नन्दू जी , शुभांकर राय, सुबोध कुमार, आनंद सिंह, इंद्रजीत यादव, कुंदन सिंह, पवन चौधरी के संग अनेको लोगो का योगदान रहा।

अमृतकाल में भारत को विश्वगुरु बनने से कोई रोक नहीं सकेगा : राज्यपाल

हिन्दू नववर्ष उत्सव में राज्यपाल ने कहा भारत की संस्कृति शस्त्र नहीं शास्त्र है

चैत्र प्रतिपदा धरती मां के उत्पत्ति और हमारे प्रथम पूर्वज का दिन है : इंद्रेश

नवप्रदेश प्रतिनिधि बिक्रमगंज/ नववर्ष उत्सव में दिखा लोगों में उत्साह, धार्मिक गुरुओं के अमृतवचन और लोक कलाकारों की गायकी की भी संगम दिखी बिक्रमगंज। आने वाला 25 साल हिंदुस्तान का अमृतकाल काल है। देश की आजादी का सौ वर्ष पूरा होते होते भारत को विश्वगुरु बनने से कोई नहीं रोक सकेगा। यह बात बिहार के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने सोमवार को बिक्रमगंज के तेन्दुनी काली स्थान परिसर में आयोजित हिन्दू नववर्ष उत्सव में बतौर मुख्य अतिथि सभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि इसके लिए स्व जागरण, स्वदेशी जागरण, स्व परम्परा जागरण, स्व संस्कृति, स्व इतिहास जागरण की जरूरी है। भारत की संस्कृति शस्त्र नहीं शास्त्र है। स्वामी विवेकानंद शिकागो शस्त्र नहीं शास्त्र लेकर गए थे और पूरी दुनियां ने उनका लोहा माना। उन्होंने कहा कि वर्तमान अंग्रेजी काल गणना ग्रेगेरियन पद्धति है। जबकि हमारी काल गणना शास्त्र के अनुसार है। यह 150 वर्ष पूर्व आयी और इसे

हमलोगों ने अपना लिया। जबकि पड़ोसी देश नेपाल में आज भी शास्त्र के अनुसार ही काल गणना होती है। इसलिए स्व जागरण की आवश्यकता है। हमारी संस्कृति स्वामी विवेकानंद की संस्कृति रही है। दूसरों को हमारे धर्म मे लाने की संस्कृति नहीं है। हमने बाहर जाकर कहीं अत्याचार नहीं किया।

मुख्य वक्ता व आर एस एस के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार ने कहा कि वर्ष प्रतिपदा पवित्र दिन है। मदर अर्थ डे है। इसी दिन पृथ्वी ब्रह्मांड में अवतरित हुई। पृथ्वी को ऊर्जा के लिए खनिज डाले गए। यह हमारे प्रथम पूर्वज के उत्पत्ति का दिन है। मानव जीवन की उत्पत्ति का दिन है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति संहारक की नहीं उद्धारक की रही है। पश्चिम ने पाप किया उद्धारक को संहारक बना दिया। उन्होंने कहा कि ब्रह्मांड का पहला नाम ॐ है। मनुष्य के उत्पादन की नारी की कोख से है। जिसने ने जन्म दिया वह मां है। उन्होंने ॐ का एक स्वर में उच्चारण किया व कराया। कहा कि मां से प्रेम करो धरती से प्रेम करो सभी को शांति का अहसास होगा। इंद्रेश जी ने हिन्दू नववर्ष चैत्र शुक्लपक्ष प्रतिपदा के संबंध में विस्तार से चर्चा किया। साथ ही लोगों को जाति भेद, छुआछूत मुक्त समरस बनने व भारत को बनाने, पर्यावरण मुक्त बनाने, वृक्ष लगाने, दंगा मुक्त देश बनाने, धर्मांतरण नहीं धर्मो का सम्मान करने, नारी शोषण नहीं करने, गरीब, दुःखी, दिव्यांग को अपमान नहीं सम्मान देने, नशा मुक्त बनने, गौ तस्करी नहीं करने, गौ सेवा, गौ पालन का देश बनाने, एक बनेंगे - नेक बनेंगे का संकल्प कराया। पूर्व विधायक राजेश्वर राज ने स्वागत भाषण किया और राज्यपाल, मुख्य वक्ता सहित आगंतुकों का स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रज्ञा पुंज पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने राष्ट्र गान, लोक कलाकारों की भक्ति गीत संत नारायचार्य जी महाराज, अयोध्याचार्य जी महाराज, अरविंदाचार्य जी महाराज के आशीर्वचन के बाद शंखनाद से हुआ। समारोह को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र बौद्धिक प्रमुख राणा प्रताप ने भी संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन धनन्जय सिंह ने किया। इस अवसर पर राज्यपाल सहित उपस्थित लोगों ने विनय मिश्र का चैता गायन का भी आनंद लिया।

भगवा रंग के झंडे से पटा संझौली

नवप्रदेश प्रतिनिधि/संझौली. रामनवमी पर्व को देखते हुए श्रद्धालु अपने घरों, गलियों व सड़कों की साफ-सफाई में युद्ध स्तर पर जुट गए हैं. श्रद्धालुओं का मानना है कि जहां साफ सफाई, स्वच्छता व आपस में प्रेम सद्भावना होती है तो वहीं प्रभु की निवास होती है. अगर मेरा घर, मेरा गांव, मेरा शहर स्वच्छ रहेगा तो प्रभु की कृपा हम पर बनी रहेगी. पर्व के अवसर पर श्रद्धालु आरा - सासाराम मुख्य पथ एसएच-12 के दोनों तरफ सैकड़ों भगवा रंग के झंडे लहरा कर पर्व के प्रति अपनी आस्था जता रहे हैं. भगवा झंडा कुर्मी क्षत्रिय उच्च विद्यालय से लेकर न्यू एरिया बाड़ी नहर संझौली तक सड़क के दोनों किनारे श्रद्धालुओं द्वारा लगाया गया है, पूरा वातावरण भक्ति में बना हुआ है. महिलाएं सुबह स्नान कर, मां काली मंदिर में मां से संबंधित मधुर गीत गाती हुई पूजा अर्चना करते देखी जा रही है.

परामर्श केंद्र में मनाया गया पोषण दिवस

नवप्रदेश प्रतिनिधि/संझौली. सोमवार को बाल विकास परियोजना परामर्श केंद्र में एक उत्सव का आयोजन कर पोषण पखवाड़ा दिवस मनाया गया. सीडीपीओ सरोज हंसदा के नेतृत्व में आंगनबाड़ी पर्यवेक्षिका, सेविका व सहायिकाओं द्वारा पोषण पखवारा दिवस मनाया गया. पोषण पखवाड़ा दिवस प्रखंड क्षेत्र के हर आंगनबाड़ी केंद्रों पर 20 मार्च से तीन अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा दिवस मनाया जाएगा. प्रत्येक दिन प्रत्येक केंद्र पर पोषण से संबंधित एक्टिविटी किया जा रहा है. गर्भवती महिलाओं, धात्री महिलाओं व बच्चों को सीडीपीओ द्वारा मोटे अनाज खाने और खिलाने के लिए विशेष बल दिया गया. सीडीपीओ ने कहा कि भोजन में मक्का, बाजरा, जिनोरा, गेहूं, मडुआ, चना, मंसूर, अरहर इत्यादि का सेवन अपने करें और अपने बच्चों को भी कराए. वही पखवारा पोषण दिवस पर उपस्थित सेविका व सहायिकाओं को आंगनबाड़ी पर्यवेक्षिका ज्योति कुमार ने कहा कि घर बिस्तर, पहनने वाले वस्त्र बर्तन को साफ सुथरा रखें. शौच के बाद और खाने के पहले साबुन से हाथ धोने और बच्चों को भी धोने की आदत डालें. पोषण पखवारा दिवस पर की गई आयोजन का उद्घाटन सीडीपीओ सरोज हंसदा ने दीप प्रज्वलित कर किया. उक्त अवसर पर मीरा देवी, सरोज कुमारी, सीमा कुमारी, चंद्रावती देवी, उर्मिला देवी, कंचन कुमारी मंजू कुमारी, रिंकू देवी सहित दर्जनों सेविका व सहायिका उपस्थिति थी.

समाज में सौहार्द तथा शांतिपूर्ण माहौल कायम करना पहली प्राथमिकता-थानाध्यक्ष सुधीर कुमार

नवप्रदेश प्रतिनिधि/ नासरीगंज (रोहतास): नासरीगंज थाना के नये थानाध्यक्ष सुधीर कुमार का जनप्रतिनिधियों व समाजसेवियों ने रविवार को स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने थानाध्यक्ष सुधीर कुमार को बुके व अंगवस्त्र देकर समानित किया। लोगों ने कहा कि नये थानाध्यक्ष से हम सभी को काफी उम्मीदें हैं कि अपराध नियंत्रण, शराबबंदी समेत सभी पर कंट्रोल करेंगे और समाज मे एकता कायम करने का प्रयास करेंगे। वहीं थानाध्यक्ष ने कहा कि सबसे पहली प्राथमिकता समाज में सौहार्द तथा शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना है। लोगों को उचित न्याय दिलाना उनका परम कर्तव्य होगा। समाज के सभी लोगों के साथ आपसी सामंजस्य बनाकर शांति बनाए रखना है। उन्होंने आगे बताया कि जो व्यक्ति गलत प्रवृत्ति तथा अपराधिक किस्म के हैं उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे लोगों को चिन्हित करते हुए कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर प्रखण्ड प्रमुख योगेश कुमार, मुखिया संघ के अध्यक्ष शशि कुमार, जदयू प्रखण्ड अध्यक्ष डॉ०अमरेंद्र कुमार, समाजसेवी चंद्रकांत कुमार मुन्ना, उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि लुकेश्वर कुमार प्रिय, बबन कुमार सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष संजय कुमार उर्फ लालबाबू, जिला मंत्री प्रमोद कुमार सिंह, अमित कुशवाहा, रौशन कुमार सिंह, संतोष कुमार आर्य, जय सिया राम, कमलेश गुप्ता आदि मौजूद थे।

प्रथम पृष्ट का शेष **130 छात्र-छात्राओं के बीच...** उन सभी बच्चों को सरकार सम्मान देगी ताकि वे बेहतर कर सकें। झारखंड सिर्फ खनिज संपदा नहीं बल्कि बौद्धिक क्षमता में भी आगे मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखण्ड सिर्फ खनिज संपदा पर ही नहीं बल्कि बौद्धिक क्षमता में भी आगे रहने की काबिलियत रखता है। यही वजह है कि जिन बच्चों को सरकार ने निः शुल्क उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजा था, वे अब अपने पैर पर खढ़े हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेश पढ़ाई करने गए कई बच्चों ने विदेशों में ही नौकरी पायी है। मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने 130 छात्र-छात्राओं के बीच 1 करोड़ 32 लाख रुपए की नकद राशि, लैपटॉप और मोबाईल सम्मान स्वरूप प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने दो कॉफी टेबल बुक का लोकार्पण किया इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों में बौद्धिक और शारीरिक विकास के लिए आयोजित खेलो झारखण्ड एवं समग्र शिक्षा अभियान के तहत आयोजित कला उत्सव की जानकारी और उपलब्धियों को समेटे कॉफी टेबल बुक का लोकर्पण किया। पुरस्कार वितरण समारोह में राज्य के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो द्वारा प्रेषित संदेश भी पढ़ा गया। पुरस्कार वितरण समारोह में राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, प्रधान सचिव मुख्यमंत्री वंदना डाडेल, झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार महतो, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, विभागीय सचिव के0 रवि कुमार, राज्य परियोजना निदेशक किरण कुमारी पासी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं राज्य भर से पहुंचे पुरस्कृत होने वाले छात्र-छात्राएं एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

बंजारा समुदाय के लोगों... ये रिकमेंडेशन जस्टिस सदाशिव कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर भेजा गया है। प्रदर्शनकारी इसी रिकमेंडेशन को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। इस कमीशन ने अपनी रिपोर्ट में एससी कम्युनिटी के अंदर आने वाली जातियों को प्रपोशनल रिजर्वेशन (आनुपातिक आरक्षण) देने की सलाह दी थी। बंजारा समुदाय के लोगों ने आरोप लगाया है कि ये रिपोर्ट एससी कम्युनिटी के अंदर आने वाली जातियों को बांटने का काम करेगी। बंजारा और भोवी समुदाय के हजारों लोग सड़कों पर उतर आए और राज्य सरकार के फैसले का विरोध करने लगे। प्रदर्शनकारियों ने येदियुरप्पा और सीएम बसवराज बोम्मई के पोस्टर भी जलाए। पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा और वाटर कैनन का भी इस्तेमाल किया। इस दौरान एक पुलिसकर्मी घायल हो गया।

आदिवासी समूहों की बैठक भी करेंगी। राष्ट्रपति मंगलवार को विश्वभारती **राष्ट्रपति..** के वार्षिक दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए शांति निकेतन जायेगी। वह कोलकाता में यूको बैंक के 80 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित समारोह में शिरकत करने के अलावा बेलूर मठ भी जायेगी।

महिला कॉलेज में विज्ञान व वाणिज्य की पढ़ाई प्रारम्भ किया जाए - उप मुख्य पार्षद

नवप्रदेश प्रतिनिधि डेहरी/वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय से अंगीभूत महिला कॉलेज डालमियानगर में पीजी स्तर तक विज्ञान व वाणिज्य की अध्यापन की व्यवस्था की जाए। विज्ञान के युग में छात्राएं विज्ञान व वाणिज्य के अध्यापन से वंचित हैं। उप मुख्य पार्षद रानी कुमारी ने राज्यपाल सह कुलाधिपति को बिक्रमगंज में सोमवार को ज्ञापन सौंपकर मांग की। उन्होंने कहा है कि महिला कालेज में विज्ञान व वाणिज्य की पढ़ाई नही होने से छात्राएं विज्ञान के युग मे विज्ञान की पढ़ाई से वंचित है। उन्होंने कहा है कि महिला कॉलेज डालमियानगर में सन 2014 में बीएससी व बीकॉम के अध्यापन की अधिसूचना स्ववित्तपोषित योजना के तहत किया गया था। पढ़ाई भी प्रारम्भ हुई। विश्वविद्यालय ने 2019 में सरकार से अनुमति नही मिलने के कारण पढ़ाई बन्द कर दिया गया। जिस कारण छात्राएं विज्ञान व वाणिज्य के अध्यापन से वंचित हो गई है। उन्होंने कहा है कि डेहरी आन सोन स्थित महिला कॉलेज डालमियानगर वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय का पहला नैक ग्रेड कराने वाला कालेज है। 2016 में को इसे नैक से बी ग्रेड मिला है। विज्ञान की पढ़ाई को प्रयोगशाला, स्मार्ट क्लास समेत सभी आधारभूत संरचनाए मौजूद है। उन्होंने कहा है कि आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि 2011 में वीर कुंवर सिंह विश्विद्यालय ने अपने पत्रांक डीएसडब्ल्यू 05 -2011, 17 नवम्बर 201 1 को महिला कॉलेज में राज्य सरकार के स्नातक स्तर पर स्नातक विज्ञान में 540 व वाणिज्य में 324 सीट निर्धारित किया है। श्रीमती कुमारी ने कहा है कि महिला सशक्तिकरण के विकास के मद्देनजर अंगीभूत महिला कालेज डालमियानगर में पीजी स्तर तक विज्ञान व वाणिज्य के अध्यापन की व्यवस्था किया जाए।

जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी-क्विज प्रतियोगिता में अव्वल आए विद्यालय के स्टूडेंट्स को किया गया सम्मानित

नवप्रदेश प्रतिनिधि सूर्यपुरा। प्रखंड मुख्यालय स्थित राज राजेश्वरी प्लस टू उच्च माध्यमिक विद्यालय के द्वारा सोमवार को जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं क्विज प्रतियोगिता तथा दक्ष खेल में स्थान पाने वाले स्टूडेंटस को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल से सम्मानित किया गया, विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक राजीव रंजन के नेतृत्व में सम्मान समारोह आयोजित किया, जिसमें आ वाला स्थान पर विज्ञान प्रदर्शनी के ग्लोबल वार्मिंग तथा क्विज प्रतियोगिता एवं अध्यक्ष खेल में आने वाले छात्र छात्राओं को विद्यालय परिवार के द्वारा प्रशस्ति पत्र के साथ हैं मेडल देकर सम्मानित करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया, शिक्षक डां सुभाष कुमार ने बताया कि जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम स्थान पाने वाले ग्रुप में शामिल नवीं वर्ग के अमन कुमार,निखिल कुमार,आयूष कुमार,सुमित कुमार को विद्यालय स्तर पर मेंडल एंव प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वही दक्ष खेल में उत्कृष्ट योगदान देने वाली छात्राओ में अंजली कुमारी,तथा क्विज प्रतियोगिता में अव्वल आने वाली निधि कुमारी को भी मेंडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, मौके पर विद्यालय के पूर्व प्रभारी प्रधानाध्यापक मो शाहिद इकबाल खान, संजीत कुमार, रंजीत कुमार, मंटून कुमार ,गुलाब चंद्र गुप्ता, वीरेंद्र कुमार, विकास कुमार, भृगुनाथ गिरी, कुमारी शोभा रानी, अजय कुमार दुबे ,कमलेश वर्मा, जैनेंद्र कुमार पांडे, विमलेश कुमार, अशोक कुमार के साथ ही विद्यालय के लेखा सहायक निरंजन कुमार एवं परिचारी के साथ ही अन्य शिक्षक गण उपस्थित थे.

भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम 2018 के उपबंधों को लागू करने का काम सौंपा गया है। वित्त राज्य मंत्री द्वारा निचले सदन में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत वर्ष 2018-19 में 195 मामले, साल 2019-20 में 562 मामले, साल 2020-21 में 981 मामले, वर्ष 2021-22 में 1,180 मामले और साल 2022-23 में 28 फरवरी 2023 तक 579 मामले दर्ज किए। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस प्रकार से पिछले पांच साल के दौरान प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत 3,497 मामले दर्ज किए हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि पीएमएलए एवं फेमा के प्रावधानों के अंतर्गत जांच के दौरान मनी लॉन्ड्रिंग में कई भारतीय मुखौटा कंपनियों और विदेशी कंपनियों की भूमिका देखी गई है। उन्होंने कहा कि इन मामलों में पीएमएलए और फेमा के प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि आगे की जानकारी का खुलासा करना व्यापक जनहित में नहीं होगा क्योंकि इससे चल रही जांच में बाधा आ सकती है।

पूर्व सभापति का हमेशा सहयोग व सांनिध्य मिलता रहाः आनंद सिंह

एम एल सी प्रत्याशी अवधेश नारायण सिंह का डेहरी में जोरदार समर्थन

नवप्रदेश प्रतिनिधि डेहरी/स्थानीय न्यू डालियां में सोन राइजिंग स्कूल के प्रांगण में गया निर्वाचन क्षेत्र के एम एल सी प्रत्याशी और पूर्व सभापति महोदय अवधेश नारायण सिंह का भव्य स्वागत प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अरविंद भारती ने किया। प्रखंड महामंत्री आनद सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि सभापति महोदय का हमेशा से सहयोग और सानिध्य मिलता रहा है और आगे भी मिलता रहेगा। जिला सचिव समरेन्द्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि हर बार की भांति इस बार भी भारी बहुमत से जिताने का पुरजोर प्रयास करें। प्रखंड सचिव प्रशांत कुमार ने सभी वोटर से अपील करते हुए कहा कि पहले मतदान तब जलपान। एमएनसी प्रत्याशी अवधेश नारायण सिंह ने अपने भाषण में कहा कि चुनाव जीतने के बाद प्राइवेट स्कूल के शिक्षकों को शिक्षक प्रतिनिधि का चुनाव करने का अवसर मिलेगा। प्राइवेट स्कूल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपने शिक्षा की लौ तब जला कर रखा जब शिक्षा का स्तर राज्य में मर रही थी। सभी वोटर ने अवधेश नारायण सिंह को वादा किया कि इस बार भी रोहतास जिले से भारी बहुमत से विजयी होंगे। इस मौके पर प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के जिला सचिव, जिला संरक्षक, जिला महामंत्री समेत उनिस्सों प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों से आये काफी संख्या में शिक्षक उपस्थिति थे।

हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष में स्वर्वेद शोभा यात्रा निकाला गया

नवप्रदेश प्रतिनिधि सूर्यपुरा/ विहंगम योग संस्थान के शिष्य एवं संत समाज सूर्यपुरा के द्वारा हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष में स्वर्वेद शोभा यात्रा निकालकर ,बाजार व गांव का किया गया भ्रमण,विहंगम योग संस्थान के शिष्य विवेक विद्यार्थी एवं अमर चौहान ने बताया कि विक्रमी संवत 2080 चैत्र शुक्ल पक्ष हिंदू नव वर्ष के अवसर पर संस्थान के शिष्य एवं संत समाज के द्वारा सुप्रसिद्ध बाबा बंगाल नाथ के मंदिर प्रांगण से चलकर मुख्य बाजार,सायर स्थान,बंगला चौक, बारुन टांड़, बारुन गांव, प्रखंड कार्यालय, सूर्यपुरा थाना चौक , गढ़ बड़ा तालाब, सरकारी अस्पताल होते हुए वापस बाबा बंगाल नाथ मंदिर में समाप्त हुआ, इसके पूर्व शोभायात्रा में शामिल दर्जनों महिला पुरुषों ने हिंदू नव वर्ष की जय जय कार एवं संत समाज की जय की नारा लगाते हुए चल रहे थे, मौके पर मनोज कुमार, सियाराम, गोपाल जी प्रसाद, मोतीझारो देवी,बिंदा देवी, मीना देवी सहित दर्जनों महिला पुरुष स्वर्वेद शोभायात्रा में शामिल थे.

दादी मां ने की द डिवाइन पब्लिक स्कूल के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन

नवप्रदेश प्रतिनिधि बिक्रमगज। द डिवाइन पब्लिक स्कूल के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन विद्यालय के सह निदेशक अखिलेश कुमार की दादी माँ के कर कमलों से सम्पन हुआ। साथ ही विद्यार्थियों के बीच वार्षिक परीक्षा का परिणाम भी प्रकाशित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यार्थियों के बीच पुरस्कार वितरण किया गया। सर्वप्रथम पूरे वर्ष 100 प्रतिशत उपस्थिति वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।अपनी-अपनी कक्षा में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र के साथ ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया। साथ ही अगले सत्र के लिए सभी को उनके पाठ्यक्रम की निःशुल्क किताबें भी पुरस्कार के रूप में प्रदान की गई। 90 या 90 से अधिक प्रतिशत प्राप्त विद्यार्थियों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर अखिलेश कुमार ने समस्त अभिभावकों का अभिवादन करते हुए विद्यालय की विशेषताएं और उपलब्धियां बताई।उन्होंने कहा कि द डीपीएस के कई विद्यार्थी आज इंजीनियरिंग, मेडिकल और प्रशानिक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेर रहे हैं। अभिभावकों से उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल किताबी ज्ञान का बोझ न थोपिए बल्कि उन्हें मानसिक रूप से भी मजबूत करने की आवश्यकता है, ताकि वे जीवन की चुनौतियों का सामना करने के योग्य बन सकें। अभिभावकों के स्नेह, प्रेम और आशीर्वाद के लिए सबका आभार प्रकट किया। नव निर्मित भवन के उद्घाटन के अवसर पर सामूहिक भोज का आयोजन भी किया गया।

चैती छठ व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य

नवप्रदेश प्रतिनिधि/ नासरीगंज (रोहतास): प्रखण्ड क्षेत्र में जगह-जगह लोक आस्था का महापर्व चैती छठ श्रद्धा के साथ मनाया गया। नगर के थाना छठ घाट, अमियावर समेत कई छठ घाटों पर सोमवार को अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को पहला अर्ध्य अर्पित किया गया। छठ व्रती श्रद्धालुओं ने घाटों पर पहुंच कर अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्ध्य दिया। लोक आस्था का महापर्व छठ वर्ष में दो बार मनाया जाता है। चैत्र शुक्ल पक्ष षष्ठी पर मनाए जाने वाले छठ पर्व को चैती छठ कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी पर मनाये जाने वाले पर्व को कार्तिकी छठ कहा जाता है। पारिवारिक सुख-समृद्धि मनोवांछित फल प्राप्ति के लिए यह पर्व मनाया जाता है। स्त्री व पुरुष समान रूप से इस पर्व को मनाते हैं। छठ व्रत के संबंध में अनेक कथाएं प्रचलित हैं। उनमें से एक कथा के अनुसार जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गए, तब श्री कृष्ण द्वारा बताए जाने पर द्रौपदी ने छठ व्रत रखा। तब उनकी मनोकामनाएं पूरी हुईं पांडवों को राजपाट वापस मिला। वहीं मंगलवार की सुबह उदीयमान भगवान को अर्ध्य देने के साथ लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व का समापन होगा।

सन बीम के छात्र बी चंद्रा का युवा वैज्ञानिक के तौर पर हुआ चयन

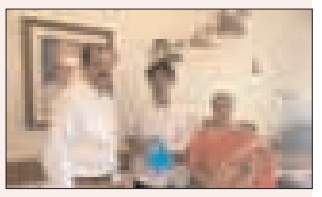

नवप्रदेश प्रतिनिधि/ डेहरी के पानी टंकी स्थित आवासीय सन बीम पब्लिक स्कूल के छात्र बी चंद्रा का कयन राष्ट्रीय स्तर पर युवा वैज्ञानिक के तौर पर किया गया है। स्कूल के डायरेक्टर राजीव रंजन सिन्हा के अनुसार, किड्स इंडिया नामक संगठन राष्ट्रीय स्तर पर बच्चों के बीच स्पेश से संबंधित जागरुकता फैलाने का काम करता है। ग्वाहरवीं के छात्र चंद्रा का पहले चरण में 300 बच्चों के बीच चयन हुआ। जिसके बाद ऑनलाइन प्रतियोगिता में 50 बच्चों के बीच ऑनलाइन प्रतियोगिता में चयन हुआ। उन्होंने बताया कि चार और पांच मई को चेन्नई में ग्रांड फिनाले में स्कूल छात्र को आमंत्रित किया गया है। स्कूल में डायरेक्टर और प्राचार्या ने स्वागत की और शुभकामनाएं दी। बी चंद्रा सूर्यकांत और निभा सिन्हा के पुत्र हैं। डायरेक्टर ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर चयन के पहले 16 हजार से ज्यादा छात्रों ने अपने प्रोजेक्ट समर्पित किए थे। जिसमें डेहरी निवासी छात्र का चयन हुआ है।

पुलिस ने चार धंधेबाज को शराब के साथ दबोचा

नवप्रदेश प्रतिनिधि/शिवसागरः स्थानीय थाना क्षेत्र के चंदवा गाँव मे शिवसागर पुलिस का शराब को लेकर बडा ऑपरेशन हूआ। स्थानीय थाना शराब की भनक मिलते ही चंदवा गाँव को अपनी टीम के साथ चारो तरफ से घेर लिये। जिसके बाद शराब के बिरूद्ध सर्च ऑपरेशन चालू किया गया। पुलिस को अपनी प्लानिंग पर सौ फीसदी सफलता मिली। इस दौरान स्थानीय पुलिस चार शराब धंधेबाज को शराब के साथ दबोचने मे कामयाब रही।थाना प्रभारी राकेश गोसाई ने कहा कि थाना क्षेत्र मे पुलिस शराब को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। शराब मामले मे किसी को बख्शा नही जाएगा। उंन्होने कहा कि इस सफल ऑपरेशन में एएसआई राणा प्रताप मंडल, देवी सिंह, कवल किशोर यादव की भूमिका अहम रही। वही जिन धंधेबाजो को शराब के साथ गिरफ्तार किया गया उनमे बबन बिंद उम्र 65 वर्ष पिता स्व हृदय नारायण बिंद ग्राम तेंनूआ थाना रामगढ़ जिला कैमूर, सुनील बिंद ,सत्यनारायण सिंह और कन्हैया बिंद तीनो ग्राम चंदवा थाना शिवसागर शामिल है। सभी अभियुक्तों को अग्रिम कार्यवाही करते न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जादू कला को संरक्षण की जरूरतः जादूगर सिकंदर

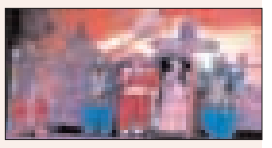

नवप्रदेश प्रतिनिधि/बेतिया। अपने जादुई कारनामों से दुनिया के करोड़ो लोगो को चकित और आनंदित कर चुके सुपर स्टार जादूगर सिकंदर नये नये जादुई करतब दिखा कर बेतिया के जनता सिनेमा में लोगों को खूब मोहित कर रहे हैं. शो के दौरान आज हिन्दू और मुस्लिम धर्म के दर्शकों को नवरात्र और रमजान की शुभकामनाएँ देते हुए उन्होने कहा कि जादू हमारे देश की प्राचीनतम कला है जिसे आज संरक्षण की जरूरत है. अब तक अनेक अवाड्र्स और पुरस्कारों से सम्मानित उन्नाव, उत्तर प्रदेश के निवासी जादूगर सिकंदर ने बताया कि जादू एक कला है और तंत्र मंत्र भूत प्रेत से इसका दूर दूर तक कोई नाता नहीं है. लोगों को अंधविश्वास से बचाना उनके जादुई मिशन का मुख्य उद्देश्य है. उन्होने बताया कि उनका हमेशा से प्रयास रहा है कि नए नए करतब प्रस्तुत कर दर्शको का स्वस्थ मनोरंजन किया जाए और इस बार अनेको नए करतब लेकर वो यहां आए हैं जैसे - करोडों वर्ष पूर्व विलुप्त हो चुके डायनासोर को मंच पर प्रकट कर दर्शकों को रोमांचित करना, लड़की को टुकड़ों मे काट कर जोड़ना, जिंदा लड़की के शरीर को दो टुकड़ा कर देना, शीशे की दीवार से लड़की को पार कर देना आदि अनेक ऐसे करतब है जो बिहार मे पहली बार दिखाए जा रहे हैं'. उन्होने बताया कि बेतिया बहुत ही सुंदर और ऐतिहासिक शहर है, यहा के लोग भी बहुत अच्छे हैं. उन्होंने शो के बारे में बताया कि यहा रोजाना 2 शो 1 बजे और शाम 6 बजे से शुरू होता है. रविवार के दिन तीन शो 1 बजे, 4 बजे और 7 बजे से होता है, जबकि स्कूल के बच्चों के लिए भी स्पेशल शो प्रदर्शित हो रहे हैं . हर शो दो घंटे का होता जिसमें रहस्य रोमांच और हास्य से भरे दर्जनों तरह के कारनामे शामिल होंगे. एडवान्स टिकट बुकिंग सुबह 10 बजे से ही जनता सिनेमा हॉल पर शुरू हो जाया करता है और ऑनलाइन टिकट www.jadugarsikandar.com पर उपलब्ध हैं ताकि लोगों को असुविधा न हो. उन्होंने कहा कि उनका शो यहां सिर्फ 2 अप्रैल तक ही होगा उसके बाद लखनऊ के रवीन्द्रालय मे शो प्रदर्शित करने की तैयारी चल रही है.

आरोप लगाया। विपक्षी दलों के सांसद दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित होने की बाद संसद भवन परिसर में एकत्रित हुए और गांधीजी की मूर्ति के समक्ष हाथों में बैनर तथा तख्तियां लेकर धरने पर बैठ गए। बाद में इन नेताओं ने प्रदर्शन और मार्च भी किया। प्रदर्शनकारी सांसदों ने प्रदर्शन करते हुए मार्च भी निकाला जिसमें 'सत्यमेव जयते' नारा लिखे एक बड़ा बैनर लेकर आगे बढ़े। इसके साथ ही कई सांसद हाथों पर तख्तियां लेकर मार्च में शामिल हुए।

अवसंरचना; भूजल प्रबंधन; स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन के माध्यम से स्वच्छता तथा स्वच्छ पेयजल तक सार्वभौमिक पहुंच के लिए रणनीति आदि विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए होने वाली चर्चाओं से भाग लेने वाले देशों को एक दूसरे से सीखने और सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में तेजी लाने में मदद मिलेगी। इतिहास और विरासत गुजरात के पर्याय हैं। गौरवशाली गुजरात में कई प्राचीन शहरों के अवशेषों, महलों, किलों और मकबरे मौजूद हैं, जो राजवंशों के भव्य स्वर्ण युग को दर्शाते हैं। रानी की वाव और अडालज वाव की बावड़ी; प्राचीन जल प्रबंधन प्रथाओं को प्रदर्शित करती हैं तथा ये जल संसाधन संरक्षण के लिए भारत की दीर्घकालिक परंपरा की द्योतक हैं। गुजरात, पुराने और नए पारंपरिक जल ज्ञान तथा जल अवसंरचना निर्माण में उपयोग की जाने वाली आधुनिक तकनीकों के मिश्रण के साथ, 20 देशों को एक मूल्यवान मंच प्रदान करेगा, ताकि प्

जाति प्रमाण पत्र बनाने, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, ई-विद्यावाहिनी में बैंक खाता इंट्री, आधार इंट्री एवं शिक्षक-छात्र उपस्थिति आदि की समीक्षा

शिक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : उपायुक्त, राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में सोमवार को शिक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न योजनओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। समाहरणालय ब्लॉक ए स्थित उपायुक्त सभागार में आयोजित बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, एडीपीओ, झारखंड शिक्षा परियोजना, विभिन्न प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

इस बैठक में छात्रों के जाति प्रमाण पत्र बनाने, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, एसडीएमआईएस, यू-डीआईएसई एवं चाइल्ड इंट्री, ई-विद्यावाहिनी में बैंक खाता इंट्री, आधार इंट्री एवं शिक्षक-छात्र उपस्थिति, पोशाक तथा एमडीएम की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

वहीं बैठक की शुरूआत में उपायुक्त ने छात्रों के जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने की समीक्षा की। उपायुक्त द्वारा प्रखंडवार स्कूलों में नामांकित बच्चे और जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिये प्राप्त आवेदन और निष्पादन की समीक्षा की गयी। उन्होंने कहा कि कितने बच्चों को प्रमाण पत्र निर्गत किया जा चुका है, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी अंचल कार्यालय में जाकर पता करें।

इसके साथ ही समीक्षा के दौरान प्रज्ञा केन्द्र द्वारा आवेदन के बाद पावती नहीं देने की शिकायत पर उपायुक्त ने संबंधित सीएससी को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान

ही सीएससी मैनेजर को बुलाकर उपायुक्त ने शिकायत के निष्पादन के लिए सभी सीएससी से समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में लोगों को परेशानी न हो यह सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने बनाये जा चुके प्रमाण पत्र को स्थानीय जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में बच्चो के बीच वितरित करने को कहा। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना की प्रखंडवार समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों को यथाशीघ्र लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिये। जिला शिक्षा अधीक्षक ने एडीपीओ को जाति प्रमाण पत्र और सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के लिए सभी बीईईओ को प्रपत्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया ताकि आंकड़े अंतिम रुप से एकत्रित किये जा सके और कोई भी योग्य छात्र-छात्रा योजना से वंचित न रहे। एसडीएमआईएस तथा यू-डीआईएसई और चाइल्ड इंट्री की प्रखंडवार समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने खराब प्रदर्शन करनेवाले प्रखंड को जल्द से जल्द सुधार के निर्देश दिये। ई-विद्यावाहिनी में बैंक खाता इंट्री, आधार इंट्री एवं शिक्षक-छात्र उपस्थिति को लेकर उपायुक्त ने गंभीरता से कार्य करने को कहा। बैंक खाता एवं आधार इंट्री पर उपायुक्त ने स्कूलों के प्रधानाध्यापक को टास्क देने का निर्देश दिया ताकि संबंधित स्कूलों के सभी बच्चों का जल्द से जल्द आधार एवं बैंक खाता इंट्री ई-विद्यावाहिनी में हो सके।

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने कहा कि शिक्षा विभाग की जितनी भी योजनाएं चलायी जा रही हैं उनपर फोकस रहते हुए कार्य करें और लक्ष्य प्राप्त करें।

अस्ताचलगामी सूर्य को दिया गया अर्घ्य

नवप्रदेश संवाददाता

बेड़ो : बेड़ो प्रखंड मुख्यालय सहित प्रखंड के आसपास के गांवों में सूर्य उपासना के तीसरे दिन चैती छठ महापर्व के दौरान छठ व्रतियों ने पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ अस्ताचलगामी भगवान भुवन भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। सोमवार की शाम छठ वर्तियों और श्रद्धालुओं का उत्साह और उल्लास श्रद्धा और भक्ति अपने चरम पर थी। बेड़ो के ऐतिहासिक डुकु तालाब के छठ घाट में भारी संख्या में पुलिसकर्मी महिला बल के साथ मौजूद रहकर छठ घाट में अपनी नजरें बनाए रखी। बेड़ो प्रखंड के ऐतिहासिक डुकू छठ तालाब में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के पूर्व पवित्र जल में डुबकी लगाकर छठ व्रतियों ने सूर्य नारायण का ध्यान किया। डुकू छठ तालाब में भारी गंदगी के बीच लोगों ने छठ महापर्व के दौरान भगवान सूर्यनारायण को नमन करते हुए अर्घ्य प्रदान किया। इस मौके पर अनिल कुमार गुप्ता, प्रदीप कुमार गुप्ता, मुन्ना महतो, सुरेश प्रसाद गुप्ता, मोतीलाल गुप्ता, गन्दुर गोप, राजकुमार गुप्ता, अंकित कुमार सोनी, श्रवण कुमार साहु, संगीत कुमार सहित दर्जनों लोगों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। वही कई श्रद्धालुओं ने अपने घरों में ही छठ व्रत करके छतों पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। अर्जुन प्रसाद गुप्ता, उमेश कुमार सिंह, मोहन सोनी कृष्णा सोनी सहित कई लोगों के घरों में ही छठ महापर्व के दौरान अर्घ्य प्रदान किया ?। इधर चार दिवसीय अनुष्ठान के अंतिम दिन मंगलवार की सुबह उदीयमान भगवान भुवन भास्कर को छठव्रती छठ घाटों व अपनी-अपनी छतों में अर्घ्य देंगे। इस दौरान भगवान सूर्य की विधिवत पूजा अर्चना की जाएगी और महाआरती भी आयोजित किया जाएगा। छठ घाट में प्रसाद का वितरण किया जाएगा। इसके बाद पारण के साथ लोक आस्था का महापर्व संपन्न हो जाएगा। वही छठ व्रत को लेकर सोमवार साप्ताहिक बाजार में पूजन सामग्री व फलों की खरीदारी किया गया। लोगों के घरों में छठ के गीत से मुहल्ले गुंजायमान हो रहे हैं।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

रांची : बहु बधिरांगता एवं बधिरांग बच्चों के पाठ्यक्रम अनुकूलन विषय पर सोमवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दीपशिखा, बाल विकास एवं मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, रांची एवं झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सेंस इंडिया के सहयोग से संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के कार्यरत 28 विशेष शिक्षक, जो लोहरदगा और लातेहार जिले में पदस्थापित हैं, वे शामिल हुए थे। प्रशिक्षण हेतु सेंस इंडिया के रश्मिकांत मिश्रा, वरिष्ठ प्रशिक्षक, क्षमता विकास को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने डेफ ब्लाइंडनेस, डेफ ब्लाइंडनेस के कारण, प्रकार और समग्र शिक्षा के पाठ्यक्रम अनुकूलन के बारे में विस्तार से बताया। इसमें प्रतिभागियों को ग्रूप वर्क भी कराया गया जिसमें, सभी प्रतिभागी शामिल हुए। इस अवसर पर दीपशिखा की कार्यकारी निदेशिका सुधा ल्हीला, प्राचार्या गोपिका आनंद, प्रोजेक्ट कॉरडिनेटर प्रमोद कुमार एवं विशेष शिक्षक के तौर पर अनिमा तोपनो, राजेश कुमार तथा जितेन्द्र कुमार उपस्थित थे।

तोरपा में दो अप्रैल को होगा प्रखंड स्तरीय सरहुल महोत्सव

खूंटी : तोरपा में प्रखंड स्तरीय सरहुल महोत्सव दो अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। इस आशय का निर्णय तोरपा नगर भवन में सोमवार को अखिल भारतीय सरना समाज की हुई बैठक में लिया गया। रेड़ा पाहन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सरहुल महोत्सव को सफल बनाने के लिए सर्वसम्मति से आयोजन समिति का गठन किया गया। बताया गया कि दो अप्रैल को प्रखंड परिसर तोरपा में पाहनों द्वारा सामूहिक पूजा-अर्चना के बाद सामूहिक नृत्य, सरहुल संदेश के बाद शोभायात्रा निकाली जाएगी। योभायात्रा सरना स्थल से शुरू होकर हिल चौक में भगवान बिरसा मुंडा प्रतिमा तक जाएगी। वहां माल्यार्पण के बाद कार्यक्रम का समापन किया जायेगा। गठित समिति में अध्यक्ष संतोषी तोपनो और उपाध्यक्ष मोंगला भेंगरा को बनाया गया है, वहीं सचिव की जिम्मेदारी चम्बरू भेंगरा को दी गई है। गोला गुड़िया उप सचिव और दीपक तिग्ग कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। इनके अलावा संरक्षक मंडली में रेड़ा मुंडा, रतिया पाहन, विनोद धान, शीतल धान, सनिका धान, दुबिया मुंडा, घसिराय धान और शंकर मुंडा को शामिल किया गया है। साथ ही पूनम भेंगरा, गंदौरी गुड़िया, माया तोपनो, मसीह भेंगरा, चोंगे पाहन, विजय कंडुलना, प्रताप गुड़िया, हिंगुआ गुड़िया, भोदो पाहन, डोमनिक तोपनो, मांगु मुंडा, राम हेमरोम, छोटन भेंगरा, कलावती भेंगरा, रोहित तानी, मनसा भेंगरा, सुजीत गुड़िया, सुशीला कंडुलना, मेरी गुड़िया और राजू भेंगरा को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है।

मुरहू इलाके से डोडा बरामद, तीन गिरफ्तार

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : खूंटी जिला की पुलिस ने डोडा सहित तीन अभियुक्त सिनु हस्सा पूर्ती उर्फ बिरसा (उम्र करीब 26 वर्ष पे० स्व० पराऊ हस्सा पूर्ती सा० - इटटी), मुर्गी कंडीर उर्फ सनिका कंडीर (म्र 30 वर्ष पे० स्व० नरसिंह कंडीर सा०- कुलीपीडी) और सुन्दरा ओडेया उर्फ मंगरा (उम्र 27 वर्ष पे० पंडरा पाहन सा०- बरकेला) को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस के गिरफ्त में आये तीनों अभियुक्त मुरहू थाना क्षेत्र के रहनेवाले है।

इस संबंध में अमित कुमार, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, खूँटी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मुरहू थाना अन्तर्गत ग्राम डोण्डाडीह के दक्षिण लगभग पांच सौ मीटर की दुरी पर जंगल झाड़ी के पास काफी मात्रा में अवैध डोडा को डम्प किया गया ह और पिकअप गाड़ी से उक्त डोडा का व्यापार करने का प्रयास किया जा रहा है। उक्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने डोण्डाडीह में छापामारी कर जंगल झाड़ी सुनसान स्थान से एक पिकअप गाड़ी (जेएच01क्यू- 9931) में लदे 20 बोरा डोडा और पास मे ही डम्प किये हुए 188 बोरा अवैध डोडा कुल - 208 बोरा डोडा जिसका कुल वजन-3767 केजी जब्त करते हुये मौके पर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस टीम में अमित कुमार(अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, खूँटी), पुनि शाहिद रजा खूँटी अंचल, पुअनि चुडामणि टुडू (थाना प्रभारी मुरहू थाना) सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

डोमचांच हत्या कांड मामले मे कोडरमा पुलिस ने किया खुलासा

एकतरफा प्यार में युवती की हुई थी हत्या, दो गिरफ्तार

नवप्रदेश संवाददाता

डोमचांच (कोडरमा): ढाब रोड निवासी सोनी उर्फ सोनाली कुमारी हत्या मामले में पुलिस ने शव को बरामद करते हुए मामले को खुलाशा कर लिया है मामले को लेकर सोमवार की देर थाना परिसर में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर एसडीपीओ प्रवीण पुष्कर ने मामले की विस्तृत जानकारी लोगों को दिया इस दौरान उन्होंने बताया की दीपक साहू से युवती के साथ एक तरफा प्यार था और वह उससे शादी करना चाहता था जिसको लड़की ने शादी से इंकार कर दिए इनकार करने के बाद दीपक साव ने उसकी हत्या करने की योजना अपने साथी के साथ मिल कर बनाया ही उन्होंने बताया कि लड़की को विक्टोरिया स्कूल पढ़ाने के लिए जाती थी वहीं दीपक साव ने फोन कर बरही लोन दिलाने के नाम पर ले जाए जाने एक गाड़ी बुक किया जिसका नंबर जे एच 11 एम 4793 को बुक जिसका चालक रोहित मेहता पिता नंदलाल मेहता ग्राम सिमरिया निवासी जो अपने गाड़ी से लड़की को स्कूल के समीप से बिठाने के बाद पहले तय लगे हुए अन्य व्यक्ति भरत कुमार उर्फ कारू संतोष कुमार मेहता ग्राम मसनोडीह संजय कुमार नावाडीह डोमचांच सभी मिल कर लड़की को नेहरू पहाड़ी के समीप जंगल में उतार कर उसकी हत्या कर शव को बंद पड़े खदान में बोरे में डाल फेंक दिया जबकि युवती की गला दबाकर हत्या में प्रयुक्त किया गया मोबाइल चार्जर के तार को पुलिस ने बरामद कर लिया है

वहीं मामले में आरोपियों के मोबाइल व घटना को अंजाम देने को लेकर वाहन मालिक व चालक रोहित मेहता को दिए गए 34,500 को बरामद करने में सफलता हासिल की है।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 5 से 25 अप्रैल तक

नवप्रदेश संवाददाता

कोडरमा : जिला प्रशासन कोडरमा व इंपैक्ट इंडिया फाउंडेशन के सौजन्य से इंपैक्ट इंडिया फाउंडेशन लाईफलाईन एक्सप्रेस प्रोजेक्ट के तहत चंदवारा प्रखंड स्थित पिपराडीह रेलवे स्टेशन में निःशुल्क स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। निःशुल्क स्वास्थ्य कार्यक्रम दिनांक 5 अप्रैल से दिनांक 25 अप्रैल 2023 तक संचालित किया जायेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिले के सभी प्रखंडों में स्वास्थ्य विभाग की टीम, आंगनवाड़ी

केन्द्रों की कर्मी, जेएसएलपीएस की कर्मियों द्वारा मरीजों का सर्वे किया जा रहा है ताकि उन मरीजों का निःशुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान किया जा सके। साथ ही पंपलेट के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य शिविर के होने वाले ईलाज के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने कोडरमा जिलावासियों से अपील किये हैं कि निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में अधिक से अधिक लोग शामिल हैं और अपना हैल्थ चेकअप करायें। बता दें कि निःशुल्क स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत आंख की जांच एवं मोतियाबिंद की सर्जरी दिनांक 05 अप्रैल से 10 अप्रैल 2023 तक, कान की जांच और कान की सर्जरी दिनांक 12 अप्रैल से दिनांक 16 अप्रैल 2023 तक, मुड़े हुए पैर का परिक्षण एवं सर्जरी दिनांक 18 अप्रैल से दिनांक 20 अप्रैल 2023 तक, स्तन और ग्रीवा कैंसर जागरुकता एवं परिक्षण दिनांक 05 अप्रैल से 10 अप्रैल 2023 तक, दांत की जांच एवं उपचार दिनांक 20 अप्रैल से 25 अप्रैल 2023 तक औ? बी.पी व शुगर की जांच दिनांक 5 अप्रैल से 25 अप्रैल 2023 तक किया जायेगा। उपरोक्त स्वास्थ्य जांच हेतु ओ.पी.डी का समय पूर्वाह्न 09 बजे से अपराह्न 04 बजे तक निर्धारित है। किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने हेतु हेल्पलाइन नं. 9820303974 पर संपर्क किया जा सकता है।

एक नजर

कोइरी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बने प्रताप कुमार कुशवाहा

अनगड़ा : राष्ट्रीय कोइरी महासभा ने प्रताप कुमार कुशवाहा को कोइरी महासभा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। रविवार होटल कार्डल इन में हुई बैठक में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट मनीष मेहता ने इसकी घोषणा की। राष्ट्रीय महासचिव राजु रंजन कुशवाहा को झारखंड प्रदेश प्रभारी बनाया गया है जबकि सुबोध कुमार कोइरी को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया गया है।बैठक में राज्य के कोइरी समाज को एकजुट करने सहित कई अहम मुद्दों पर चिंतन-मंथन किया गया। नव नियुक्त अध्यक्ष ने बताया की समाज के उत्थान और सशक्तीकरण पर कार्य किया जाएगा। राज्य में कोइरी समाज के हित में कार्य कर रहे सभी संगठन को एक मंच पर लाया जाएगा। आगामी 29 मार्च को राजधानी रांची सहित सभी जिले में भव्य रूप से प्रियदर्शी सम्राट अशोक महान के जयंती समारोह आयोजित की जाएगी। मौके पर दीपक मेहता,अनुज कुमार समेत सभी जिले के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

उषा मार्टिन विवि एमबीए के नए सत्र में नामांकन यूएम मैट से

अनगड़ा : उषा मार्टिन विवि में एमबीए में दाखिले के लिए नए सत्र (2023-25) से उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग की जाएगी। सोमवार को इसकी जानकारी देते हुए वीसी प्रो. मधुलिका कौशिक ने बताया कि अब नियामक संस्थानों के नियमों को देखते हुए एमबीए उम्मीदवारों के चयन के लिए विश्वविद्यालय यूएम मैट (उषा मार्टिन मैनेजमेंट 'ऐप्टिट्यूड् टेस्ट) का आयोजन किया जा रहा है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार को लेकर ऐसा किया जा रहा है। यह वस्तुनिष्ठ टेस्ट के रूप में होगा। इसमें जनरल अवेयरनेस, रीजनिंग, लैंग्वेज स्किल और क्वांटिटेटिव ऐप्टिट्यूड् विषय पर प्रश्न आधारित होगा। इस टेस्ट में पहले 70 अंक का लिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगा। इसमें उतीर्ण उम्मीदवारों के बीच दूसरे भाग में 30 अंक का पर्सनल इंटरेक्शन का होगा। ग्रेजुएशन में सत्तर फीसदी से अधिक अंक वाले उम्मीदवार, या जैट, मैट या कैट का वैलिड स्कोर वाले उम्मीदवार पर्सनल इंटरेक्शन के योग्य होंगे। प्रो. मधुलिका कौशिक ने बताया की इसका मुख्य उददेश्य छात्रों की गुणवत्ता एवं उनमें प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बनाएं रखना है।

दो दिवसीय वार्षिकोत्सव धार्मिक अनुष्ठान शुरू

अनगड़ा : महुआटुंगरी स्थित हनुमान मंदिर का सोमवार से दो दिवसीय वार्षिकोत्सव धार्मिक अनुष्ठान शुरू हुआ। सुबह में 501 महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा को मुख्य अतिथि भाजपा नेता जैलेन्द्र कुमार ने विधि विधान से पूजा कराकर रवाना किया। जैलेन्द्र कुमार ने कहा कि इस तरह के धार्मिक अनुष्ठान से लोगों में सात्विकता व विश्व कल्याण का भाव विकसित होता है। छह किमी की दूरी तय कर स्वर्णरेखा नदी से जल का उठाव कर जलाभिषेक किया गया। पूजन पं. ईश्वरचन्द्र गोस्वामी करा रहे है। दोपहर बाद से 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन शुरू हुआ। इसमें आसपास के कई कीर्तन मंडल शामिल हो रही है। इस अवसर पर अध्यक्ष मदन महतो, सचिव बालेश्वर महतो, कोषाध्यक्ष ललिता देवी, उपाध्यक्ष साखो देवी, नरेश महतो, रोहित महतो, जीतू महतो, राजनाथ महतो, गोविन्द महतो, जमुना लोहार आदि उपस्थित थे।

नि:शुल्क स्वस्थ शिविर में 87 मरीजों की स्वास्थ्य जांच

अनगड़ा : शालिनी अस्पताल अनगड़ा व साइटसेवर्स के द्वारा सोमवार को टाटीसिलवे पश्चिमी पंचायत भवन में निशुल्क स्वस्थ शिविर का आयोजन किया गया। मुखिया सुनीता देवी व पंसस इंदु देवी ने कैंप का उदघाटन किया। 87 मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर इनके बीच दवा का वितरण किया गया। शालिनी अस्पताल के प्रबंधक राणा विकास ने कहा कि शालिनी अस्पताल के द्वारा मोतियाबिंद का निशुल्क आपरेशन किया जाता है। इसका जनता लाभ उठायें। इस अवसर पर शिशिर कुमार भगत, रविंद्र नाथ पांडे, मुकेश कुमार, दिलीप मुंडा, विजेंद्र कुमार, मोहर महतो, संपूणार्नंद महतो, सीताराम साहू सहित अन्य उपस्थित थे।

शिव मंदिर निर्माण को लेकर ग्रामीणों की बैठक

अनगड़ा : बीसा में प्रस्तावित शिव मंदिर निर्माण को लेकर ग्रामीणों की एक बैठक बीसा में हुई। बैठक में अधूरे शिव मंदिर निर्माण को लेकर एक कमिटि का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपमुखिया संजय भोगता ने की। अध्यक्ष दिलीप पाहन, सचिव संजय लोहरा, कोषाध्यक्ष कपिल बड़ाईक को बनाया गया। दिलीप पाहन ने बताया कि आपसी सहयोग व चंदा करके अर्द्धनिर्मित शिव मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। इस बैठक में मुख्य रूप से विजय उरांव, रमेश मुंडा, विनोद पाहन, शालिग्राम बड़ाईक, गणेश मुंडा, गोंदा लोहरा, दशरथ मुण्डा आदि उपस्थित थे।

संकटमोचन राममंदिर का तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव सह धार्मिक अनुष्ठान का समापन

अनगड़ा : बोंगईबेड़ा के गवरबेड़ा में सोमवार को संकटमोचन राममंदिर के तीन दिवसीय दूसरा वार्षिकोत्सव धार्मिक अनुष्ठान के समापन में खिजरी विधायक राजेश कच्छप शामिल हुए। समापन मौके पर पूणार्हूति के साथ साथ भंडारा का आयोजन किया गया। इसमें काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। राजेश कच्छप ने कहा कि हर धार्मिक अनुष्ठान हमें समाज के लिए और बेहतर करने की प्रेरणा देती है। आयोजन समिति के द्वारा राजेश कच्छप को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुखिया हिरदू उरांव, पंसस संयोति देवी, समाजसेवी धनीराम महतो, जितेन्द्र महतो, भुवन महतो, किशोर महतो, भानू महतो, धनीराम महतो, संजय महतो, चिंता देवी, जगरनाथ महतो, मधु उरांव, मनीनाथ महतो, अशोक महतो आदि शामिल हुए। उपस्थित थे।

डोमचांच हत्यारों को फांसी की सजा हो : दिनेश

कोडरमा : डोमचांच की सोनी कुमारी उम्र-24 वर्ष का निर्मम हत्या किए जाने के प्रति दलित शोषण मुक्ति मंच मांग करती है कि तमाम हत्यारों को फांसी की सजा दी जाय। कोडरमा जिला मे अपराधियों को कानून का भय समाप्त हो गया है जिस कारण से अपराध मे बढोतरी हो रही है।

वाहन की चपेट में आने से बुजुर्ग महिला घायल

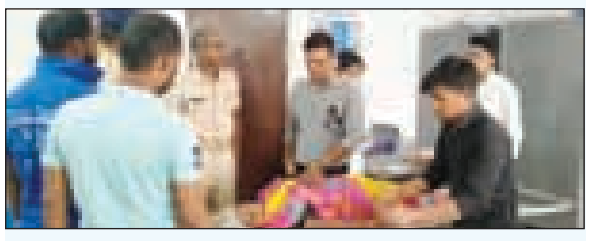

डोमचांच : थाना क्षेत्र स्थित बाजार चौक के समीप सोमवार की दोपहर 11 बजे वाहन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, घायल की पहचान सुंदरी देवी उम्र 60 वर्ष पति स्वर्गीय बाबूलाल साव ग्राम पचंगावा डोमचांच के रूप मे हुई है, मिली जानकारी के अनुसार महिला पैदल बाजार जा रही थी जो बाजार के पास ही एक वाहन अपनी चपेट में ले लेने से महिला गिरकर घायल हो गई। जिसके बाद आनन-फानन में ग्रामीणों की मदद से कोडरमा सदर अस्पताल लाया गया। जहां इलाज चल रहा है।

आईएएस केके सोन और आराधना पटनायक केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए विरमित

रांची : राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारियों के-के सोन और आराधना पटनायक को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए विरमित कर दिया है। केक सोन अब भारत सरकार के श्रम नियोजन मंत्रालय के संयुक्त सचिव के पद पर योगदान देंगे। वहीं, आराधना पटनायक संयुक्त सचिव स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पद पर योगदान देंगी। केके सोन भू राजस्व विभाग के सचिव के पद पर थे। वहीं आराधना पटनायक वाणिज्य कर विभाग के सचिव के पद पर पदस्थापित थीं। दोनों अधिकारी अब केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नई दिल्ली जाएंगे।

संपादकीय

संसद में टकराव

सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव जिस तरह बढ़ता चला जा रहा है, उससे संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के बिना किसी विशेष कामकाज के खत्म होने की आशंका बढ़ गई है। यद्यपि दोनों पक्षों के बीच सहयोग-समन्वय कायम करने के प्रयत्न किए गए हैं, लेकिन स्थिति जस की तस है। पहले जहां सत्तापक्ष को राहुल गांधी की माफी से कम कुछ मंजूर नहीं था,वहीं विपक्ष अदाणी मामले में संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी का गठन किए जाने की अपनी मांग पर अड़ा हुआ है। सत्तापक्ष राहुल गांधी के लंदन में दिए गए बयान पर क्षमा याचना के बाद ही संसद चलने की संभावना जता रहा था, लेकिन अब राहुल की लोकसभा की सदस्यता छीन जाने के बाद स्थिति बदल गयी है। अब सोमवार को सदन में राहुल गांधी का मामला और अदाणी मामले में जेपीसी की मांग पर विपक्ष ने हंगामा किया। दोनों ही पक्ष अपनी-अपनी मांग को लेकर इतना आगे बढ़ गए हैं कि अब उनके पीछे लौटने की कोई सूरत नहीं दिखाई देती। अब संसद तभी चल सकती है, जब दोनों पक्ष या तो एक-दूसरे की मांग मानें या फिर अपनी-अपनी मांग छोड़ें। चूंकि ऐसा होता नहीं दिखता, इसलिए संसद चलने के आसार नहीं हैं। अब तो ऐसा लगता है कि दोनों पक्षों की इसमें दिलचस्पी ही नहीं रह गई है कि संसद चले और वित्त विधेयक पर बहस होने के साथ प्रस्तावित विधेयकों को पारित करने की प्रक्रिया आगे बढ़े। यदि पक्ष-विपक्ष के हंगामे के चलते संसद का यह सत्र बिना किसी कामकाज के खत्म हो जाता है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण ही होगा। संसद की कार्यवाही में प्रति मिनट लाखों रुपये खर्च होते हैं, लेकिन बात केवल धन की बर्बादी की ही नहीं, आवश्यक विधेयक अटके रहने से राष्ट्र को होने वाली क्षति की भी है। वैसे तो इस क्षति की चिंता दोनों पक्षों को करनी चाहिए, लेकिन सबसे अधिक सत्तापक्ष को करनी चाहिए, क्योंकि संसद चलाने का दायित्व उसका ही होता है। यह संभवतः पहली बार है, जब सत्तापक्ष के हंगामे के कारण भी संसद नहीं चल पा रही है। सत्तापक्ष को इसकी चिंता करनी ही चाहिए कि देश की जनता को यह संदेश जा रहा है कि उसकी रुचि संसद चलाने में नहीं। सबसे पहली प्राथमिकता राष्ट्रीय हितों को देने के उसके संकल्प की पूर्ति तभी होगी, जब वह संसद चलाने को लेकर प्रतिबद्ध दिखेगा। सत्ता पक्ष को इस दिशा में रास्ता निकालना चाहिए, ताकि संसद का कार्य शुरू हो। विपक्ष को भी अदाणी मामले की जांच जेपीसी से कराने की जिद नहीं पकड़नी चाहिए, क्योंकि इस मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक छह सदस्यीय समिति गठित कर दी है। यह समिति उन सभी प्रश्नों का उत्तर खोजने में समर्थ है, जो विपक्ष उठा रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि संयुक्त संसदीय समितियां किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचने के बजाय दलगत राजनीति का अखाड़ा भर बनकर रह जाती हैं। अब देखना है कि सरकार संसद चलाने की दिशा में क्या कदम उठाती है।

सामयिकी

रमजान या रमादान

राहुल पांडेय

रमजान का महीना शुरू हो चुका है। कुछ लोग करेक्ट करना चाहेंगे कि इसे रमजान नहीं, बल्कि रमादान कहते हैं। भारत में फारसी के शब्द रमजान की जगह अरबी शब्द रमादान कैसे आया, इसकी बड़ी दिलचस्प कहानी है। यह कहानी उर्दू के जन्म से शुरू होती है और हिंदुस्तान के बंटवारे से होती हुई एक तानाशाह की लाठी पर जाकर टिक जाती है। उर्दू के जनक माने जाने वाले अमीर खुसरो के वालिद फारसी थे। उत्तर प्रदेश में अब जो एटा जिला है, उसी के एक गांव में उन्होंने एक हिंदू महिला से शादी की थी। वहां चलती थी ब्रजभाषा, जो उन दिनों साहित्य की प्रमुख भाषा थी। इसीलिए खुसरो की जे-हाल-ए-मिस्कीं मकुन तगाफुल दुराय नैनां बनाए बतियां जैसी गजल में आपको जितनी फारसी मिलती है, लगभग उतनी ही ब्रजभाषा भी मिलती है। इसके बाद उस्ताद की कलम से धीमे-धीमे जो उर्दू बनी, उसमें जितना हिस्सा वालिद का रहा, उतना ही मां का भी रहा, बल्कि काहे को ब्याहे बिदेस, अरे लखिय बाबुल मोरे जैसे गीत याद करें तो मां का हिस्सा ज्यादा ही रहा। रमजान ऐसे ही आया एक शब्द था, जो था तो फारसी का, मगर हिंदवी में कुछ ऐसा घुला कि इसी मिट्टी का हो गया। तकसीम के वक्त पाकिस्तान ने अपनी राष्ट्रभाषा उर्दू बनाई। उर्दू अदब के उस्ताद जमील गुलरेज हैरत जताते हैं कि जाने क्यों मोहम्मद अली जिन्ना ने ऐसा किया, जबकि पाकिस्तान में उर्दू बोलने-लिखने वाला तो कोई था ही नहीं! पंजाबियों, सिंधियों, पख्तूनों या फिर पठानों का उर्दू से क्या लेना-देना? पाकिस्तान के मशहूर लेखक अनवर मकसूद कहते हैं कि उर्दू का पाकिस्तान में वही हाल है जो अंग्रेजी का हिंदुस्तान में- आती किसी को नहीं, बोले सभी जा रहे हैं! वैसे रमजान और रमादान का चक्कर शुरू हुआ 1980 में, जब जनरल जिया उल हक पाकिस्तान के तानाशाह बने। तब उनकी अरब देशों से नजदीकी कायम हुई। नजदीकी का सबूत देने के लिए उन्होंने उर्दू में तोड़फोड़ शुरू की। पहला फरमान जारी किया कि अब खुदा हाफिज नहीं बोलना, अल्लाह हाफिज ही बोलना है। जमील गुलरेज कहते हैं कि शायद जिया उल हक के मुताबिक खुदा किसी और का था! इसी तर्ज पर आगे चलकर उन्होंने फरमान जारी किया कि रमजान की जगह रमादान बोला जाएगा। अरबी में फारसी का ज्वाद अक्षर द बन जाता है, इसलिए रमजान बदलकर रमादान हो गया। यह सब जिया उल हक ने डंडे के जोर पर कराया। भाषा में जिया साहब के डंडे का जोर कुछ ऐसा चला कि फारसी का मुकाम बदलकर मकाम बन गया और सिज्दा की जगह सजदा किया जाने लगा। और तो और, खुद जिया उल हक की हुकूमत बदल गई और पाकिस्तान उसे हकूमत पुकारने लगा। उर्दू पर चला यह डंडा पिछले बीस-तीस सालों में हिंदुस्तान तक पहुंच चुका है, जिसके चलते यहां भी अब बहुत लोग रमजान को रमादान बोलने लगे हैं, सिज्दे की जगह सजदा करने लगे हैं। चुटकी लेते हुए जमील गुलरेज पूछते हैं, क्यों न अब जिया उल हक को दिया उल हक ही कहा जाए?

क्या कांग्रेस को मिल गई मनचाही मुराद

राजकुमार सिंह

राहुल गांधी के दोषारोपण और सजा के विरुद्ध ऊपरी अदालत में अपील की बात तो स्पष्ट तौर पर कही जा चुकी है, पर वहां से अपेक्षित राहत नहीं मिली तो? कांग्रेस के अंदर एक वर्ग हमेशा प्रियंका गांधी-वाड्रा को आगे लाने की फिराक में रहता है। फैसला तो कांग्रेस को या स्पष्ट कहें तो सोनिया गांधी को ही करना है, पर ऐसा करना पार्टी के लिए अंततः आत्मघाती ही साबित होगा।

मानहानि मामले में राहुल गांधी को दो वर्ष की सजा सुनाए जाने और इसी वजह से उनकी लोकसभा सदस्यता रद्द होने की तात्कालिक व्याख्या राजनीतिक आपदा के रूप में की जा सकती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष भले ही मल्लिकार्जुन खरगे हों, पर राहुल कांग्रेस के स्वाभाविक और सर्वस्वीकार्य नेता हैं। भारत जोड़ो यात्रा से उनकी छवि सुधरती दिखाई दी और कांग्रेस उत्साहित नजर आई। उत्साह इतना ज्यादा था कि कांग्रेस ने विपक्षी एकता की कवायद में जुटे क्षेत्रीय दलों को तेवर दिखाने भी शुरू कर दिए। लेकिन जिन राहुल के चेहरे के सहारे यह किया गया, वह न सिर्फ संसद सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिए गए हैं, बल्कि उनके आठ साल तक चुनाव न लड़ पाने की भी स्थिति है। ऊपरी अदालत से राहत न मिलने की स्थिति में जब राहुल चुनाव तक नहीं लड़ पाएंगे तो प्रधानमंत्री पद की दावेदारी का सवाल ही नहीं उठता।

कैसी आपदा, कितना अवसर

ऐसे में सवाल यह है कि क्या कांग्रेस इस कानूनी आपदा को राजनीतिक अवसर में बदल पाएगी? यह आसान तो किसी भी सूरत में नहीं होगा। लेकिन कांग्रेस की संभावनाएं मानहानि मामले में कानूनी लड़ाई की परिणति पर भी निर्भर करेंगीः अगर ऊपरी अदालत राहुल गांधी की सजा और दोषसिद्धि पर रोक लगा देती है तो उनकी लोकसभा सदस्यता बहाल हो जाएगी। उस स्थिति में वह आने वाले चुनाव लड़ने के लिए भी स्वतंत्र होंगे ही। अगर कानूनी कार्यवाही की अंतिम परिणति दोषमुक्ति या सजा कम हो जाने के रूप में हुई, तब भी कांग्रेस को राहुल को लोकतंत्र और जन संघर्ष का नायक बताते हुए नरेंद्र मोदी सरकार और बीजेपी के विरुद्ध आक्रामक राजनीतिक अभियान चलाने का अवसर मिल जाएगा। विदेश में राहुल गांधी ने देश के हालात के बारे में जो कहा, उससे असहमति हो सकती है, लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि वह मोदी सरकार पर सबसे तीखा हमला करने वाले विपक्षी नेता हैं। सच यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा जांच कमेटी बना दिए जाने के तर्क के सहारे भले ही केंद्र सरकार जेपीसी बनाने से इनकार करती रहे, पर अडाणी प्रकरण में जो तथ्य सामने आ रहे हैं और सत्तापक्ष जिस तरह इस विवादास्पद औद्योगिक घराने का बचाव कर रहा है, उससे संदेह के साये गहरे ही हो रहे हैं। नहीं भूलना चाहिए कि चुनावी राजनीति में सच से भी ज्यादा महत्वपूर्ण और प्रभावी जन धारणा होती है।

प्रियंका को लाने पर विचार

यह जन धारणा का ही परिणाम था कि राजीव गांधी की प्रचंड बहुमत से बनी सरकार बोफोर्स के बवंडर में न सिर्फ हिल गई, बल्कि चुनाव में ढह भी गई थी। तब 1437 करोड़ रुपये के बोफोर्स तोप सौदे में 60 करोड़ रुपये घूस का आरोप लगा था और सोनिया गांधी के मूल देश इटली के व्यापारी ओटावियो क्वात्रोची के सहारे विपक्ष ने प्रधानमंत्री को संदेह के दायरे में खड़ा कर दिया था। राजीव संसद से सड़क तक सफाई देते रहे कि स्वीडन से हुए बोफोर्स सौदे में कोई दलाली नहीं दी गई, पर उन्हीं के बागी मंत्री वी पी सिंह समेत विपक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों से जन धारणा बनी कि दाल में कुछ तो काला है। राजा नहीं फकीर है,भारत की तकदीर है- के नारों के बीच वी पी सिंह तो जन सभाओं में अपने कुर्ते की जेब में हाथ डालते हुए दावा करते थे कि दलालों के नाम उनके पास हैं, एक बार सरकार बन जाए तो सार्वजनिक कर देंगे। विपक्षी एकता और बीजेपी-वाम मोर्चा के समर्थन से वी पी सिंह सरकार बनी, और लगभग एक साल चली भी, लेकिन बोफोर्स दलालों के नाम पता नहीं चले। हां, जीवन के अंतिम चरण में वही वी पी सिंह, सोनिया गांधी की प्रशंसा अवश्य करते सुने गए। इस बीच केंद्र में विभिन्न दलों की सरकारें आई-गईं, अदालतों में जांच एजेंसियों के सुर भी उनके अनुसार बदलते रहे, पर क्या आज भी कोई सप्रमाण बता सकता है कि बोफोर्स में किसको कितनी दलाली दी गई? अब मानहानि मामले की दूसरी परिणति की संभावना की बात करते हैं। राहुल गांधी के दोषारोपण और सजा के विरुद्ध ऊपरी अदालत में अपील की बात तो स्पष्ट तौर पर कही जा चुकी है, पर वहां से अपेक्षित राहत नहीं मिली तो? कांग्रेस के अंदर एक वर्ग हमेशा प्रियंका गांधी-वाड्रा को आगे लाने की फिराक में रहता है। फैसला तो कांग्रेस को या स्पष्ट कहें तो सोनिया गांधी को ही करना है, पर ऐसा करना पार्टी के लिए अंततः आत्मघाती ही साबित होगा।

कांग्रेस पर लगता रहा परिवारवाद का ठप्पा

गांधी परिवार के बाहर से कांग्रेस अध्यक्ष की राहुल की जिद से बमुश्किल हटा है। प्रतीकात्मक रूप से ही सही, चुनाव से आंतरिक लोकतंत्र का संदेश भी गया है। प्रियंका को राहुल की जगह लाने से सब किए-कराए पर पानी फिर जाएगा। रॉबर्ट वाड्रा के रूप में बीजेपी को एक चिर-परिचित हथियार कारगर हमले के लिए मिल जाएगा, सो अलग।

शहादत का फायदा

ऐसे में राहुल को लोकतंत्र और जन संघर्ष के लिए शहीद के रूप में पेश करते हुए नेतृत्व का दावा किए बिना ही विपक्षी एकता की धुरी बनने की पहल कांग्रेस के लिए राजनीतिक और रणनीतिक रूप से समझदारी होगी। चुनाव लड़ने से वंचित और किसी पद की दावेदारी के बिना ही मोदी और बीजेपी के विरुद्ध अग्रणी आक्रामक प्रचारक के रूप में राहुल ज्यादा प्रभावी हो सकते हैं। विपक्ष के सबसे बड़े नेता तो इस क्रम में वह बन ही जाएंगे। राजनीति में आठ साल बहुत लंबा अरसा नहीं होता। एक बार कांग्रेस की साख बहाल हो गई तो देर-सवेर राहुल की राजनीतिक संभावनाएं भी बन ही जाएंगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

विदेश में पढ़ने का प्लान है? ठगों से बचकर रहिएगा

विनय जायसवाल

हाल ही में कनाडा सरकार ने करीब 700 भारतीय छात्रों को फर्जी वीजा के चलते वापस भारत भेजने के लिए नोटिस जारी किया है। फजीर्वाड़े का आरोप पंजाब की एक एजेंसी पर है। पिछले हफ्ते हरियाणा के सिरसा में ऐसे ही स्टूडेंट वीजा के नाम पर 15 लाख रुपये तो लुधियाना में फीस जमा कराने के नाम पर 28 लाख रुपये की ठगी के मामले सामने आए।

माना जा रहा था कि कोविड के बाद जिस तेजी से डिजिटल एजुकेशन का दायरा बढ़ा है, इंडियन स्टूडेंट्स में विदेश जाने की चाहत कुछ कम होगी। लेकिन पिछले दिनों लोकसभा में सरकार ने विदेश जाने वाले स्टूडेंट्स की जो संख्या बताई, वह हैरान करने वाली है। सरकार ने बताया कि कोविड के बाद 2022 में साढ़े सात लाख से भी अधिक स्टूडेंट्स उच्च शिक्षा के लिए दूसरे देशों में गए।

बढ़ते आंकड़े

वैसे यह संख्या अचानक नहीं बढ़ी। आंकड़े बताते हैं कि विदेश में पढ़ने की इच्छा को कोविड ने थोड़ा ब्रेक दिया, मगर यह उससे पहले से लगातार बढ़ रही थीः 2017 में विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या 4.54 लाख थी, जो 2018 में बढ़कर 5.18 लाख और 2019 में 5.86 लाख हो गई। 2020 में यह संख्या काफी नीचे आई। उस साल सिर्फ 2.59 लाख छात्रों ने ही विदेशी यूनिवर्सिटियों का रुख किया। अभी 99 विदेशी यूनिवर्सिटियों में 12 लाख से भी अधिक भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। 2017 से 2022 तक 30 लाख से भी अधिक भारतीय छात्र विदेश पढ़ाई करने गए हैं। इनमें से तकरीबन 95 फीसदी कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, ब्रिटेन, ओमान, न्यूजीलैंड, चीन, जर्मनी, यूक्रेन, रूस, फिलीपींस, फ्रांस, कजाकिस्तान और जॉर्जिया गए हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत सरकार ने कई विदेशी मेडिकल कॉलेजों से समझौता किया है, इसके तहत भी लगभग तीन हजार छात्रों ने दाखिला लिया है।

नई खेप

जाहिर है कि 2020 विदेश जाकर पढ़ने वाले भारतीय छात्रों के लिए काफी मुसीबत भरा रहा। याद करें तो इस दौरान सोशल मीडिया पर भारतीय छात्रों की ओर से मदद मांगी जा रही थी। कोई इजिप्ट के हवाई अड्डे से मदद गुहार लगा रहा होता था तो कोई इंग्लैंड में 72 घंटे से फंसा था। इसके चलते अभिभावकों ने भी इंतजार करना मुनासिब समझा। अब दुनिया खुल चुकी है तो विदेश में पढ़ने के लिए वे लोग भी जा रहे हैं, जिनकी कोरोना के दौरान नौकरियां चली गईं और अब वे अपने स्किल को नई धार देना चाहते हैं। विदेशी सरकारें भी इस बारे में अच्छे से जानती हैं। फ्रांस ने तो बाकायदा लक्ष्य रखा है कि 2025 तक करीब 20,000 भारतीय छात्र उसके यहां पढ़ने आएं।

महंगी मुसीबत

पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले छात्रों पर ठगों की भी नजर है। पिछले दिनों ऐसे कई मामले सामने आए। हाल ही में कनाडा सरकार ने करीब 700 भारतीय छात्रों को फर्जी वीजा के चलते वापस भारत भेजने के लिए नोटिस जारी किया है। फजीर्वाड़े का आरोप पंजाब की एक एजेंसी पर है। पिछले हफ्ते हरियाणा के सिरसा में ऐसे ही स्टूडेंट वीजा के नाम पर 15 लाख रुपये तो लुधियाना में फीस जमा कराने के नाम पर 28 लाख रुपये की ठगी के मामले सामने आए। ऐसे ही पिछले साल चंडीगढ़ में एक एजेंसी ने स्टडी वीजा के नाम पर 15 लोगों से ढाई करोड़ रुपये से अधिक ठग लिए थे। यह फजीर्वाड़ा इंटरनैशनल इंग्लिश लैंग्वेज टेस्ट पास कराने और वीजा दिलाने के नाम पर होता है। विदेश में पढ़ाई और नौकरी के नाम पर लूट का यह जाल धीरे-धीरे पूरे देश में पैर पसार चुका है, जिसके लिंक विदेश तक फैले हुए हैं। नोएडा में चल रहे कॉल सेंटर और पंजाब में गली-गली खुली एजेंसियां ऐसे रैकेट्स चला रही हैं। विदेश में पढ़ाई और नौकरी के वीजा की लालसा किस हद तक पहुंच गई है कि जालंधर के तल्हन गांव में बाकायदा एक वीजा गुरुद्वारा बन चुका है, जहां वीजा लगने की मन्नत मांगी जाती है।

नए रास्ते

विदेश में पढ़ाई के लिए जो छात्र बाहर जाते हैं, वे अक्सर विदेशी नागरिकता ले लेते हैं। सरकार ने संसद में एक और आंकड़ा दिया था जो बताता है कि 2011 के बाद से 16 लाख से भी अधिक लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी है और 2018 के मुकाबले 2022 में इनकी संख्या करीब 40 फीसदी अधिक रही। इस लिहाज से भारत में ही इंटरनैशनल यूनिवर्सिटियां बनाने की योजना एक बेहतर विकल्प हो सकती है। इससे छात्रों को विदेशी डिग्री मिलेगी, भारत का बौद्धिक पलायन भी रुकेगा और ठगी से भी निजात मिलेगी।

कोरोना काल में हुए करप्शन का क्या है सच

गंगाधर ढोबले

अब सरकार बदल गई है, जिसमें बीजेपी भी शामिल है। पिछले वर्ष 31 अक्टूबर को सरकार ने जांच कैग को सौंप दी। यह अभी साफ नहीं है कि क्या कैग की जांच के साथ सीबीआई भी इसकी जांच करेगी? इन आरोपों में कितना तथ्य है यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा।

महाराष्ट्र में कोविड के दौरान हुए भ्रष्टाचार को लेकर आरोपों की गहमागहमी है। हाल में इन आरोपों को लेकर मुंबई में सौ करोड़ रुपये के घोटाले की प्राथमिकी भी दर्ज हो चुकी है। जिस समय महामारी चल रही थी, उस समय उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में कांग्रेस-शिवसेना-ठउढ गठबंधन की सरकार थी और विपक्ष में बीजेपी। मुंबई महानगरनपालिका में भी उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना सत्ता में थी। अब पांसा पलट गया है। बीजेपी सत्ता में है और ठाकरे गुट विपक्ष में। बहरहाल, बीजेपी के पूर्व सांसद किरीट सोमैय्या एक के बाद एक चौंकाने वाले आरोप लगाकर एंटी-करप्शन क्रूसेडर की भूमिका में हैं।

क्या हैं आरोप

मुंबई में कोरोना मरीजों के लिए जंबो कोविड सेंटर जल्दबाजी में बने। इनमें से कुछेक को बनाने का ठेका गुड़गांव की एक ऐसी कंपनी को दिया गया, जिसका नाम कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाले में आया था। वरली में दो सेंटरों का ठेका भी एक ऐसी कंपनी को मिला, जिसमें पूर्व मेयर किशोरी पेडणेकर का बेटा डायरेक्टर था। इन ठेकों की अनुमानित लागत 3.42 और 12.82 लाख थी। लेकिन अंत में लगभग 19 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। पेडणेकर ने पुत्र के डायरेक्टर होने की बात तो मानी, लेकिन केवल इतना ही कहा कि पुत्र वयस्क है और व्यापार करने का उसे हक है। इसी तरह बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में कोविड सेंटर बनाने का काम राज्य सरकार ने टटफ्ळअ यानी मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण को दिया। काम पूरा होने के बाद टटफ्ळअ ने इटउ को 59.27 करोड़ का बिल थमा दिया। इसे बाजार भाव से यह तीन गुना अधिक बताया गया। यह भी आरोप है कि मैनपावर सप्लाई के ठेके पर 100 करोड़ रुपये खर्च किए गए, हालांकि महानगरपालिका इससे इनकार करती है। उसका दावा है कि कोई 34 करोड़ रुपये ही खर्च हुए। यह ठेका लाइफलाइन अस्पताल सेवा प्रबंधन नामक कंपनी को दिया गया था। अनुभवहीनता के कारण पुणे में इस कंपनी को ठेका देने के 15 दिन के भीतर ही ब्लैकलिस्टेड कर दिया गया; जबकि मुंबई में उसे पांच कोविड सेंटरों का काम मिला। उपकरणों और सामानों की खरीदी में इसी तरह की गड़बड़ी के आरोप हैं। थमार्मीटर बाजार में 1200 रुपये में उपलब्ध था, लेकिन खरीदा गया 6500 रुपये में। मरीजों के बिस्तरों पर बिछाने के लिए चादरें किराए पर ली गईं। इस पर 8.5 लाख रुपये खर्च किए गए, जबकि दो लाख में ही चादरें खरीदी जा सकती थीं। 90 दिनों के लिए पंखे किराए पर लिए गए और 90 हजार रुपये का भुगतान किया गया, जबकि इतने में कितने तो पंखे आ जाते। लकड़ी की टेबल और कुर्सियां किराए पर ली गईं और भुगतान हुआ क्रमशः 4.5 लाख और 6.75 लाख रुपये। एक और किस्सा है हाफकिन इंस्टिट्यूट का। वह सरकारी अस्पतालों को दवाओं की सप्लाई करने वाली नोडल एजेंसी है। नागपुर के सरकारी अस्पतालों द्वारा कोरोना की पहली लहर में मांगी गई दवाएं अब तीन साल बाद इंस्टिट्यूट ने भेजी हैं!

खर्च की प्रशासकीय व्यवस्था के कारण भी संदेहों को बल मिला है। विभिन्न कोविड सेंटरों के लिए जरूरी सामानों की खरीदी के अधिकार वार्ड स्तर पर उपायुक्तों को दिए गए थे। आरोप है कि महानगरपालिका के एक अधिकारी ने कुर्ला एल वार्ड का आरटी-पीसीआर टेस्ट किट्स सप्लाई का ठेका एक ऐसी कंपनी को दिया, जिससे उनके पिता जुड़े हुए थे। अस्पतालों में ऑक्सिजन प्लांट लगाने का ठेका एक ब्लैकलिस्टेड कंपनी को दिया गया। ऑक्सिजन, ऑक्सिजन टैंक्स और ऑक्सिजन प्लांट को लगने वाले सामानों की खरीदी भी संदेह के घेरे में है। दवाओं, एन-5 मास्क, पीपीई किट्स, वेंटिलेटर, शवों को रखने के लिए बॉडी बैग्ज भी गड़बड़ी से नहीं बचे। एंटी-वायरल इंजेक्शन रेमडेसिवीयर की बड़ी मांग थी। यह इंजेक्शन हाफकिन इंस्टिट्यूट और मीरा-भायंदर मनपा ने 665 रुपये में खरीदा, जबकि राज्य सरकार ने 1311 रुपये और मुंबई मनपा ने 1568 रुपये में। लेकिन बाद में लोकायुक्त ने इसकी खरीदारी में भ्रष्टाचार के आरोप को तथ्यहीन करार दिया। उन दिनों एन-5 मास्क की भी बहुत किल्लत थी। ये मास्क राज्य सरकार को 42 रुपये और केंद्र सरकार को 63 रुपये की दर से दिए गए। हालांकि एन-5 के समकक्ष मास्क हाफकिन ने 17 रुपये 33 पैसे की दर से खरीदे। इसी तरह पीपीई किट्स की बाजार में कीमत 400 रुपये थी, लेकिन खरीदे गए 2000 रुपये की दर से। 5 लाख के वेंटिलेटर 18 लाख में लिए गए। शवों को रखने के लिए बॉडी बैग्स 6719 रुपये की दर से खरीदे गए। हो-हल्ला होने पर महानगरपालिका ने बाद में यह टेंडर रद्द कर दिया।

2018 से 2022 के बीच यानी कोरोना काल में शिवसेना (उद्धव गुट) के यशवंत जाधव बीएमसी स्थायी समिति के अध्यक्ष थे। जाधव पर मार्च 2022 में आयकर विभाग ने छापा मारा। आयकर सूत्रों का दावा था कि घोटाले से जुड़े अहम दस्तावेज उनके हाथ लगे हैं। इस जांच का आगे क्या हुआ, किसी को पता नहीं है। इस दौरान सेंट्रल विजिलेंस से भी कोविड घोटाला आरोपों की जांच की बातें चल रही थीं। बीजेपी की सीबीआई जांच की मांग भी बरकरार थी।

जांच की जुगाली

अब सरकार बदल गई है, जिसमें बीजेपी भी शामिल है। पिछले वर्ष 31 अक्टूबर को सरकार ने जांच कैग को सौंप दी। यह अभी साफ नहीं है कि क्या कैग की जांच के साथ सीबीआई भी इसकी जांच करेगी? इन आरोपों में कितना तथ्य है यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा। अक्सर राजनीतिक उठापटक में ऐसे आरोप लगते रहते हैं। जांच की जुगाली चलती रहती है। हो सकता है जांच की रिपोर्ट आते तक मुंबई महानगरपालिका के चुनाव आ जाएं। अनुभव कहता है कि चुनाव आदि के समय उछले मुद्दे चुनाव के बाद ठंडे बस्ते में चले जाते हैं। समय के साथ नए-नए मुद्दे आ जाते हैं और पुराने मुद्दे विस्मृत होने लगते हैं।

सिलिकॉन वैली बैंक को फर्स्ट सिटिजन बैंक ने खरीदा

न्यूयॉर्क। वित्तीय संकट से घिरे अमेरिका के सिलिकॉन वैली बैंक को लेकर बड़ी खबर है। सिलिकॉन वैली बैंक को फर्स्ट सिटीजन बैंक ने खरीद लिया है। बैंक को आर्थिक संकट से निकालने के लिए फर्स्ट सिटीजन बैंकशेयर इंक ने इसे फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन से खरीदा है। इस बारे में फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि फर्स्ट सिटीजन बैंक और ट्रस्ट ने सिलिकॉन वैली बैंक के सभी डिपॉजिट्स और लोन को खरीदने के लिए सहमति दे दी है। 27 मार्च को सिलिकॉन वैली ब्रिज बैंक, नेशनल एसोसिएशन के 17 ब्रांचेज़ फर्स्ट सिटीजन्स के नाम से खुलेंगे। सिलिकॉन वैली बैंक के ग्राहक मौजूदा ब्रांच का इस्तेमाल कर पाएंगे। हालांकि, इसके फर्स्ट सिटीजन्स से मिले नोटिस की जरूरत होगी। जारी बयान के मुताबिक इसके सभी अन्य ब्रांचेज़ पर फुल सर्विस बैंकिंग की अनुमति देने के लिए सिस्टम कनवर्जन पूरा हो गया है। बात सिलिकॉन वैली बैंक के कुल ऐसेट्स की करें तो ये 10 मार्च तक के आंकड़ों के मुताबिक 167 अरब डॉलर पर थे और इसके कुल डिपॉजिट 119 अरब डॉलर के थे। इस ट्रांजेक्शन में सिलिकॉन वैली बैंक के 72 अरब डॉलर के ऐसेट्स डिस्काउंट पर खरीदे गए। इन ऐसेट्स को 16.5 अरब डॉलर के डिस्काउंटेड प्राइस पर खरीदा गया है। बता दें, अमेरिका के सिलिकन वैली बैंक के डूबने के बाद फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन को इसका रिसीवर नियुक्त किया गया था। फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन को सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने से करीब 20 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।

सियोल ऑटो शो साउथ कोरिया में 30 को प्रदर्शित होगी आठवीं जेनरेशन सोनाटा

मुंबई।

हुंडई सियोल ऑटो शो साउथ कोरिया में 30 मार्च को आठवीं जेनरेशन सोनाटा को पद्रर्शित करने वाली है। ऑफिशियल लांच से पहले इसकी डिटेल्स सामने आई हैं, इसके अनुसार इसमें कई सारे बदलाव किए गए हैं। यह बदलाव इसके एक्सटीरियर के साथ-साथ केबिन में भी किए गए हैं। इसका डिजाइन कोना इलेक्ट्रिक एसयूवी और हाल ही में लांच हुई हुंडई सेडान जैसा दिखाई देता है। नई सोनाटा के सामने में सिग्नेचर एलईडी हैडलैंप्स दिए गए हैं। इसके अलावा अपडेटेड एलईडी हैडलैंप, बंपर, फेंडर्स, पैरामीट्रिक ज्वैल थीम पर डिजाइन ग्रिल, बदले हुए एयरोडायनामिक्स और ग्रिल पर एन-लाइन बैज दिया गया है। नई सोनाटा के केबिन में नया डिजाइन किया हुई डैशबोर्ड, 12.3 इंच ट्विन एचस्कीन डिस्प्ले, इंफोटेनमेंट सिस्टम, इंस्ट्रूमेंट कलस्टर, नया सेंट्रल कलाइमेट कंट्रोल पैनल दिया गया है। फिलहाल इसके मकैनिकल पार्ट के बारे में कोई जानकारी सामने नही आई है, लेकिन इसमें 3 पावरट्रेन ऑप्शन दिए जाएंगे। यह बता दें कि नई सोनाटा को हाइब्रिड पावरट्रेन में भी पेश किया जाएगा।

अमेरिकियों ने बैंकों से निकाले 100 बिलियन डॉलर

मुंबई। सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) और सिग्नेचर की नाकामी के बाद अमेरिकी खाताधारकों में अमेरिकी बैंकों में रखे कैश को लेकर डर का माहौल है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अमेरिकियों ने अपने बैंक खातों से करीब 100 बिलियन डॉलर की निकासी की है। हालांकि अमेरिकी नियामकों द्वारा जनता को भरोसा दिलाया गया कि बैंकिंग प्रणाली सुरक्षित है। फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की तरफ से बैंकिंग सेक्टर में संभावित तरलता संकट पर निवेशकों को आश्वासन देने के बाद शु' वार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि 24 मार्च को खत्म हुआ हफ्ता अमेरिकी बाजारों के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। कल के कारोबारी सत्र के शुरुआत में अमेरिका के तीनों अहम इंडेक्स की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। यूरोपियन बैंकों में आई बिकवाली का असर इन पर देखने को मिला था। हालांकि क्लोजिंग बेल के बजने तक इस सारी गिरावट की भरपाई हो गई। फेड की तरफ से ब्याज दरों में बढ़त और बैंकिंग सिस्टम के स्वास्थ्य को लेकर बढ़ती चिंताओं की वजह से ये पूरा हफ्ता काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा लेकिन अच्छी बात ये रही कि तीनों सूचकांकों ने हफ्ते का समापन साप्ताहिक आधार पर बढ़त के साथ किया।

पटना में पेट्रोल 108 के पार, यूपी में भी बढ़े दाम

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर उछाल आना शुरू हो गया है। वैश्विक बाजार में 'ूड 75 डॉलर प्रति बैरल के भाव को पार कर गया है। इस बीच सोमवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में भी उछाल दिख रहा है। पटना में तो पेट्रोल का भाव 108 रुपए लीटर को भी पार कर गया है। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों में तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 10 पैसे महंगा हुआ 96.57 रुपए लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में भी पेट्रोल 32 पैसे महंगा हुआ और 108.12 रुपए लीटर पहुंच गया है। डीजल भी 30 पैसे चढ़कर 94.86 रुपए लीटर बिक रहा है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में भी पेट्रोल 4 पैसे महंगा हुआ और 96.93 रुपए लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 4 पैसे महंगा होकर 89.80 रुपए लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल में भी 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी उछाल आया है। ब्रेंट 'ूड का भाव बढ़त के साथ 75.35 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का रेट भी वैश्विक बाजार में गिरकर 69.60 डॉलर प्रति बैरल हो गया ह। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.72 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गुरुगाम में पेट्रोल 96.93 रुपए और डीजल 89.80 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

इस साल अडाणी सबसे ज्यादा दौलत गंवाने के मामले में पहले नंबर पर

- मस्क, बेजोस और गेट्स ने मिलकर भी नहीं इतने नहीं कमाए, जितने गौतम अडानी ने गंवाए

नई दिल्ली।

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी इस साल सबसे ज्यादा दौलत गंवाने के मामले में पहले नंबर पर है। 24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने से पहले वह दुनिया के अमीरों की सूची में तीसरे नंबर पर थे लेकिन अब 21वें नंबर पर खिसक गए हैं। अडानी ग्रुप के शेयरों में लगातार एक महीने से भी अधिक समय तक गिरावट रही और इस कारण गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की सूची में 35वें नंबर तक भी चले गए थे। इस साल उनकी नेटवर्थ में 60.7 अरब डॉलर की गिरावट आई है। अभी उनकी नेटवर्थ 59.8 अरब डॉलर रह गई है। अडानी ने इस साल जितनी नेटवर्थ गंवाई है, वह एलन मस्क, जेफ बेजोस और बिल गेट्स की इस साल की कुल कमाई से ज्यादा है। सबसे ज्यादा दौलत कमाने के मामले में मस्क नंबर वन हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 38.8 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। वह 176 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। बेजोस की नेटवर्थ 14.5 अरब डॉलर बढ़ी है और वह 121 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के तीसरे बड़े रईस हैं। गेट्स ने इस साल 7.03 अरब डॉलर की कमाई की है और वह 116 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। इस तरह मस्क, बेजोस और गेट्स ने इस साल कुल 60.3 अरब डॉलर कमाए हैं जबकि अडानी ने अकेले 60.7 अरब डॉलर गंवाए हैं।

वैसे इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने के मामले में मेटा (फेसबुक) के सीईओ मार्क जकरबर्ग दूसरे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 30.2 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह 75.8 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की सूची में 13वें नंबर पर हैं। उनके ऊपर 12वें नंबर पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के

चेयरमैन मुकेश अंबानी हैं। अंबानी की नेटवर्थ में इस साल 11.3 अरब डॉलर की गिरावट आई है। उनकी नेटवर्थ अब 75.8 अरब डॉलर रह गई है। दुनिया के टॉप 10 अमीरों में आठ अमेरिका और दो फ्रांस के हैं। बर्नार्ड आरनॉल्ट 189 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस सूची में पहले नंबर पर हैं।

वनवेब की दरें भारत में मोबाइल शुल्क दरों की बराबरी नहीं कर सकतीं- मित्तल

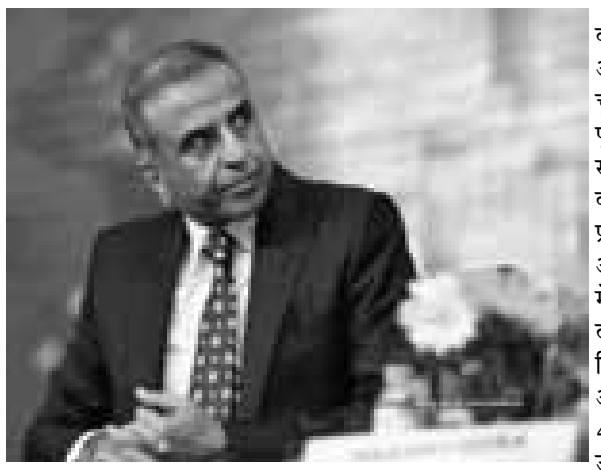

मुंबई।

उपग्रह संचार सेवा प्रदाता वनवेब के कार्यकारी चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा कि कंपनी पश्चिमी देशों की मोबाइल सेवा दरों की बराबरी कर सकती है लेकिन इसकी दरें भारत में मौजूद शुल्क दरों की तरह कम नहीं हो सकती हैं। पृथ्वी की निचली कक्षा (एलईओ) में रविवार को 36 उपग्रहों के प्रक्षेपण के साथ वनवेब समूह के पास अब 618 उपग्रह हो चुके हैं जो भारत समेत पूरी दुनिया में दूरसंचार सेवा दे सकते हैं। वनवेब परियोजना के प्रमुख मित्तल ने प्रक्षेपण और सेवाओं के बारे में कहा कि इसके तहत दी जाने वाली सेवाएं किफायती होंगी और अगर एक गांव में 30-40 लोग भी इसका उपयोग करते हैं तो दरें मोबाइल सेवा के बराबर ही होंगी। हालांकि भारत में मौजूदा मोबाइल सेवा योजनाओं की तुलना में एकल उपयोग के लिए सेवाओं पर ज्यादा खर्च आएगा। मित्तल ने कहा कि अगर आप पूछें कि क्या उपग्रह दूरसंचार की कीमतें मोबाइल शुल्क के बराबर हो सकती हैं? पश्चिमी देशों में तो ऐसा अभी ही हो सकता है लेकिन 2 या 2.5 डॉलर प्रति महीने के शुल्क वाले भारत के मामले में ऐसा नहीं है। इसकी वजह यह है कि यह दर पहले ही बहुत कम है। मित्तल ने उम्मीद जताई कि वनवेब को जुलाई-अगस्त तक भारत में सेवाओं के संचालन संबंधी सभी जरूरी मंजूरियां मिल जाएंगी। वनवेब को उपग्रह सेवाओं की मंजूरी मिली हुई है लेकिन उसे अंतरिक्ष-संचार नीति के अलावा सिग्नल भेजने के लिए स्पेक्ट्रम आवंटित होने तक इंतजार करना होगा। वनवेब एलन मस्क की स्पेसएक्स की स्टारलिंक सेवा के विपरीत अपने उपग्रहों के माध्यम से व्यापक स्तर पर इंटरनेट सेवा देने के लिए गठित कंपनी है। स्पेसएक्स सीधे व्यक्तिगत उपभोक्ताओं को सेवाएं देती है। वनवेब ने अपने 72 उपग्रह प्रक्षेपित करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से 1,000 करोड़ रुपए का समझौता किया था। वनवेब भूमध्य रेखा से 36,000 किलोमीटर ऊंचाई पर भू-स्थैतिक कक्षा (जीईओ) में स्थापित उपग्रहों का उपयोग करने के पारंपरिक तरीके के बजाय एलईओ उपग्रहों का उपयोग कर ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवा प्रदान करती है।

जर्मनी के डॉयचे बैंक के शेयरों में भी रही बड़ी गिरावट

नई दिल्ली।

यूरोप का एक और बैंक डूबने की कगार पर पहुंच गया है। बीते शु' वार को जर्मनी के डॉयचे बैंक के शेयरों में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। शेयरों में आई इस गिरावट का कारण बैंकों का 'डिट डिफॉल्ट होना है। खबरों कें मुताबिक बैंक जिन 'डिट्स को बीमा की सुविधा देती है उसके डिफॉल्ट का भाव बढ़ कर चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। ऐसे में यूरोप के इस बैंक के निवेशक भी अब चिंता में पड़ गए हैं। 24 मार्च को डॉयचे बैंक के 'डिट डिफॉल्ट स्वैप में तेजी आने की खबरें सामने आने के बाद बैंक के शेयरों 14 तक की गिरावट दर्ज की गई। 25 मार्च को भी डॉयचे बैंक के शेयर 6.5 फीसदी टूटकर बंद हुए। डॉयचे बैंक का सीडीएस एक तरह का बीमा कवरेज है इसके तहत बैंक कंपनी के बॉन्डहोल्डर्स को किसी डिफॉल्ट के खिलाफ कवर प्रदान करता है। हाल के दिनों डॉयचे बैंक के 'डिट डिफॉल्ट स्वैप में 200 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि आई है। यह आंकड़ा 2019 की शुरुआत के बाद से सबसे अधिक है। स्टैंडर्ड एंड पुअर मार्केट इंटेलिजेंस के आंकड़ों के अनुसार महज दो दिन में ही डॉयचे बैंक के 'डिट डिफॉल्ट स्वैप में 142 बेसिस प्वाइंट की तेजी दर्ज की गई, इससे निवेशकों के माथे पर सिकन पड़ने लगी। बीते हफ्ते गुरुवार को डॉयचे सीडीएस में एक दिन की सबसे बड़ी तेजी दर्ज की गई। विशेषज्ञ का कहना है कि डॉयचे बैंक पर पिछले कुछ समय से जानकारों की नजर बनी हुई है। बीते दिनों में जो स्थिति 'डिट स्विस की हुई है वैसा ही कुछ डॉयचे बैंक के साथ होने की आशंका बढ़ गई है।

इनकम टैक्स और एमसीए डेटा से जीएसटी चोरी पकड़ी जाएगी

नई दिल्ली।

टैक्स चोरी करने वाले लोगों को पकड़ने के लिए विभाग अब इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की तरफ से दिए गए डेटा और मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (एमसीए) के डेटा से मैच करेगा। जिन लिमिटेड लाय बिलिटी पार्टनर शिप (एलएलपी) और कंपनियों का संचालन एमसीए करती है उनकी कंपनियों की जानकारी जीएसटी विभाग के साथ शेयर की जाएगी। बता दें कि करीब 1.3 करोड़ बिजनेस और सर्विस प्रोवाइडर्स जीएसटी के तहत रजिस्टर्ड हैं। कोरोना महामारी के बाद इकॉनमी में सुधार देखने को मिला है, जिसके बाद बीते 12 महीनों में जीएसटी के तहत होने वाला मंथली टैक्स कलेक्शन 1.4 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आईटीआर फाइल करने वालों का डेटा जीएसटी विभाग मैच करेगा और इसके बाद एमसीए द्वारा संचालित कंपनियां और एलएलपी के जीएसटी रिटर्न के साथ भी फाइनेंशियल डिटेल्स भी मिलाई जाएंगी। बता दें कि ऐसा करने के पीछे का कारण उन लोगों को पकड़ना है जो जीएसटी न चुका कर टैक्स चोरी करते हैं। इसके अलावा वो लोग भी पकड़े जाएंगे जो लोग अलग-अलग नियामक को अलग जानकारियां देते हैं। जिन लोगों को गलत रिटर्न फाइल करने का नोटिस मिलता है तो उन्हें इसका जबाव देना होगा। खबरों के मुताबिक जीएसटी विभाग टैक्स डिफॉल्टर्स को पकड़ने के लिए डेटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नई टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर रहा है।

इसके साथ ही विभाग रजिस्ट्रेशन एप्लिकेशन की जांच भी बारीकी से कर रहा है। अगर कोई नया कारोबार शुरू कर रहा है तो विभाग रजिस्ट्रेशन के लिए ज्यादा जानकारी मांग रहा है। टैक्स चोरों पर लगाम लगाने के लिए सरकार अलग-अलग टैक्स और रेगुलेटरी डेटाबेस के जरिए करदाताओं का पूरा प्रोफाइल बना रही है ताकि अगर कोई टैक्स चोरी करता है तो वो पकड़ी जा सके।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई।

शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज, मारुति और एसबीआई के शेयरों में बढ़त से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 126.76 अंक या 0.22 फीसदी बढ़कर 57,653.86 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 40.65 अंक तकरीबन 0.24 फीसदी बढ़कर 16,985.70 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, मारुति, सन फार्मा, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंफोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयर तेजी के साथ बंद हुए। इस दौरान सबसे ज्यादा 1.54 फीसदी की बढ़त रिलायंस के शेयर में आई। वहीं दूसरी ओर पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स के शेयर नीचे आये। वहीं गत शु' वार को बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सेंसेक्स 70.08 अंक की बढ़त के साथ 57,597.18 के स्तर पर नजर आ रहा था। वहीं निफ्टी 29.40 अंक की बढ़त के साथ 16,956.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन वैश्विक बाजारों से अच्छे संकेत मिले।

घर बैठे डिजिटल गोल्ड के बदले मिलेगा लोन

नई दिल्ली।

अब फिजिकल गोल्ड के अलावा डिजिटल गोल्ड पर भी लोन मिलता है। अगर आप भी डिजिटल गोल्ड के बदले लोन लेने का प्लान बना रहे हैं तो अब आपके लिए यह काम आसान है। देश में सबसे पहले शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक ने यह सुविधा साल 2021 में शुरू की थी। बैंक ने डिजिटल गोल्ड के बदले लोन की सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर फिनटेक फर्म इंडियागोल्ड के साथ भागीदारी की थी। इसके माध्यम से ग्राहक 60 हजार रुपए तक का लोन तत्काल ले सकेंगे। इसके लिए ग्राहक अपने डिजिटल तरीके से रखे सोने का उपयोग कर सकेंगे। लोन का भुगतान करने पर ग्राहकों के पास नया कर्ज लेने या फिर अपना गोल्ड दोबारा प्राप्त करने का विकल्प मिलेगा। लोन चुकाने पर ग्राहकों के पास नया कर्ज लेने या फिर अपना सोना घर पर प्राप्त करने का विकल्प होगा। डिजिटल गोल्ड के बदले लोन के लिए मासिक ब्याज दर एक फीसदी से शुरू होगी। इस प्रि या में 2 मिनट के अंदर लोन मिलेगा और कोई

प्रोसेसिंग शुल्क नहीं देना होगा। ग्राहकों को अपने गोल्ड एसेट के एवज में कर्ज लेने को लेकर ब्रांच के चक्कर नहीं लगाने होंगे।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली।

घरेलू बाजार में सोमवार को सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट रही। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर के साथ ही घरेलू वायदा बाजार में भी गिरावट आई। एमसीएक्स एक्सचेंज पर डिलीवरी वाला सोना 1.01 फीसदी या 599 रुपये की गिरावट के साथ 58,674 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखा। वहीं वैश्विक स्तर पर भी सोने की कीमतों में आज बड़ी गिरावट रही। सोने का वैश्विक हाजिर भाव इस समय 1.22 फीसद या 24.20 डॉलर की गिरावट के साथ 1954.01 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखाई। वहीं, चांदी का वैश्विक हाजिर भाव इस समय 0.78 फीसदी या 0.18 डॉलर की गिरावट के साथ 23.05 डॉलर प्रति औंस पर करता दिखा। सोने के साथ ही चांदी की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गयी। एमसीएक्स एक्सचेंज पर 5 मई 2023 की डिलीवरी वाली चांदी सोमवार शाम 0.33 फीसदी या 231 रुपये टूटकर 70,180 रुपये प्रति किलोग्राम पर करोबार करता दिखा। वहीं गत सप्ताह यह 70,411 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

देश में एक अप्रैल से बढ़ सकती है गैस की कीमत

नई दिल्ली।

देश में गैस की कीमत में फिर भारी बढ़ोतरी हो सकती है। सरकार एक साल में दो बार स्थानीय रूप से उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमतें तय करती है। इस गैस को गाड़ियों में उपयोग के लिए सीएनजी में और रसोई में इस्तेमाल के लिए पाइप वाली गैस में बदला जाता है। इसके अलावा गैस का इस्तेमाल बिजली और उर्वरक उत्पादन में भी होता है। इस बीच केंद्रीय मंत्रिमंडल जल्द देश में उत्पादित प्राकृतिक गैस के मूल्य की सीमा तय करने पर विचार करेगा। इस कदम का मकसद सीएनजी से लेकर उर्वरक कंपनियों के लिए उत्पादन की लागत को कम करना है। घरेलू स्तर पर उत्पादित गैस के भुगतान के लिए दो फॉर्मूला हैं। इनमें एक ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और ऑयल इंडिया लिमिटेड जैसी राष्ट्रीय पेट्रोलियम कंपनियों के पुराने क्षेत्रों से उत्पादित गैस के लिए भुगतान का फॉर्मूला और दूसरा गहरे समुद्र के नए क्षेत्रों से उत्पादित गैस के भुगतान का फॉर्मूला है। यू'ेन पर रूस के हमले के बाद वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में उछाल ने स्थानीय रूप से उत्पादित गैस की दरों को रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा दिया है। पुराने क्षेत्रों से गैस के लिए 8.57 अमेरिकी डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट और कठिन क्षेत्रों से गैस के लिए 12.46 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की दर तय है। इन दरों में एक अप्रैल को संशोधन होना है।

सूत्रों के मुता□बिक मौजूदा फॉर्मूले के अनुसार पुराने क्षेत्रों से गैस की कीमतें बढ़कर 10.7 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू तक पहुंच सकती हैं। मुश्किल क्षेत्र की गैस के दाम में मामूली बदलाव होगा। गैस कीमतों में पिछले संशोधन के बाद सीएनजी और पीएनजी के दाम 70 प्रतिशत तक चढ़ चुके हैं। यदि एक अप्रैल से दरों में संशोधन होता है तो इसमें और बढ़ोतरी होगी। मौजूदा ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 75 डॉलर प्रति बैरल है। ऐसे में गैस की कीमत 7.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू होनी चाहिए, लेकिन सीमा के कारण ईंधन की कीमत केवल 6.5 डॉलर होगी। समिति ने कठिन क्षेत्रों के लिए फॉर्मूला में कोई बदलाव नहीं करने का सुझाव दिया है।

राजस्थान की हेल्थ पॉलिसी का छत्तीसगढ़ में विरोध

- राइट टू हेल्थ बिल के खिलाफ करीब 13 लाख डॉक्टर्स मना रहे ब्लैक डे

रायपुर/नवप्रदेश। राजस्थान सरकार के राइट टू हेल्थ बिल 2023 का छत्तीसगढ़ में भी विरोध हो रहा है। प्रदेश के डॉक्टरों ने इस बिल को गैरकानूनी बताया है। राजधानी में सोमवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन रायपुर के पदाधिकारियों और सदस्यों समेत तमाम डॉक्टर्स ने ब्लैक डे मनाकर इस बिल का विरोध किया और मामले में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। बिल के विरोध में ढ्ढरू ने राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को बिल वापस लेने के लिए पत्र भी लिखा है।

IMA रायपुर के अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता ने कहा कि राजस्थान सरकार के राइट टू हेल्थ बिल 2023 की वजह से चिकित्सक में असुरक्षा है। वैसे भी स्मार्ट कार्ड और अन्य सरकारी योजनाओं की वजह से प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों का अतिरिक्त दबाव है। और ऐसे में जल्दबाजी में लाए गए इस बिल की वजह से डॉक्टरों के लिए बड़ी समस्या खड़ी हो गई है।

डॉ राकेश गुप्ता ने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा लाए गए इस बिल में इमरजेंसी की स्थिति को सही तरीके से परिभाषित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि इस बिल को लेकर देशभर के डॉक्टरों में नाराजगी है और इसलिए ढ्ढरू के तीन लाख से ज्यादा सदस्य और देशभर के 10 लाख से ज्यादा डॉक्टर्स ने आज ब्लैक डे मना कर बिल का विरोध कर रहे हैं।

आखिर बिल का क्यों हो रहा है विरोध

राइट टू हेल्थ बिल में कहा गया है कि इमरजेंसी के दौरान अगर मरीज के पास पैसा नहीं है तो निजी अस्पताल इलाज से इनकार नहीं कर सकता या पैसे के लिए बाध्य नहीं कर सकता। हालांकि इसमें इमरजेंसी की स्थिति को सही तरीके से परिभाषित नहीं किया गया है।

राइट टू हेल्थ में निजी अस्पतालों को सरकार की योजनाओं के अनुसार बताई गई बीमारियों का फ्री में इलाज करना होगा।

मरीज को दूसरे अस्पताल में रेफर करने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था भी निजी अस्पतालों को करनी होगी। इसके अलावा भी कई ऐसे प्रावधान हैं जिनको लेकर डॉक्टर आपत्ति जता रहे हैं।

छग से IMA ने भी लिखा सीएम अशोक गहलोत को पत्र

राजस्थान की राइट टू हेल्थ पॉलिसी का छत्तीसगढ़ ढ्ढरू भी विरोध कर रहा है और इसलिए यहां से भी एक पत्र राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भेजा गया है। पत्र में लिखा गया है कि पूरे भारतवर्ष का चिकित्सा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत समुदाय राजस्थान में पास हुए राइट टू हेल्थ बिल 2023 को लेकर चिंतित है और बिना विचार-विमर्श जल्दबाजी में लाए गए इस गैरकानूनी बिल का प्रतिरोध करता है ।

इस बिल में सभी मरीजों के लिए प्राइवेट अस्पताल में आपातकालीन सेवाएं सुनिश्चित करने का निश्चय व्यक्त किया गया है लेकिन इस बिल में आपातकालीन स्थिति को चिकित्सकीय दृष्टि से परिभाषित नहीं किया गया है, निवेदन है कि इस बिल को सरकारी अस्पतालों और संस्थानों के लिए प्रारंभिक तौर पर लागू किया जाए ।

कानूनी दृष्टि से ना केवल यह बिल निजी क्षेत्र के लिए आक्रामक बताया जा रहा है, बल्कि इसके आने से पहले ही बोझ तले दबी 70त्न से अधिक निजी स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा जाने की आशंका है। निजी अस्पतालों में सभी तरह की इलाज की सुविधाएं नहीं होती हैं। डॉक्टरों की उपलब्धता के आधार पर 80% से ज्यादा अस्पताल आपने विशेषज्ञता की सेवाएं देते हैं। राजस्थान में पहले से ही चिरंजीवी योजना के अंतर्गत 25 लाख तक का इलाज निशुल्क दिया जा रहा है। सभी प्रकार के मरीजों के लिए आपात चिकित्सा सेवा केवल कॉर्पोरेट और मल्टीस्पेशलिटी अस्पतालों और बड़े शहरों में ही उपलब्ध है। ऐसे में करीब-करीब हर आपात सेवा के मरीज को सभी अस्पतालों में सेवाएं देना संभव नहीं है। राइट टू हेल्थ बिल के उद्देश्यों पर प्रश्नचिन्ह भी खड़े हो रहे हैं, क्योंकि राजस्थान सरकार अपनी सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जिम्मेदारी से पीछे हट रही है। IMA द्वारा और भी कई बातों को अपने इस पत्र में शामिल किया गया है।

छत्तीसगढ़ में इस बिल का कोई औचित्य नहीं-डॉ राकेश गुप्ता

राजस्थान में यह बिल लागू होने से छत्तीसगढ़ में भी इसे लाया जा सकता है। इसलिए यहां के डॉक्टर्स भी चिंतित हैं। क्योंकि राजस्थान सरकार ने डॉक्टर्स से विचार-विमर्श किए बगैर यह बिल लाया इसलिए छत्तीसगढ़ में भी अगर ऐसा कोई बिल आता है तो टकराव की स्थिति बन सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार पहले से ही स्वास्थ्य को लेकर कई निशुल्क योजनाएं चला रही है। ऐसे में राज्य में इस तरह की पॉलिसी लाने का कोई औचित्य नहीं है सुविधाओं का दायरा यहां बढ़ाया जा सकता है आर्थिक मसलों में भी बात हो सकती है।

अन्नदाताओं की खुशहाली और समृद्धि के लिए किए जा रहे लगातार कार्य : भूपेश

- मुख्यमंत्री कंवर महोत्सव एवं किसान महासम्मेलन में हुए शामिल
- 105 करोड़ रूपए की लागत के 19 कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि अन्नदाता किसान संपन्न एवं खुशहाल रहें, इसके लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही हैं। न्याय योजनाओं के जरिए किसान, पशुपालक एवं मजदूरों की जेब में पैसा जा रहा है। उन्होंने कहा कि धान खरीदी का दायरा बढ़ाते हुए 15 क्विंटल से बढ़ाकर 20 क्विंटल प्रति एकड़ किया गया है, इससे किसानों में खुशी का माहौल है। अन्नदाता किसान खुश होंगे तो समझिए भगवान खुश हैं। बघेल राजनांदगांव जिले के छुरिया विकासखंड में कंवर महोत्सव एवं किसान महासम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर 105 करोड़ 71 हजार रूपए की लागत के 19 कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। जिसमें 8 करोड़ 66 लाख 39 हजार रूपए की लागत के 6 कार्यों का लोकार्पण तथा 96 करोड़ 34 लाख 32 हजार रूपए की लागत के 13 कार्यों का भूमिपूजन शामिल हैं। उन्होंने कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के 165 हितग्राहियों को 2 करोड़ रूपए 56 लाख 40 हजार रूपए की सामग्री, वन अधिकार पट्टा, सामाजिक एवं अहाता निर्माण हेतु स्वीकृति आदेश तथा प्रशस्ति पत्र का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कंवर समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री बघेल ने सभी को नवरात्रि एवं रमजान पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य में धान खरीदी 15 क्विंटल से बढ़ाकर 20 क्विंटल करने पर किसानों ने उत्सव मनाया है। सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से किसानों की संख्या एवं रकबा बढ़ा है। पहले 55 लाख मिट्रिक टन धान की खरीदी होती थी, जो अब बढ़कर 107 लाख मिट्रिक टन हो गया है। राजनांदगांव जिले में किसानों की संख्या एवं रकबे में ढाई गुना बढ़ोत्तरी हुई है।

मुख्यमंत्री ने छुरिया में पंचायत कैफे का किया शुभारंभ

- मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ी व्यंजन फरा तथा रागी के हलवा का लिया स्वाद
- छत्तीसगढ़ी एवं मिलेट्स व्यजंनों को मिलेगा बढ़ावा

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ी व्यंजन फरा तथा रागी के हलवा का लिया स्वादछत्तीसगढ़ी एवं मिलेट्स व्यजंनों को मिलेगा बढ़ावाछत्तीसगढ़ी एवं मिलेट्स व्यजंनों को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजनांदगांव जिले के विकासखंड मुख्यालय छुरिया में पंचायत कैफे का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर फरा तथा मिलेट्स व्यंजन रागी के हलवा का स्वाद लिया। उन्होंने इस मौके पर बिहान महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए जा रहे व्यंजनों की प्रशंसा की। समूह की महिलाओं ने मुख्यमंत्री का कैफे के माध्यम से रोजगार का अवसर उपलब्ध कराने के लिए आभार व्यक्त किया।

गौरतलब है कि जिला प्रशासन की पहल पर बिहान स्व-सहायता समूह की महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने परंपरागत छत्तीसगढ़ी एवं मिलेट्स व्यजंनों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनपद पंचायत छुरिया के परिसर में पंचायत कैफे की शुरूआत की गई है। पंचायत कैफे के अवलोकन के दौरान जिला प्रशासन के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को जिले में चलाए जा रहे पंचायत कैफे के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि छुरिया में पंचायत कैफे के संचालन के लिए 5 महिला स्व-सहायता समूह पदम तुलसी स्व-सहायता समूह बम्हनीचारभाठा, भवानी स्व-सहायता समूह, शिकारीमहाका, मां शक्ति स्व-सहायता समूह तेन्दूटोला, जय मां संतोषी स्व-सहायता समूह कुमर्राछुरिया, जय गुरूदेव स्व-सहायता समूह जंगलपुर को बैंकों के माध्यम से 2 लाख 50 हजार रूपए की वित्तीय सहायता राशि उपलब्ध करायी गई है।

छुरिया के पंचायत कैफे में छत्तीसगढ़ी परपंरागत व्यंजन चीला, फरा, ठेठरी, खुरमी, अनरसा, मिलेट व्यंजन, इडली, दोसा एवं अन्य फास्टफूड व्यंजन की बिक्री की जा रही है। गौरतलब है कि डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम अर्जुनी में पंचायत कैफे का संचालन किया जा रहा है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री दलेश्वर साहू, छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष श्री धनेश पाटिला भी उपस्थित थे।

खेल अकादमी बिलासपुर की बालिका ने जीता गोल्ड मेडल

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य में स्थापित विभिन्न खेल अकादमी में खिलाड़ियों को मुहैया कराए जा रहे सुविधाओं का असर अब दिखने लगा है, इसी का परिणाम है कि, भारतीय खेल प्राधिकरण एवं प्रदेश आरचरी एसोसिएशन द्वारा जिला रायपुर में महिलाओं के लिए आयोजित दस का दम तीरंदाजी प्रतियोगिता में खेल अकादमी बिलासपुर की तुलेश्वरी खुसरो ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया है।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दस का दम तीरंदाजी प्रतियोगिता में बिलासपुर के ग्राम शिवतराई में संचालित तीरंदाजी प्रशिक्षण उपकेन्द्र की खिलाड़ी कु. तुलेश्वरी खुसरो ने इंडियन राऊण्ड में 656 अंक प्राप्त करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया तथा संचालित राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र (खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) बिलासपुर की खिलाड़ी कु. दिव्या यादव ने 647 अंक प्राप्त करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

तीरंदाजी प्रशिक्षण उपकेन्द्र शिवतराई की खिलाड़ी कु. तुलेश्वरी खुसरो, श्री ईतवारी राज से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं एवं राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र (खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) की खिलाड़ी कु. दिव्या यादव, श्री निलेश गुप्ता से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग प्रदेश में निरंतर खेलों को बढ़ावा दे रही है, जिस हेतु विभाग द्वारा राज्य में खेल अकादमी प्रारंभ किये जा रहे हैं, जहाँ खिलाड़ियों को उच्चतम स्तर की सुविधाओं के साथ गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण दिये जा रहे हैं।

खेल अकादमी बहतराई से दिखने लगे परिणाम

भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा स्व. बी. आर. यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र को खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्वीकृत किया गया है। जिसके तहत हॉकी अकादमी जून 2022 एवं तीरंदाजी व एथलेटिक अकादमी नवम्बर 2022 से प्रारंभ हुई इन अकादमियों में खिलाड़ियों को निःशुल्क आवासीय व्यवस्था के साथ राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे एक वर्ष से भी कम समय में खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर पदक अर्जित किये हैं तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए भी क्वालीफाई किया है। इनमें अमित कुमार, एथलेटिक 33वीं वेस्ट ज़ोन एथलेटिक चौंपियनशिप रायपुर, वॉक रेस 10 कि.मी. स्वर्ण पदक, अंकित अहलावत, एथलेटिक, राष्ट्रीय इंटर डिस्ट्रिक्ट एथलेटिक मीट, आंध्रप्रदेश, डिस्कस थ्रो, कांस्य पदक, अर्जुन कोवाची, 3री एकलव्य आवासीय विद्यालय नेशनल स्पोर्ट्स मीट, आंध्रदेश, 1500 मी. रेस, स्वर्ण पदक, गितेश यादव, 4थी खेलो इंडिया ईस्ट जोन आरचरी चौंपियनशिप, कोलकाता, इंडियन राऊण्ड, रजत पदक, अमित कुमार, राष्ट्रीय एथलेटिक चौंपियनशिप, बैंगलोर, वॉक रेस, कांस्य पदक के साथ एशियन चौंपियनशिप हेतु क्वालीफाई, आदित्य कुमार, जूनियर इंडिया कैंप हेतु चयनित।

मेगा ब्लड डोनेशन कैंप में एनआईटी के छात्रों समेत 341 लोगों ने किया रक्तदान

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के छत्तीसगढ़ शाखा और 'सहयोग' ग्रुप द्वारा राजधानी रायपुर के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित मेगा ब्लड डोनेशन कैंप में 341 यूनिट रक्त का संकलन किया गया। कैंप में एनआईटी के छात्र-छात्राओं ने उत्साह से स्वस्फूर्त रक्तदान किया। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ शाखा के अध्यक्ष श्री अशोक अग्रवाल ने इस मेगा कैंप की सफलता के लिए आयोजकों और एन.आई.टी. परिवार को बधाई देते हुए रक्तदान के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर कैंप में हिस्सा लेते हुए 341 यूनिट रक्तदान कर समाज के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। श्री अग्रवाल ने रक्तदान कर रहे छात्र-छात्राओं से भी मुलाकात की।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ शाखा में ब्लड-बैंक प्रभारी डॉ. सत्यनारायण पाण्डेय ने अंगदान पर एन.आई.टी. के छात्र-छात्राओं को जागरुक किया। रेडक्रॉस ब्लड बैंक स्टेट कन्सल्टेंट श्री सुदीप श्रीवास्तव ने युवाओं को रेडक्रॉस का पूरक बताया और उनसे आगे भी इस तरह के आयोजनों में सहयोग की अपील की। कैंप में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ शाखा के जनरल सेक्रेटरी डॉ. रूपल पुरोहित, एन.आई.टी. के प्रो. रविकृष्ण राव जाडे और डॉ. जागेश्वर वर्मा सहित 'सहयोग' ग्रुप के अनेक सदस्य भी शामिल हुए।

सस्ता चारा और नस्ल संवर्धन के साथ गोधन न्याय जैसी योजनाओं से पशुधन समृद्ध होगा : सीएम बघेल

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज दुर्ग जिले के अंजोरा में आयोजित दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर की प्रतिमा अनावरण एवं दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने पशुओं के लिए सस्ता चारा उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किये गये तकनीकी प्रयासों की प्रशंसा की। विश्वविद्यालय ने पैरा आधारित संपूर्ण आहार पैलेट का विकास किया है। यह पशुओं के लिए सुपोषित व सस्ता चारा होगा, इसके माध्यम से चारे की कीमतों में 35 प्रतिशत तक कमी आयेगी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ में सस्ते और पोषक चारे की कमी तथा यहां का गर्मी से भरा वातावरण जिसकी वजह से उच्च नस्ल के मवेशी यहां अनुकूलित नहीं हो पाते। इसी वजह से हमने नस्ल संवर्धन का काम आरंभ किया है। साथ ही पशुधन के विकास के लिए गोधन न्याय योजना की भी शुरूआत किया है, ताकि पशुपालन पुनः लाभ का सौदा साबित हो सके। सस्ते चारे के लिए विश्वविद्यालय पैलेट जैसे प्रयोग कर रहा है। हम रीपा के माध्यम से ग्रामीण उद्यमियों को बढ़ावा दे रहे हैं। हर रीपा में ऐसे यूनिट बनाए जाएंगे जिसमें पशुआहार बनाने की यूनिट भी हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी छत्तीसगढ़ में पशुधन को लेकर अपार संभावनाएं हैं। स्थानीय स्तर पर डेयरी उद्यम को बढ़ावा देने से हमारे यहां माँग और पूर्ति की स्थिति तेजी से बेहतर होगी।

कार्यशाला... बालकों के सर्वांगीण विकास में सबकी सहभागिता जरूरी

राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का संरक्षण अति महत्वपूर्ण

- बालकों के संरक्षण, लैंगिक अपराधों पर जागरूकता व नियंत्रण विषय पर कार्यशाला संपन्न

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, विधिक सेवा प्राधिकरण, यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में किशोर न्याय अधिनियम, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण और बाल संरक्षण से संबंधित विषयों पर राजधानी रायपुर में कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला में वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का संरक्षण और उनके सर्वांगीण विकास में सबकी सहभागिता जरूरी है।

कार्यशाला के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष श्री गौतम भादुड़ी ने कहा कि आपको बालकों के कल्याण के लिए कार्य मिला है। यह विशेष कार्य है, जिसे भगवान भी देख रहे हैं। आप के बहुत सारे दोस्त एवं परिचित होंगे जिन्हें यह मौका ही नहीं मिला है। हमें यह पुण्य अवसर मिला है इसे हमें सार्थक करना है। जिस प्रकार हम अपने बच्चों को बेहतर और खुशहाल देखना चाहते हैं, उसी प्रकार पीड़ित और अपचारी बच्चों को भी देखें, इससे मन को संतुष्टि मिलेगी।

न्यायमूर्ति श्री भादुड़ी ने आगे कहा कि बाल संरक्षण लैंगिक उत्पीड़न के लिए एक्ट तो बना है। लेकिन उसका क्रियान्वयन हो रहा है, यह भी देखना जरूरी है। उन्होंने पंचतंत्र की एक कहानी सुनाई कि एक गरीब व्यक्ति को कुछ आटा मिल जाता है और वह सपना देखने लग जाता हैं कि वह उसे बेचकर बकरी खरीद लेगा, फिर बकरी के दूध को बेचकर धीरे-धीरे अमीर हो जाएगा। इसी समय नींद में उसका पांव आटे पर पड़ता है और आटा बिखर जाता है। ऐसा बच्चों को नहीं लगना चाहिए कि यह एक ड्रीम है। उन्होंने एक और कहानी बताया कि एक व्यक्ति को कहीं जाना था। उसने स्वामी विवेकानंद जी से पूछा कि आप मुझे रास्ता बताए। स्वामी जी ने कहा कि रास्ता आपके पैरों के नीचे है जो आपको अपनी मंजिल तक ले जाएगा। आप सभी अधिकारियों-कर्मचारियों अथवा इस सेवा से जुड़े लोगों से मेरा अनुरोध है कि आपको अवसर मिला है, आप बच्चों के संरक्षण के लिए बेहतर कार्य कर सकते हैं। न्यायमूर्ति ने बाल संरक्षण एवं लैंगिक अपराध जागरूता एवं नियंत्रण की दिशा में बेहतर कार्य के लिए प्रसन्नता जाहिर की।

कार्यशाला को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं किशोर न्याय कमेटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री पी.सैम कोशी, न्यायमूर्ति श्री दीपक तिवारी, छत्तीसगढ़ बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती तेजकुंवर नेताम, यूनीसेफके राज्य प्रमुख श्री जॉब जकारिया ने भी संबोधित किया। छत्तीसगढ़. बाल संरक्षण आयोग के सचिव श्री प्रतीक खरे ने स्वागत भाषण दिया। आभार प्रदर्शन श्री आनंद प्रकाश वॉरियाल, सदस्य सचिव, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राध्किारण, बिलासपुर के द्वारा किया गया।

कार्यशाला में जस्टिस वक्ताओं ने कहा कि एक नाबालिग जिसे यौन शोषण का शिकार बनाया गया है उसे बालिग पीड़ित से ज्यादा सुरक्षा की आवश्यकता है, क्योंकि शारीरिक उत्पीड़न, सामाजिक बहिष्कार और मानसिक उत्पीड़न का सामना करने की क्षमता बालिग व्यक्ति के मुकाबले नाबालिग में कम होती है।

वजन कम करती है हल्दी है

हल्दी स्वाद बढ़ाने के साथ ही सेहत के लिए लाभदायक होती है। कई अध्ययनों में इस बात की पुष्टि की गई है कि हल्दी के सेवन से शरीर और दिमाग दोनों को फायदा पहुंचता है। हल्दी जोड़ों और गठिया के दर्द में भी बहुत फायदेमंद होती है।

ये हैं हल्दी के फायदे-

डाइजेस्टिव सिस्टम बेहतर करे : आप अगर पेट की परेशानियों से जूझ रहे हैं, तो हल्दी के सेवन से फायदा होगा। हल्दी में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लामेट्री गुण पाए जाते हैं, जो डाइजेस्टिव सिस्टम को बेहतर करने में मदद करता है। अध्ययन के मुताबिक, हल्दी के सेवन गैस की समस्या भी दूर होती है।

झुर्रियों को कम करे : बढ़ती उम्र से चेहरे पर आई झुर्रियों को दूर करने में हल्दी बहुत कारगर है। हल्दी में एंटी-ऑक्सीडेटिव और एंटी-इंफ्लामेट्री गुण पाए जाते हैं। ये चेहरे की झुर्रियों को दूर करमे में मदद करते हैं। रोजाना हल्दी का सेवन करने से त्वचा पर निखार आता है।

रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ती है : हल्दी में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल और एंटी-फंगल गुणों के साथ रोग प्रतिरोधी ताकत भी होती है जिससे आप कई तरह के संक्रमण से सुरक्षित रहते हैं। रोजाना एक गिलास गर्म दूध के साथ एक चम्मच हल्दी का सेवन करने से सर्दी, जुकाम, फ्लू आदि समस्याओं से ऱाहत मिल सकती है।

दिमाग के लिए फायदेमंद- हल्दी में मौजूद तत्व दिमाग के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इससे दिमाग की स्टेम कोशिकाओं की मरम्मत होती है। इसके अलावा हल्दी में मौजूद कर्क्यूमिन भी दिमाग में पाए जाने वाले प्रोटीन को तेज करता है।

वजन कम करने में मददगार- आजकल अधिकतर लोग अपने बढ़ते वजन से परेशान हैं पर हल्दी के सेवन से आप अपने वजन को नियंत्रण में रख सकते हैं। हल्दी शरीर में फैट टीश्यूज को बनने से रोकती है, जिससे वजन नियंत्रण में रहता है।

गर्मियों में फूड पॉयजनिंग से बचें

गर्मी के मौसम में फूड पॉयजनिंग की समस्या बहुत आम है। दरअसल इस मौसम में शरीर की पाचन क्षमता कमजोर हो जाती हैं। इसके अलावा गर्मी के मौसम में खाने-पीने की चीजें जल्दी खराब होती हैं, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। फूड पॉयजनिंग होने पर आमतौर पर पेट में दर्द, उल्टी और मितली जैसी समस्याएं होती हैं। इसके अलावा कई बार दस्त और पेचिश भी शुरू हो जाती है। अगर आप इन गर्मियों में फूड पॉयजनिंग से बचना चाहते हैं, तो ये टिप्स अपनाएं।

फूड पॉयजनिंग होने पर क्या करें ?

अगर आपको बार-बार उल्टी, दस्त और पेट दर्द की समस्या है, तो ये फूड पॉयजनिंग का संकेत है। फूड पॉयजनिंग होने पर आप इन घरेलू नुस्खों की मदद ले सकते हैं।

फूड पॉयजनिंग में केला बहुत फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें पोटैशियम ज्यादा होता है, जो पेट के संक्रमण को कम करता है। केला को दही में मैश करके खाएं। इससे दस्त बहुत जल्दी ठीक होता है।

एक चम्मच अदरक का रस पीकर आधा ग्लास पानी पी लें। अदरक में एंटीबैक्टीरियल और दर्द निवारक गुण होते हैं। ये संक्रमण को खत्म कर देगा।

फूड पॉयजनिंग के उपचार में ज्यादा-से-ज्यादा ध्यान इस बात पर दिया जाना चाहिए कि मरीज के शरीर में पानी की कमी न हो।

ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं, साथ ही, सूप, पतली खिचड़ी, नारियल पानी, चावल का पानी, ग्लूकोल, इलेक्ट्रॉल पाउडर का घोल आदि लेना चाहिए।

जीरे का प्रयोग करने से फूड पॉयजनिंग ठीक हो जाती है। इसके लिए एक चम्मच जीरे को पीसकर उसका सेवन करें।

नींबू के रस की एसिडिटी फूड पॉयजनिंग के बैक्टीरिया समाप्त करता है। इसलिए इसे फूड पॉयजनिंग में लाभकारी मानते हैं।

फूड पॉयजनिंग से बचाव के लिए क्या करें

फूड पॉयजनिंग से बचाव के लिए जरूरी है कि आप गर्मी के मौसम में खानपान और साफ-सफाई का ध्यान रखें।

पके हुए भोजन का सेवन 4-6 घंटे के अंदर कर लें। इससे ज्यादा समय तक खाने की चीजें रखने से वो खराब हो सकती हैं।

बासी खाना खाने से बचें।

गूंथे हुए आटे को फ्रिज में रखकर अगले दिन न इस्तेमाल करें।

दूध, दही, पनीर आदि डेयरी वाले आहरों को ताजा ही इस्तेमाल करें।

मांस, मछली, चिकन आदि को ज्यादा समय तक फ्रिज में न रखें, बल्कि कोशिश करें कि ये ताजे ही इस्तेमाल किए जाएं।

बाजार में तले-भुने और फास्ट फूड्स का सेवन न करें।

गोलगप्पे, समोसे, कचौरी, पकौड़े, चाउमीन, बर्गर आदि खुले में मिलने वाले खाने से भी होता है, फूड पॉयजनिंग का खतरा।

फूड पॉयजनिंग होने पर नियंत्रण करें ये आदतें

एक साथ ज्यादा ना खाएं, बल्कि थोड़ा थोड़ कर के खाएं।

खाने में घी और तेल का इस्तेमाल कम से कम करें या ठीक होने तक बिल्कुल न करें।

मैदे से बनी चीजों का बिल्कुल सेवन ना करें।

याददाश्त बढ़ाने का करे उपचार

आजकल मनुष्य शांत नहीं बैठना चाहता हैं, वह कार्य में व्यस्त रहेगा या फिर मोबाइल में लगा रहेगा, इससे मनुष्य की शक्ति का दुरूपयोग भी कह सकते हैं या फिर वह कोई न कोई अनवांछित क्रियायों में लगा रहता हैं। खाली दिमाग शैतान का घर होता हैं, इसका मतलब आप मष्तिष्क का अतियोग, मिथ्यायोग या हीनयोग करे। शक्ति के रूप तीन प्रकार से उपयोग कर सकते हैं, सकरात्मक, नकारात्मक या संचयात्मक। वर्तमान में मानसिक तनाव, ईर्ष्या, चिंता, कुंठा, जलन, प्रतिस्पर्धा आदि के कारण हमारी ऊर्जा इन क्षेत्रों में अधिक खर्च होती हैं, जिससे हम बाहर निकलने में बहुत समय खरच करते हैं।

याददाश्त कम होने की शिकायत सब करते हैं, लेकिन जब तक यह एक गंभीर बीमारी न बन जाए लोग इसके लिए कोई उपाय नहीं करते। याददाश्त को तेज करने के लिए इन बातों को पालन कर सकते हैं।

तकनीति से भरे इस समय में किसी चीज को याद रखने की जरूरत नहीं है। यही वजह है कि आज के समय में ज्यादातर लोगों को बातों को याद नहीं रहती। यहां तक की सबसे करीबी व्यक्ति का बर्थडे याद रखने के लिए भी लोग मोबाइल में रिमाइंडर या सोशल मीडिया के नोटिफिकेशन पर डिपेंड रहते हैं। आपकी यह भूलने की आदत अल्जाइमर, डिमेंशिया जैसे बीमारी का भी लक्षण हो सकती है। ऐसे में जरूरी है समय रहते अपनी याददाश्त को दुरुस्त करने के उपाय करें।

रोज लें 7 घंटे की नींद

नींद याददश्त को बूस्ट करने का काम करता है। दरअसल, जब आप रात में सोते हैं, तो न्यूरॉन्स (जिन्हें सिनैप्स कहा जाता है) के बीच

का कनेक्शन उन यादों को हटाने का काम करते हैं, जिनकी आपको जरूरत नहीं होती है। रात के दौरान सिनैप्स की यह चुनिंदा छंटाई आपको अगले दिन नई यादें बनाने के लिए तैयार करती है। एक वयस्क को कम से कम 7-8 घंटे की नींद की आवश्यकता होती है।

नियमित व्यायाम करें

याददाश्त में सुधार करने के लिए रोज शारीरिक गतिविधियों को करने की सलाह देती है। जब एक्सरसाइज या व्यायाम करते हैं, जो इससे पूरे बॉडी के साथ दिमाग में ब्लड का सर्कुलेशन बढ़ता है। जिससे सेल्स बेहतर तरह से अपना काम कर पाते हैं।

रोज कुछ नया सीखने की कोशिश करें

याददाश्त को मजबूत बनाने के लिए जरूरी है, आप अपने दिमाग को नए चीजों को सीखने में लगाएं। जब आप ऐसा करते हैं, तो ब्रेन में नए न्यूरॉन्स कनेक्शन बनते हैं। यह आपके मेमोरी को बूस्ट करने का काम करते हैं।

मल्टीटास्क न करें

हालांकि मल्टी टास्किंग करने वालों की डिमांड आज के समय में काफी बढ़ रही है। लेकिन वास्तव में आपकी यह आदत ब्रेन को डैमेज करने का काम करती है। जब आप दो कामों को एक साथ करते हैं, तो आपकी एकाग्रता बट जाती है। जिससे चीजों को याद रखने की क्षमता प्रभावित होती है।

पौष्टिक आहार लें

दिमाग को सही और प्रभावी ढंग से काम करने के लिए पर्याप्त मात्रा में पोषण की आवश्यकता होती है। नियमित रूप से पौष्टिक और संतुलित आहार लेना चाहिए। कुछ फूडआहार है, जो दिमाग के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इसमें अखरोट, ब्रोकली, हल्दी, डार्क चॉकलेट आदि शामिल है।

इसके अलावा कुछ समय योग या ध्यान में लगाएं। आजकल पेन से लिखने का चलन लुप्त होता जा रहा हैं इसके लिए नित्य एक एक पेज हिंदी अंग्रेजी या अपनी मातृभाषा में जरूर लिखे, याददाश्त बढ़ाने के लिए कोई भी विषय को तीन बार लिखो या नौ बार पढ़ो। पर आजकल लिखने पढ़ने का चलन ख़तम होने से मष्तिष्क की क्रियशीलता कम होती जा रही हैं। पहले याद करने का चलन था, आजकल गणित जैसे विषय पढ़े जाते हैं, अभ्यास का काम ख़तम। हमें पुनः पुरातन शैली को अपनाना होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बनें। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचे तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। परिवार में अशांति रहेगी। शुभांक-1-4-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2777

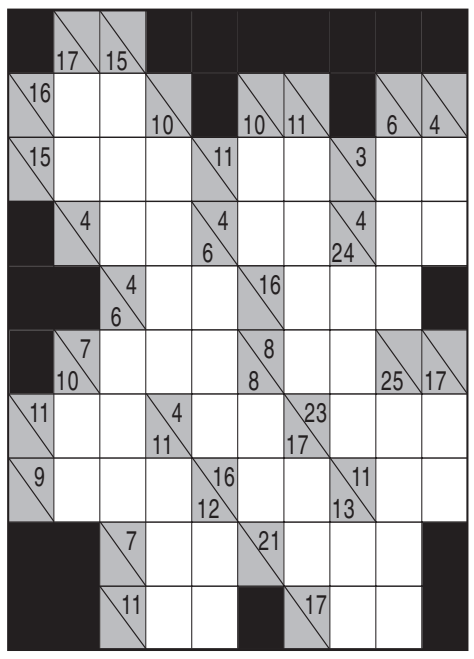

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

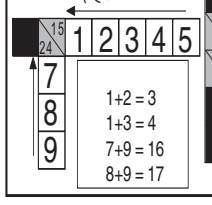

काकुरो - 2776 का हल

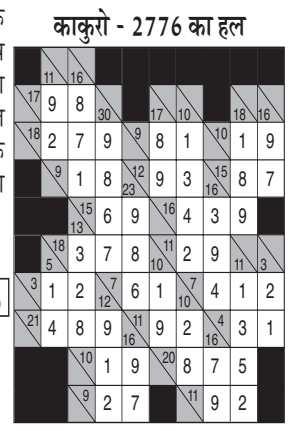

लॉफिंग ज़ोन

सड़क पर एक आदमी बेहोश होकर गिर गया, तो चारों ओर भीड़ लग गई. एक साहब चिल्लाए, अरे इसके मुंह मे थोड़ी-सी ब्रांडी डाल दो.

उन्होंने अपनी बात दो-तीन बार दोहराई, लेकिन शोरगुल में आवाज दब गई. थोड़ी देर बाद बेहोश होकर गिरने वाला आदमी उठा और यह कहकर फिर गिर गया कि अरे कोई उसकी बात भी सुन लो जो ब्रांडी पिलाने की बात कह रहा था.

☺ ☺ ☺

एक नेता को फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मैच में आमंत्रित किया गया. बाद में विजेता टीम को पुरस्कार देने के बाद उन्होंने अपने छोटे से भाषण में कहा- 'बड़े अफसोस की बात है कि इतने बड़े देश में इतनी सारी टीम होते हुए भी फाइनल में एक ही टीम पहुंच सकी. हम खेल के स्तर मे सुधार की कोशिश करेंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा टीम फाइनल में पहुंच सके.

☺ ☺ ☺

फिल्म की शूटिंग चल रही थी. जंगल का दृश्य था. निर्देशक ने अभिनेता से कहा- देखो, यह चीता पलटकर तुम्हारी ओर झपटेगा, तुम्हें तुरंत जीप से कूदकर उससे भिड़ जाना है. समझ गए न?

'हां, मैं तो समझ गया', अभिनेता ने मुस्कराते हुए कहा- पर क्या चीता समझ गया है कि उसे क्या करना है?

फिल्म वर्ग पहेली- 2777

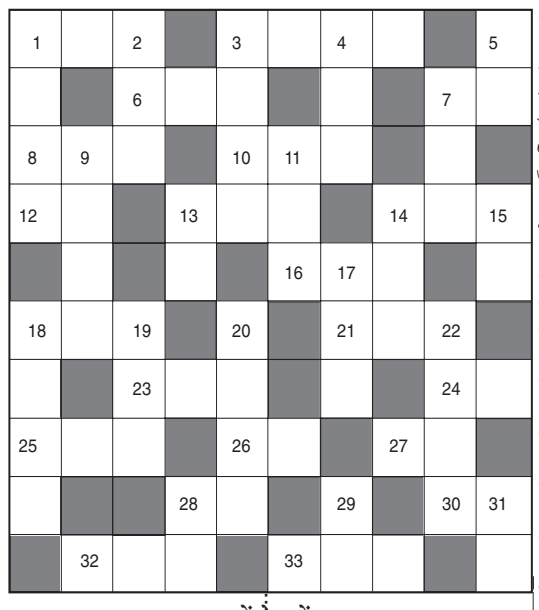

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2776

सूडोकु -2777

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2776 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 2777

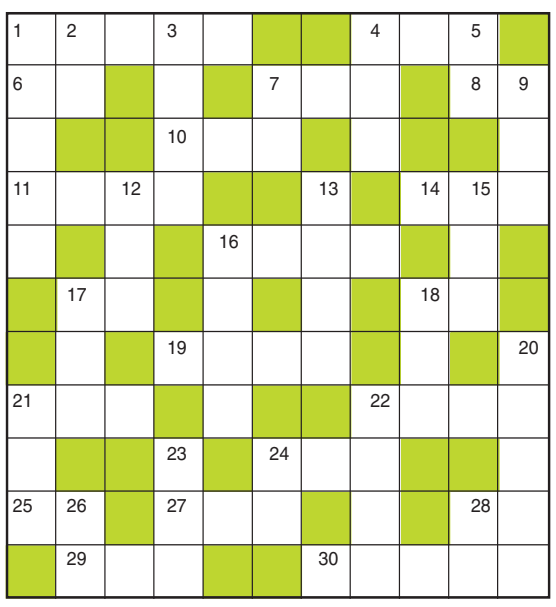

बाएँ से दाएँ

1.असह्य,नागवार-5
4.कली-3
6.पराया,पंख-2
7.समुद्र-3
8.पिता की बहन-2
10.चौकसी,सुरक्षा-3
11.कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14.छल,धोखा-3
16.पक्षी,उड़ने वाला-4
17.उम्मीद-2
18.दौरा,पहरेदारी-2
19.धारण करना-4
21.आफत,मुसीबत-3
22.विदिर्ण-2,2
24.प्रकाशित-3
25.बल,जान-2
27.रसदार-3
28.जगत,दुनिया-2
29.नग,मूल्यवान पत्थर-3
30.तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1.जबरन उठा ले जाना-5
2.महोदय (अंग्रेजी-2)
3.नीलिमा-4
4.कुंती पुत्र,राधेय-3
5.वश,अधीन-2
7.संपूर्ण,पूर्ण-2
9.शिकार-3
12.असली,शुद्ध-3
13.हठ करना,रोना -4
15.हारा हुआ,पराजित-3
16.मशवरा,सलाह-4
17.विश्राम-3
18.अभिमान-3
20.भयभीत होना-2,3
21.संभवतः-3
22.टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23.तरना,स्वीमिंग-3
24.इसे मकड़ी बुनती है-2
26.जी,चित-2
28.संपत्ति-2

शब्द पहेली -2776 का हल

संक्षेप खबर

श्रीलंका, पाकिस्तान टी20 श्रृंखला में लैथम करेंगे कप्तानी

क्राइस्टचर्च। अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली घरेलू टी20 श्रृंखला में टॉम लैथम न्यूज़ीलैंड की कप्तानी करेंगे। न्यूज़ीलैंड क्रिकेट (एनज़ेडसी) ने सोमवार को यह जानकारी दी।एनज़ेडसी ने बताया कि करीब दो साल बाद खेल के सबसे छोटे प्रारूप में वापसी कर रहे लैथम पाकिस्तान दौरे पर भी कीवी टीम की कमान संभालेंगे। न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच टी20 सीरीज दो अप्रैल से खेली जायेगी, जबकि न्यूजीलैंड का पाकिस्तान दौरा 14 अप्रैल से शुरू होगा। इस दौरान केन विलियम्सन और टिम साउदी के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में व्यस्त होने के कारण लैथम को ब्लैक कैप्स की कमान सौंपी गयी है।न्यूज़ीलैंड के कोच माइक स्टीड ने कहा, ÷हमने इस साल भारत के खिलाफ टॉम की क्षमता और उनका शॉट चयन देखा। वह 2021 मं बंगलादेश दौरे पर एक अनुभवहीन टी20 टीम की कमान संभाल चुके हैं और कोविड के दौरान हम उनके कप्तानी कौशल से बेहद प्रभावित हुए थे।लैथम की टीम अप्रैल के पहले सप्ताह में ऑकलैंड, डुनेडिन और क्वीन्सटाउन में श्रीलंका का सामना करेगी, जिसके बाद वे 14 से 24 अप्रैल के बीच लाहौर (तीन) और रावलपिंडी (दो) में पांच टी20 खेलने के लिये पाकिस्तान रवाना होंगे।श्रीलंका और पाकिस्तान टी20 सीरीज के लिये न्यूज़ीलैंड स्क्वाड ¬ टॉम लैथम (कप्तान), चाड बोवेस, मार्क चैपमैन, मैट हेनरी, बेन लिस्टर, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, जिमी नीशम, रचिन रवींद्र, टिम सीफर्ट (सिर्फ श्रीलंका सीरीज), हेनरी शिपले, ईश सोढ़ी, विल यंग।(डेन क्लीवर, कोल मैककोन्ची और ब्लेयर टिकनर को सिर्फ पाकिस्तान दौरे के लिये टीम में चुना गया है।)

अफगानिस्तान के लिये ऐतिहासिक उपलब्धि, पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला जीती

शारजाह। अफगानिस्तान ने एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 'नये लुक' वाली पाकिस्तान टीम को एक गेंद रहते सात विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। यह पहली बार है जब अफगानिस्तान ने शीर्ष छह रैंकिंग की एक आईसीसी टीम के खिलाफ श्रृंखला जीती हो।पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन कम अनुभवी शीर्ष क्रम ने फिर निराश किया। पर उसके लिये इमाद वसीम ने 57 गेंद में नाबाद 64 रन की पारी खेली और कप्तान शादाब खान ने 32 रन बनाकर टीम को छह विकेट पर 130 रन के स्कोर तक पहुंचाया।इसके बाद अफगानिस्तान के लिए रहमनुल्लाह गुरबाज (44 रन) और इब्राहिम जदरान (38 रन) ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अहम योगदान किये। नजीबुल्लाह जदरान ने नाबाद 23 और मोहम्मद नबी ने नाबाद 14 रन बनाकर अपनी टीम को एक गेंद रहते तीन विकेट पर 133 रन बनाकर जीत दिलायी।अफगानिस्तान को अंतिम दो ओवर में 22 रन की दरकार थी। 19वें ओवर में नजीबुल्लाह और नबी ने नसीम शाह पर एक एक छक्का लगाया जिससे इसमें 17 रन बने और पाकिस्तान की उम्मीद भी टूट गयी। अफगानिस्तान ने शुक्रवार को पाकिस्तान पर छह विकेट की यादगार जीत दर्ज की थी। तीसरा टी20 मैच सोमवार को खेला जाएगा।

आईसीसी ने बदली इंदौर पिच की रेटिंग, खराब से औसत से कम में बदला

दुबई। आईसीसी पिच और आउटफील्ड निगरानी प्रक्रिया के तहत भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की अपील के बाद इंदौर के होल्कर क्रिकेट स्टेडियम की पिच की रेटिंग को खराब से औसत से नीचे में बदल दिया गया है।होल्कर स्टेडियम की पिच पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप श्रृंखला के तहत तीसरा टेस्ट मैच 1 मार्च से खेला गया था और भारतीय टीम को इस मैच में मात्र सवा दो दिन में ही ऑस्ट्रेलिया के हाथों 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।टेस्ट मैच के फुटेज की समीक्षा आईसीसी अपील पैनल, जिसमें वसीम खान (आईसीसी महाप्रबंधक - क्रिकेट) और रोजर हार्पर (आईसीसी मेन्स क्रिकेट कमेटी के सदस्य) द्वारा की गई।पैनल के अनुसार, पिच मॉनिटरिंग प्रक्रिया के परिशिष्ट ए के साथ, यह माना गया कि खराब रेटिंग को वारंट करने के लिए पिच में पर्याप्त अत्यधिक परिवर्तनशील उछाल नहीं था। जिसके बाद पैनल ने माना कि पिच को औसत से कम का दर्जा दिया जाना चाहिए। औसत से कम रेटिंग के लिए स्थल को 1 डिमेरिट अंक प्रदान किया गया है।

यूरो 2024 क्वालिफायर : इंग्लैंड, पुर्तगाल ने दर्ज की बैक-टू-बैक जीत

लंदन। इंग्लैंड और पुर्तगाल ने यूरो 2024 क्वालीफायर में अपने अपने मैचों में जीत दर्ज की। इंग्लैंड ने यूक्रेन को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की, जबकि पुर्तगाल ने लक्जमबर्ग को 6-0 से हराया।तीन दिन पहले ही इंग्लैंड ने यूरोपीय चैंपियन इटली को शिकस्त दी थी। यूक्रेन के खिलाफ मैच में इंग्लैंड के लिए हैरी केन ने 37वें और बुकायो साका ने 40वें मिनट में गोल किया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ग्रुप सी में शीर्ष पर आ गया।एक अन्य मैच में माटेओ रेटेगुई और माटेओ पेसिना के गोल की बदौलत इटली ने माल्टा को 2-0 से हरा दिया।वहीं, ग्रुप जे में, क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोलों की बदौलत पुर्तगाल ने लक्ज़मबर्ग को 6-0 से हरा दिया। 38 वर्षीय रोनाल्डो का यह पुर्तगाल के लिए 198वां मैच था। इन दो गोलों की बदौलत रोनाल्डो के अंतरराष्ट्रीय करियर में रिकॉर्ड 122 गोल हो गए हैं।ग्रुप एच में, कजाखस्तान ने डेनमार्क को 3-2 से हराया, वहीं, स्लोवेनिया ने सैन मैरिनो को 2-0 और फिनलैंड ने उत्तरी आयरलैंड को 1-0 से हरा दिया।

सीडब्ल्यूआई के नए अध्यक्ष बने किशोर शैलो, दो साल का होगा कार्यकाल

सेंट जॉन्स। डॉ. किशोर शैलो को क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। शैलो रिकी स्केरिट की जगह लेंगे। वहीं, अजीम बसरथ को नया उपाध्यक्ष चुना गया है। दोनों का करार दो साल का होगा। शनिवार (25 मार्च) को एंटीगुआ में आयोजित सीडब्ल्यूआई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में अध्यक्ष पद का चुनाव आयोजित किया गया था।वेस्टइंडीज टीम के पूर्व प्रबंधक स्केरिट ने क्रिकबज से बातचीत में कहा, मैंने अध्यक्ष पद छोड़ दिया है। मैंने फिर से चुनाव नहीं लड़ा। मैंने हमेशा कहा कि मेरे लिए चार साल काफी होंगे।डॉ शैलो ने कहा, क्रिकेट वेस्टइंडीज की ओर से, मैं निवर्तमान अध्यक्ष रिकी स्केरिट को हमारे प्रिय क्रिकेट में उनके नवीनतम योगदान के लिए ईमानदारी से धन्यवाद देता हूं। उन्होंने हमारे जीवनकाल में सबसे चुनौतीपूर्ण समय में से एक, कोविड महामारी में विशिष्टता और गर्व के साथ सेवा की है। उनका कार्यकाल निश्चित रूप से हमें सही दिशा में ले गया है।उन्होंने आगे कहा, शेयरधारकों द्वारा दिखाया गया जबर्दस्त विश्वास उत्साहजनक है। पूरी चुनावी प्रक्रिया में मेरा समर्थन करने के लिए मैं उनके और सभी हितधारकों के प्रति गहरा आभार व्यक्त करता हूं। मेरा दर्शन एकता और समावेशिता में से एक है। इसके लिए केवल अगर हम अपने संसाधनों और प्रयासों को एक साथ जोड़ते हैं तो वेस्टइंडीज क्रिकेट एक क्रिकेट राष्ट्र के रूप में कोई सार्थक उन्नति करेगा।सीडब्ल्यूआई के लिए अगले 18 महीने व्यस्त रहने वाले हैं क्योंकि वेस्टइंडीज जून 2024 में ट्वेंटी20 विश्व कप का सह-मेजबान होगा।बता दें कि स्केरिट सेंट किट्स और नेविस से हैं। उन्होंने मार्च 2019 में तत्कालीन अध्यक्ष डेव कैमरन को हराकर सीडब्ल्यूआई की कमान संभाली थी। उन्होंने खुले तौर पर घोषणा की थी कि वह तीसरा कार्यकाल नहीं लेंगे।

आईपीएल में कमेंट्री के सबटाइटल पढ़ सकेंगे दर्शक

मुंबई। आईपीएल 2023 के आधिकारिक टेलीविजन प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स ने भारत के खेल प्रसारण में क्रांति लाने के इरादे से सोमवार को बधिर दर्शकों के लिये सबटाइटल फीड लॉन्च की। इस नई तकनीक की मदद से बधिर दर्शक लाइव मैच के दौरान अपनी टीवी स्क्रीन पर कमेंट्री के सबटाइटल पढ़ सकेंगे। स्टार स्पोर्ट्स के प्रवक्ता ने इस अनूठे फीचर के लॉन्च पर कहा, दर्शकों के अनुभव में क्रांति लाने के लिये स्टार स्पोर्ट्स हमेशा सबसे आगे रहा है। हमें सबटाइटल फीड जैसी अभूतपूर्व तकनीक पेश करने पर गर्व है।

मुंबई इंडियंस ने पहला महिला प्रीमियर लीग खिताब जीता

मुंबई। एजेंसी

हीली मैथ्यूज की अगुवाई में अपने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद नेट स्किवेर ब्रंट के 55 गेंद में नाबाद 60 रन की मदद से मुंबई इंडियंस ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से हराकर पहला महिला प्रीमियर लीग खिताब जीत लिया।

शिखा पांडे और राधा यादव के बीच दसवें विकेट के लिये 52 रन की साझेदारी की मदद से दिल्ली कैपिटल्स नौ विकेट पर 131 रन बनाये। जवाब में मुंबई ने तीन गेंद बाकी रहते तीन विकेट पर 134 रन बनाये।

स्किवेर ब्रंट ने एक छोर संभालकर 55 गेंद की अपनी पारी में सात चौके लगाये। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 39 गेंद में 37 रन की पारी खेली। आखिर में एमेलिया केर ने आठ गेंद में नाबाद 14 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

इससे पहले मुंबई के गेंदबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। दिल्ली का स्कोर 11वें ओवर में तीन विकेट पर 74 रन था। इसके बाद छह विकेट पांच रन के भीतर गिर गए और 16वें ओवर के बाद स्कोर नौ विकेट पर 79 रन हो गया। मुंबई के विदेशी गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया जिनमें से

हीली मैथ्यूज ने चार ओवर में सिर्फ पांच रन देकर तीन विकेट लिये जबकि इसाबेल वोंग ने 42 रन देकर तीन और एमेलिया केर ने 18 रन देकर दो विकेट चटकाये।

दिल्ली के लिये शिखा और राधा ने 52 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को 100 रन के पार पहुंचाया। शिखा ने 17 गेंद में नाबाद 27 और राधा ने 12 गेंद में नाबाद 27 रन की पारी खेली।

शिखा ने अपनी पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया जबकि राधा ने दो चौके और दो छक्के जड़े।

इससे पहले मैथ्यूज, वोंग और केर ने आपस में आठ विकेट लेकर मुंबई को मजबूत स्थिति तक पहुंचाया।

कैरेबियाई हरफनमौला मैथ्यूज ने टूर्नामेंट में 16 विकेट लेकर यूपी वारियर्स की सोफी एक्सेलेटोन की बराबरी कर ली। वोंग और केर ने टूर्नामेंट में 15.15 विकेट लिये।

ब्रेबोर्न स्टेडियम पर फाइनल की शुरूआत नाटकीय रही जब मुंबई ने वोंग की फुलटॉस गेंदों पर पहले तीन विकेट लिये। पहले दो फैसले तीसरे अंपायर ने दिये।

शेफाली वर्मा ने लांग आन पर छक्का और अगली गेंद पर वोंग को चौका लगाकर शुरूआत की लेकिन केर की गेंद पर प्वाइंट में कैच दे बैठी। वोंग ने इसके बाद एलिस कैपसी को खाता खोले बिना रवाना किया जिनका शानदार कैच एक्स्ट्रा कवर पर अमजोत कौर ने लपका।

जेमिमा रौड्रिग्स ने पहली गेंद पर चौका लगाकर शुरूआत की। उन्होंने तीसरे ओवर में नेट स्किवेर ब्रंट को दूसरा चौका लगाया। इससे पहले लानिंग ने पहली दो गेंद पर दो चौके जड़े।वोंग की फुलटॉस पर हालांकि जेमिका प्वाइंट में हीली मैथ्यूज को कैच देकर लौटी।

पावरप्ले के आखिर में दिल्ली का स्कोर तीन विकेट पर 38 रन था। दस ओवर में स्कोर तीन विकेट पर 68 रन था। दिल्ली की पारी का पतन 11वें ओवर के बाद शुरू हुआ और नौ विकेट 79 रन पर गिर गए जिसके बाद राधा और शिखा ने मोर्चा संभाला।

दिल्ली कैपिटल्स महिला
मेग लानिंग रन आउट 35
शेफाली वर्मा का केर बो वोंग 11
एलिस केपसी का कौर बो वोंग 0
जेमिमा रौद्रिगेज का मैथ्यूज बो वोंग 9
मरियाने काप का भाटिया बो केर 18
जेस जोनासेन का और बो मैथ्यूज 2
अरूंधति रेड्डी का इशाक बो केर 0
शिखा पांडे नाबाद 27
मिन्नु मनी स्ट भाटिया बो मैथ्यूज 1
तानिया भाटिया बो मैथ्यूज 0
राधा यादव नाबाद 27
अतिरिक्त : एक रन
कुल योग ¬ 20 ओवर में नौ विकेट पर 131 रन
विकेट पतन ¬ 1.12, 2.12, 3.35, 4.73, 5.74, 6.75, 7.75, 8.79, 9.79
गेंदबाजी ¬
स्किवेर ब्रंट 4.0.37.0
वोंग 4.0.42.3
इशाक 4.0.28.0
केर 4.0.18.2
मैथ्यूज 4.2.5.3
मुंबई इंडियंस महिला पारी
हीली मैथ्यूज का रेड्डी बो जोनासेन 13
यस्तिका भाटिया का केपसी बो यादव 4नेट स्किवेर ब्रंट नाबाद 60
हरमनप्रीत कौर रन आउट 37
एमेलिया केर नाबाद 14
अतिरिक्त ¬ छह रन
कुल योग ¬ 19.3 ओवर में तीन विकेट पर 134 रन
विकेट पतन ¬ 1.13, 2.23, 3.95
गेंदबाजी ¬
काप 4.0.22.0
यादव 4.0.24.1
जोनासेन 4.0.28.1
पांडे 4.0.23.0

मुंबई इंडियंस के सफल होने में अहम रहा महत्वपूर्ण मौकों पर दबदबा बनाना: हरमनप्रीत

मुंबई। एजेंसी

मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स पर सात विकेट की जीत से शुरूआती महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की ट्राफी हासिल करने के बाद कहा कि मैच को जीतने के बजाय मुकाबले के महत्वपूर्ण मौकों पर दबदबा बनाने पर ध्यान देना ही उनकी टीम के लिये कारगर रहा।

मुंबई इंडियंस ने बीती रात ब्रैबोर्न स्टेडियम में तीन गेंद रहते 132 रन के लक्ष्य का पीछा कर लिया जिसमें इंग्लैंड की आल राउंडर नैट स्किवर ब्रंट ने नाबाद 60 रन की पारी का अहम योगदान रहा।

डब्ल्यूपीएल की ट्राफी जीतने के बाद हरमनप्रीत ने कहा, ''शुरु से ही हम महत्वपूर्ण मौकों को अपने नाम करने के बारे में बात कर रहे थे। हम ट्राफी पर ध्यान नहीं लगाये थे, हम इन सभी मौकों को जीतने की कोशिश कर रहे थे। हमने सोचा कि अगर हम इन मौकों को जीत लेंगे तो ट्राफी स्वतः ही हमारी झोली में आ जायेगी।''

उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से कप्तान के तौर पर ट्राफी जीतने के इस पल का इंतजार कर रही थीं। उन्होंने कहा, ''व्यक्तिगत तौर पर काफी अच्छा महसूस हो रहा है। मैं लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रही थी कि मैं कब कप्तान के तौर पर कोई खिताब जीत पाऊंगी। यह महिला क्रिकेट के लिये बहुत महत्वपूर्ण रहा।''

हरमनप्रीत ने कहा, ''कभी कभार हम ऐसा (ट्राफी जीतने के) करने के करीब पहुंचे लेकिन नहीं कर पाये। लेकिन यहां टूर्नामेंट अलग था इसलिये टीम भी अलग थी। हर टीम काफी संतुलित थी और टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया।''

रविवार को हरमनप्रीत के रन आउट होने से उनके टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके आउट होने की याद तरोताजा हो गयी लेकिन मुंबई इंडियंस की कप्तान ने कहा कि उनकी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने के लिये काफी खिलाड़ी मौजूद थीं।

उन्होंने कहा, ''दोनों रन आउट काफी निराशाजनक रहे। मैं पिछले मैच (भारत बनाम आस्ट्रेलिया) में काफी आत्मविश्वास से खेल रही थी क्योंकि हमारे हाथ में काफी विकेट थे। मुझे लगा था कि हम लक्ष्य तक पहुंच जायेंगे।''

हरमनप्रीत ने कहा, ''लेकिन यहां माहौल पूरी तरह अलग था, हमारे पास मध्यक्रम में नैट मौजूद थीं और वह क्रीज पर डट गयी थीं। मैं जानती थी कि कौन गेंदबाजी करने वाला था और किस तरह से। हम मैच खत्म करने के लिए काफी सकारात्मक थे और दो ओवर बचे थे। लेकिन जब मैं आउट हुई तो हमने सोचा कि हमें परिस्थिति के हिसाब से खेलना होगा।'' उन्होंने कहा कि गुजरात जायंट्स के खिलाफ एलिमिनेटर खेलने से उनकी टीम को फाइनल के लिये लय हासिल करने में मदद मिली।

हरमनप्रीत ने कहा कि शुरुआती डब्ल्यूपीएल में सभी पांचों टीमों ने अच्छा खेल दिखाया और सभी के लिये खिताब जीतने का मौका था।

दिल्ली कैपिटल्स के कोच जोनाथन बैटी ने लगातार विकेट गंवाने पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''शुरूआती तीन विकेट गिरना आपके लिये नुकसानदायक हो सकता है। कप्तान मेग लैनिंग और मरिजाने काप के बीच भागीदारी ने हमें वापसी करायी लेकिन फिर हमने विकेट गंवा दिये। इससे चीजें मुश्किल हो गयीं।''

विदेशी स्टार चमकीं, भारतीय क्रिकेट में बदलाव के वादे के साथ खत्म हुआ डब्ल्यूपीएल

मुंबई। एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) ने लुभावना पदार्पण किया और भारत की उभरती हुई महिला क्रिकेटरों के उज्जवल भविष्य के वादे के साथ खत्म हुआ लेकिन जल्दबाजी में आयोजित हुए पहले सत्र के बाद सुधार की काफी गुंजाइश दिखती है।

डब्ल्यूपीएल मुंबई के दो स्टेडियम में खेला गया जिसमें दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों ने खास प्रदर्शन किया लेकिन बायें हाथ की स्पिनर साइका इशाक को छोड़ दें तो इतनी स्थानीय प्रतिभायें सामने नहीं आ सकीं जितनी की उम्मीद की जा रही थी। पांच टीमों की प्रतियोगिता रविवार को खत्म हुई जिसमें मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी टीम को खिताब दिलाया जबकि फाइनल में उनका सामना आस्ट्रेलियाई महान क्रिकेटर मेग लैनिंग की कप्तानी वाली टीम से था। टूर्नामेंट के दौरान कई मैचों में स्कोर 200 रन से ऊपर रहा जबकि बाउंड्री 42 से 44 मीटर छोटी रहीं।

मुंबई की हेली मैथ्यूज 16 विकेट झटककर 'पर्पल कैप' विजेता बनी जिसमें से चार विकेट फाइनल में रहे। वहीं नैट स्किवर ब्रंट 'ओवरऑल' शीर्ष प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ी रहीं, उन्होंने 332 रन बनाने के अलावा 10 विकेट झटके। मुंबई इंडियंस की इशाक ने 15 विकेट झटके, उनके अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की श्रेयंका पाटिल और कनिका आहुजा ने बड़े मंच अपनी छाप छोड़ी लेकिन भारतीय घरेलू सर्किट और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के बीच अंतर स्पष्ट दिखायी दिया। हरमनप्रीत ने स्वीकार किया कि भारतीय खिलाड़ियों को ज्यादा भूमिकायें और खेलने के मौके नहीं मिले लेकिन उन्होंने अपने क्षेत्ररक्षण से अपनी टीम की अहमियत में इजाफा किया जिसमें उन्होंने मुंबई इंडियंस की अमनजोत कौर और जिंतीमणि कलिता का उदाहरण दिया।

मियामी ओपन: अंतिम 16 में पहुंचे कार्लोस अल्कराज

मियामी गार्डन्स। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने मियामी ओपन के अंतिम 16 में प्रवेश कर लिया है। अल्कराज ने सर्बिया के दुसान लाजोविक को 6-0, 7-6 (7/5) से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। 19 वर्षीय अल्कराज ने पिछले सप्ताह डेनियल मेदवेदेव को हराकर इंडियन वेल्स में खिताब जीता था।मैच जीतने के बाद अल्कराज ने कहा, सब कुछ नियंत्रण में था या मुझे लगा कि ऐसा था लेकिन, आप जानते हैं, मैच में यह कभी आसान नहीं होता। मैंने कुछ गलतियां कीं जो मैंने पूरे मैच के दौरान नहीं की थीं। इसलिए मैच जीतना कठिन था। लेकिन मैं जिस स्तर पर खेल रहा हूं उससे वास्तव में खुश हूं और यह मैच अच्छा था। अल्कराज का सामना अंतिम 16 में टॉमी पॉल से होगा। अल्कराज ने कहा, मैं पहला और एकमात्र मैच हार गया था जो मैंने टॉमी के खिलाफ खेला था। मुझे पता है कि वह वास्तव में प्रतिभाशाली और वास्तव में कठिन खिलाड़ी है।

जडेजा 'ए प्लस' में शामिल, केएल राहुल और भुवनेश्वर बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से बाहर

नई दिल्ली। स्टार आल राउंडर रविंद्र जडेजा को अपने शानदार प्रदर्शन का पुरस्कार बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध के एलीट ग्रेड 'ए प्लस' में प्रवेश कर मिला जबकि अक्षर पटेल को भी 'ए' ग्रेड में शामिल किया गया।आस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्राफी में संयुक्त 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' रहे 34 वर्षीय जडेजा 'ए प्लस' वर्ग में शामिल चार खिलाड़ियों में से एक हैं जिसमें कप्तान रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान विराट कोहली और चोटिल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मौजूद हैं।शीर्ष क्रम के बल्लेबाज केएल राहुल को लगातार खराब प्रदर्शन के कारण 'ग्रेड बी' में खिसका दिया गया।बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने चार ग्रुप ङ्क 'ए प्लस' (सात करोड़ रुपये), 'ए' (पांच करोड़ रुपये), 'बी' (तीन करोड़ रुपये) और 'सी' (एक करोड़ रुपये) ङ्क में 26 क्रिकेटरों को 'रिटेनरशिप' सौंपी।तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, अजिंक्य रहाणे और ईशांत शर्मा को अनुबंध नहीं मिला।इस अनुभवी तिकड़ी को अनुबंध सूची से बाहर किये जाने से संकेत मिलता है कि अब राष्ट्रीय टीम में उनकी जरूरत नहीं होगी।स्पिन आल राउंडर अक्षर काफी खुश होंगे जिन्हें 'ए' वर्ग में प्रोमोट किया गया जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज केएस भरत को भी पहली बार केंद्रीय अनुबंध में जगह मिली, उन्हें ग्रुप 'सी' में शामिल किया गया।स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पिछले साल दिसंबर में कार दुर्घटना में लगी चोटों का उपचार कराने के बाद उबरने की प्रक्रिया में हैं, वह 'ए' वर्ग में बरकरार हैं जिसमें हार्दिक पंड्या, रविचंद्रन अश्विन और मोहम्मद शमी शामिल हैं।

सुपर संडे: निकहत ने दूसरा, लवलीना ने पहला विश्व चैम्पियनशिप स्वर्ण जीता

नई दिल्ली। एजेंसी

शीर्ष भारतीय मुक्केबाज निकहत जरीन ने रविवार को यहां दूसरा विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीता जबकि लवलीना बोरगोहेन ने कांस्य का सिलसिला तोड़ते हुए पहली बार पीला तमगा अपने नाम किया।

निकहत ने 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में वियतनाम की एनगुएन थि ताम पर 5-0 से जीत दर्ज कर लाइट फ्लाईवेट खिताब अपने नाम किया। वहीं दो बार की कांस्य पदक विजेता लवलीना ने आस्ट्रेलिया की कैटलिन पारकर को 5.2 से मात दी।

इस जीत से निकहत महान मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम (छह बार की विश्व चैम्पियन) के बाद दो बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली दूसरी भारतीय बन

गयीं।निकहत ने पिछले साल 52 किग्रा वजन वर्ग में खिताब जीता था। उन्होंने कहा, ''मैं बहुत खुश हूं कि मैं दूसरी बार विश्व चैम्पियन बनी,विशेषकर ओलंपिक वजन वर्ग में।''दोनों एशियाई मुक्केबाजों के बीच दिन का शुरूआती मुकाबला रोमांचक रहा।

निकहत ने कहा, ''आज का मुकाबला मेरे लिये कठिन था, वह एशियाई चैम्पियन है और मेरा अगला लक्ष्य एशियाई खेल हैं और मैं उससे भिड़ सकती हूं इसलिये मैं कड़ी मेहनत करूंगी।''उन्होंने कहा, ''मुकाबले में उसे और मुझे चेतावनी और 'काउंट' मिली। लेकिन मैं विजेता बनी।''निकहत अपने 52 किग्रा वजन वर्ग से कम वजन वर्ग में खेलीं, वह पहले थोड़ी सुस्त दिखी क्योंकि ताम ने पहले आक्रमण किया। लेकिन कुछ सेंकेंड बाद घरेलू प्रबल दावेदार ने हमले तेज कर दिये जिसके बाद उन्होंने दायीं ओर दो 'हुक' और फिर सीधे मुक्का जड़ा।ताम को जकड़ने के लिए एक पेनल्टी अंक दिया गया जिससे पहला राउंड निकहत के पक्ष में हो गया।ताम ने दूसरे राउंड में मजबूत वापसी की और वह तेज मुक्के जड़ने लगी जिससे निकहत नीचे सिर करके खेलने को मजबूर हो गयी जिससे उन्हें एक पेनल्टी अंक मिला। वियतनाम की मुक्केबाज ने दूसरा राउंड 3-2 से अपने नाम किया।अंतिम तीन मिनट में दोनों मुक्केबाजों ने एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश में आक्रमण किया।निकहत के ताकतवर दायें हाथ के मुक्के से ताम गिर गयी जिससे ताम को 'काउंट' का सामना करना पड़ा और फिर ताम के मुक्के से भारतीय मुक्केबाज को 'काउंट' मिला।निकहत ने कहा, ''मेरे लिये इस वजन वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों के बाद यह बड़ा टूर्नामेंट है। राष्ट्रमंडल खेलों में इतनी प्रतिस्पर्धा नहीं होती।''वहीं तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना ने 69 किलो वर्ग में पहली बार स्वर्ण पदक जीता। उनका यह भारवर्ग हालांकि ओलंपिक में नहीं है।पहले राउंड में उसे लंबे कद का काफी फायदा मिला हालांकि पार्कर ने भी सटीक वार किये। लवलीना ने हालांकि 3.2 की बढत ले ली। दूसरे राउंड में लवलीना ने अपनी रणनीति में बदलाव किया और करीब से आक्रमण किया। उसका हालांकि ज्यादा फायदा नहीं मिला और पार्कर ने बढत बना ली।

छोरी 2 की शूटिंग पूरी कर खुश हैं नुसरत और सोहा

अभिनेत्री नुसरत भरुचा और सोहा अली खान की खुशी का ठिकाना नहीं है, क्योंकि उन्होंने अपनी हॉरर फिल्म छोरी 2 की शूटिंग पूरी कर ली है। सोहा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें दोनों खुशी से झूम रहे हैं और फिर एक दूसरे को गले लगा रहे हैं। कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए दोनों की तस्वीरों के साथ वीडियो समाप्त होता है। एक्ट्रेस ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन दिया, छोरी 2 की शूटिग पूरी कर काफी खुश हूं। साथ ही इसमें सोहा ने हैसटैग के जरिए छोरी 2, पोस्टरशूट, डनएंडडस्टड एट द रेट नुसरत भरुचा, विशाल को टैग किया। विशाल फुरिया, जिन्होंने 2021 में छोरी का निर्देशन किया था, अगली कड़ी में निर्देशक की सीट पर लौट आए हैं। इस सीक्वल को टी-सीरीज, क्रिप्ट टीवी और अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। साक्षी, जिसका किरदार नुसरत भरूचा ने निभाया है, की कहानी को आगे ले जाएगी, जहां से इसे छोड़ा गया था। साथ ही, कुछ प्रमुख किरदार भी वापस देखने को मिलेंगे। नुसरत ने इस सीक्वल में भी साक्षी का किरदार निभाया है। वहीं, कुछ किरदार पल्लवी पाटिल, सौरभ गोयल और सोहा द्वारा समर्थित है। छोरी 2 गुलशन कुमार और टी-सीरीज फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत है। एबंडेंशिया एंटरटेनमेंट और साइक प्रोडक्शन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जैक डेविस और विक्रम मल्होत्रा द्वारा निर्मित और विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित है.

90 के दशक की शुरूआत में डायरेक्टर बिना स्क्रिप्ट के सीन का आइडिया देते थे : अजय

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने 90 के दशक को याद किया और साझा किया कि कैसे उन्होंने बिना स्क्रिप्ट के भी कई फिल्में की हैं। उन्होंने अपने अनुभव भी साझा किए हैं जब लेखक कहानी सुनाने आते थे और वह अपनी स्क्रिप्ट को ऐसे पेश करते थे जैसे कि वह ऑडिशन दे रहे हों। अजय, जिन्होंने 90 के दशक में फूल और कांटे, जिगर, सुहाग, दिलजले, प्यार तो होना ही था, हम दिल दे चुके सनम समेत कई हिट फिल्में दी हैं। उस दौर की आज से तुलना करते हुए कहा कि कई बार उन्हें बिना किसी खास स्क्रिप्ट के किसी खास सीन की जानकारी दे दी जाती थी। उन्होंने कहा 90 के दशक की शुरूआत में, निर्देशकों के लिए यह असामान्य नहीं था कि वह अभिनेताओं को सीन का सामान्य विचार दें और फिर उन्हें विशिष्ट स्क्रिप्ट के बिना अपनी पंक्तियों और कार्यों को सुधारने की अनुमति दें। मैंने ऐसी फिल्मों में भी अभिनय किया है। अजय अपनी फिल्म भोला का प्रमोशन करने के लिए तब्बू और दीपक डोबरियाल के साथ द कपिल शर्मा शो पर आ रहे हैं। उन्होंने अपना अनुभव साझा किया कि कैसे कई बार लेखक अभिनेता को समझाते हुए पूरे दृश्य का अभिनय करते हैं जैसे कि वह ऑडिशन दे रहे हों। उन्होंने कहा मैंने कई बार इसका अनुभव किया है जहां निर्देशक या लेखक मेरे पास आए हैं और कहानी सुनाना शुरू कर दिया है। हालांकि, वर्णन के दौरान, उन्होंने कुछ दृश्यों का अभिनय करना शुरू कर दिया जैसे कि वह खुद भूमिका के लिए ऑडिशन दे रहे हों।

अनिल कपूर को मिला मोस्ट स्टाइलिश एवरग्रीन स्टार अवार्ड

अनिल कपूर अपनी लगातार जीत और एक के बाद एक शानदार प्रदर्शन के लिए सुर्खियां बटोर रहे हैं। द नाइट मैनेजर में शेली रूंगटा के रूप में उनके प्रदर्शन की सभी ने सराहना की। अपने आकर्षण और फैशन के कारण, अभिनेता ने हाल ही में एक प्रतिष्ठित अवार्ड शो में मोस्ट स्टाइलिश एवरग्रीन स्टार जीता। अनिल कपूर ने हाल ही में स्टारडस्ट अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के एवरग्रीन एनिग्मा, ज़ी सिने अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता और उसके बाद न्यूज़ 18 रील अवार्ड्स और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के लिए फिल्मफेयर ओटीटी अवार्ड जीता। अभिनेता ने द नाइट मैनेजर में एक विरोधी के रूप में गगनचुंबी स्टैंडर्ड भी स्थापित किए। उनकी आने वाली परियोजनाओं में रणबीर कपूर के साथ एनिमल और ऋतिक रोशन के साथ फाइटर शामिल हैं।

मेरे कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है : श्रद्धा

एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर इस बात से सहमत हैं कि उनके कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है, क्योंकि जब उनके परफॉर्मेंस की बात आती है तो उनसे बहुत उम्मीदें जुड़ी होती हैं। यह दर्शकों से मिलने वाले प्यार के कारण है। बातचीत में श्रद्धा ने कहा, यह निश्चित रूप से एक बड़ी जिम्मेदारी की भावना है। मुझे लगता है कि मैं यहां लोगों का मनोरंजन करने के लिए हूं और मैं ऐसा करना जारी रखना चाहती हूं। मुझे फिल्मों का हिस्सा बनने की जरूरत है। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं जिम्मेदारी लेती हूं और हां, यह प्रेरणादायक भी है और सारी ऊर्जा और प्रेरणा दर्शकों से आती है. इन्हीं वजहों से मैं अपने बचपन के सपने को जीने में सक्षम हूं। ऐसा महसूस होता है कि दबाव और जिम्मेदारी है। श्रद्धा के पास 2018 की कॉमेडी हॉरर फिल्म स्त्री की दूसरी इंस्टॉलमेंट है.

तमन्ना भाटिया आईपीएल 2023 के उद्घाटन समारोह में देंगी धमाकेदार परफॉर्मेंस

पैन-इंडिया स्टार तमन्ना भाटिया के पास बैक टू बैक प्रोजेक्ट शूट और बहुत कुछ है। एक्ट्रेस फिलहाल आईपीएल 2023 की ओपनिंग सेरेमनी में अपने ग्लैमरस परफॉर्मेंस की तैयारी कर रही हैं। अभिनेत्री के एक करीबी सूत्र ने खुलासा किया, तमन्ना इस प्रदर्शन के लिए हर समय तैयारी कर रही हैं क्योंकि हर चीज उनके लिए बहुत खास हैं। उद्घाटन पर प्रदर्शन करना भी उनके लिए एक अभिनेत्री के रूप में एक शानदार अवसर है। वह निश्चित रूप से अपने बीट पर आपका दिल जीतने वाली हैं। तमन्ना ने हाल ही में लैक्मे फैशन वीक में अपने वॉक के लिए सुर्खियां बटोरीं। अपनी आगामी परियोजनाओं के बारे में बता दें, अभिनेत्री 2023 में बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ इंडस्ट्री में एक के बाद एक कई रिलीज के साथ छाने के लिए तैयार है। वह स्क्रीन पर अपनी सर्वश्रेष्ठ टाइमिंग देने के लिए लगातार किरदार बदल रही है और अपनी जरूरतों को पूरा कर रही है। जी करदा, लस्ट स्टोरीज, भोला शंकर, जेलर आदि जैसी परियोजनाओं के साथ, हम उन्हें ऐसी भूमिकाओं में देखेंगे जो एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं।

अल्लू अर्जुन के बाद जूनियर एनटीआर का हिन्दी डेब्यू

दक्षिण सिनेमा के सुपर सितारे जूनियर एनटीआर इन दिनों अपनी अगली फिल्म एनटीआर 30 को लेकर खासी चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उनके साथ हिन्दी फिल्मों की नायिका जाह्नवी कपूर नजर आएंगी। कोराताला शिवा के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म को पैन इंडिया प्रदर्शित किया जाएगा। यह फिल्म तेलुगू, तमिल, कन्नड, मलयालम के साथ ही हिन्दी में प्रदर्शित की जाएगी। इन चर्चाओं के इतर जूनियर एनटीआर की चर्चा हिन्दी सिनेमा के बड़े प्रोडक्शन हाउस में शामिल हो चुके टी सीरीज की फिल्म करने को लेकर हो रही है। बताया जा रहा है कि टी सीरीज के भूषण कुमार जूनियर एनटीआर को लेकर एक हिन्दी फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। अल्लू अर्जुन के बाद दक्षिण के इस ख्यातनाम सितारे का हिन्दी डेब्यू वे अपने प्रोडक्शन के जरिये करने की तैयारी हैं। गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले ही उन्होंने अल्लू अर्जुन के साथ संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में हिन्दी फिल्म बनाने की घोषणा की थी। अब बारी जूनियर एनटीआर की है। इन दिनों अपनी अगली फिल्म एनटीआर 30 को लेकर बिजी हैं। इस फिल्म में आरआरआर स्टार जूनियर एनटीआर के साथ अदाकारा जाह्नवी कपूर नजर आने वाली हैं। इस बीच चर्चा है कि जूनियर एनटीआर पर बॉलीवुड के भी एक बड़े फिल्ममेकर की नजर है। खबरों की मानें तो प्रभास और अल्लू अर्जुन के साथ अपनी फिल्मों का ऐलान करने के बाद अब भूषण कुमार सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के साथ भी हाथ मिलाने की तैयारी में हैं। बीते दिनों भूषण कुमार संभवत इसी इरादे के साथ जूनियर एनटीआर की फिल्म एनटीआर 30 (तात्कालिक नाम) के मुहूर्त पूजा में भी शामिल हुए थे। जहां भूषण कुमार की मौजूदगी ने फिल्मी हलकों में खलबली पैदा कर दी। इस बारे में बताया गया है कि भूषण कुमार जल्दी ही जूनियर एनटीआर के साथ अगली फिल्म का ऐलान करने वाले हैं। इस मामले से जुड़े करीबी सूत्र ने कहा, बीते साल की शुरुआत में, भूषण कुमार ने एक प्रॉपर इंडियन फिल्म बनाने के लिए हैदराबाद का दौरा किया था। उन्होंने पहले ही अल्लू अर्जुन और प्रभास के साथ अपनी फिल्म का ऐलान कर दिया है।

मिर्जापुर सीजन 3 को लेकर गोलू गुप्ता का खुलासा

श्वेता त्रिपाठी शर्मा ने मिर्जापुर सीरीज से जमकर सुर्खियां बटोरी हैं. उन्होंने मसान और हरामखोर जैसी कई फिल्मों में देखा गया है. हाल ही में वो कंजूस मक्खीचूस में नजर आ रही हैं जिसमें पीयूष मिश्रा और कुणाल खेमू भी हैं. हाल ही में बातचीत में अभिनेत्री ने मिर्जापुर के तीसरे सीजन के बारे में बात की जिसका प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. पिछले दोनों सीजन ने फैंस के बीच भौकाल बना रखा है. श्वेता त्रिपाठी ने कहा कि, मिर्जापुर के बिना उनका दिन अधूरा है. मिर्जापुर 3 के बारे में पूछे जाने पर श्वेता ने कहा, यह अब तक का सबसे बड़ा भौकाल होगा. इसकी शूटिंग करने में बहुत मजा आया.अपने को-स्टार्स के बारे उन्होंने कहा, कलाकारों और क्रू मेंबर्स सहित सभी लोग रचनात्मक रूप से बहुत प्यारे इंसान हैं और रीयल लाइफ में रत्न हैं. हम सब एक परिवार बन गए हैं. मुझे लगता है कि हमें हर दो सप्ताह में एक बार मिलना चाहिए क्योंकि अब यह हमारी वास्तविकता बन गई है.

पवनपुत्र भाईजान से कटा करीना का पत्ता

सलमान खान इन दिनों ईद पर प्रदर्शित होने वाली किसी का भाई किसी की जान को पूरा करने में लगे हुए हैं। इन दिनों यह फिल्म सम्पादन की टेबल है, जिसका कार्य सलमान खान अपनी देखरेख में करवा रहे हैं। इस वर्ष इस फिल्म के बाद वे दीवाली पर टाइगर-3 लेकर दर्शकों के सामने हाजिर होंगे। इन फिल्मों के अतिरिक्त सलमान खान की चर्चाएँ सिने गलियारों में उनकी फिल्म पवनपुत्र भाईजान को लेकर हो रही हैं, जो कि वर्ष 2015 में प्रदर्शित हुई फिल्म बजरंगी भाईजान का सीक्वल है। बजरंगी भाईजान में मूक पाकिस्तानी लड़की मुन्नी (हर्षाली मल्होत्रा) की कहानी दिखाई गई थी। वह अपनी मां के साथ भारत आती है और उनसे अलग हो जाती है। इसके बाद बजरंगी (सलमान खान) मुन्नी से मिलता और उसे पाकिस्तान में उसकी मां से मिलाने का मिशन बनाता है। फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने पाकिस्तानी पत्रकार चांद नवाब की भूमिका निभाई थी। फिल्म बजरंगी भाईजान को देखने के बाद लोग काफी ज्यादा भावुक हो गए थे। बॉलीवुड हंगामा के अनुसार पवनपुत्र भाईजान में सबसे बड़ा फेरबदल स्टार कास्ट को लेकर किया गया है। इस फिल्म में अब करीना कपूर की जगह पूजा हेगड़े नजर आएंगी। हालांकि अभी तक यह जानकारी सामने नहीं आ पाई है कि पवनपुत्र भाईजान में पूजा उसी किरदार में नजर आएंगी जिसे करीना कपूर खान ने निभाया था या फिर फिल्म में उनका कोई नया किरदार सामने आएगा। गौरतलब है कि पूजा हेगड़े सलमान खान के साथ किसी का भाई किसी की जान में दिखाई देंगी। बजरंगी भाई को ख्यातनाम निर्देशक एसएस राजामौली के पिता कथा पटकथाकार के.विजयेन्द्र प्रसाद ने लिखा था। सीक्वल का लेखन भी उन्होंने ही किया है।

क्या राजकुमार ने करवाई प्लास्टिक सर्जरी एक्टर ने दिया जवाब

बॉलीवुड के कई एक्टर्स के बारे में सर्जरी को लेकर आए दिन सुनने को मिलता है। इसी कड़ी में सोशल मीडिया पर ट्रोल ने कमेंट कर पूछा कि क्या राजकुमार ने सर्जरी करवाई है। अब एक्टर ने इस पर जवाब दिया है। राजकुमार राव की फिल्म भीड़ सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म में राजकुमार राव ने एक पुलिस ऑफिसर का रोल किया है। फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। इस वक्त राजकुमार इसके प्रमोशन में व्यस्त हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने उन अफवाहों पर भी जवाब दिया कि क्या उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है। राजकुमार को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है कि उन्होंने जॉ लाइन की सर्जरी करवाई है। राजकुमार ने इस पर क्या कहा आगे इस रिपोर्ट में जानते हैं। सिद्धार्थ कनन के साथ इंटरव्यू में राजकुमार राव से पूछा गया कि रेडिट पर कमेंट आया कि क्या उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है। राजकुमार चौंकते हुए कहते हैं, प्लास्टिक सर्जरी, नहीं भईया, कोई प्लास्टिक सर्जरी नहीं करवाई... प्लास्टिक सर्जरी बाप रे बाप। जब उनसे पूछा गया कि ऐसी चीजें वो सुनते हैं तो कैसा रिएक्शन होता है तो राजकुमार ने कहा, कुछ नहीं, स्माइल आती है चेहरे पर, अच्छा है लोग बात कर रहे हैं। राजकुमार राव ने साल 2010 में राम गोपाल वर्मा की फिल्म रण से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने दिबाकर बनर्जी की फिल्म लव सेक्स और धोखा में काम किया। राजकुमार अपने कई इंटरव्यू में बता चुके हैं कि उनके लुक्स की वजह से कई फिल्मों में रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। एक बार तो उन्हें आईब्रोज के शेप की वजह से रिजेक्ट कर दिया गया।

ये हैं आने वाली फिल्में

राजकुमार की पिछली फिल्म वासन बाला की मोनिका ओ माई डार्लिंग थी। फिल्म में हुमा कुरैशी, राधिका आप्टे, सिकंदर खेर और आकांक्षा रंजन कपूर ने काम किया। फिल्म 11 नवंबर 2022 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। राजकुमार की आने वाली फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस की मिस्टर एंड मिसेज माही है। इसके अलावा इंडस्ट्रियलिस्ट श्रीकांत बोल्ला की बायोपिक श्री है।

ऑस्ट्रेलिया के ग्लेनवुड में स्थापित हुई पहले सिख सैनिक की प्रतिमा

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया में पहले सिख सैनिक की प्रतिमा स्थापित होने से दुनिया भर में पंजाबियों की शान और भी बढ़ गई है। सिख सैनिकों की शहादत को याद करने के लिए यह प्रतिमा सिडनी के ग्लेनवुड शहर में लगाई गई है। फतेह फाऊंडेशन के हरकीरत सिंह संधर, अमरिंदर सिंह बाजवा और दविंद्र सिंह धारी ने कहा कि यह प्रतिमा पहले और दूसरे विश्व युद्ध में और सारागढ़ी में सिख सैनिकों की शहादत की याद दिलाती रहेगी। कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत करते हुए अमरिंदर सिंह बाजवा ने इस प्रतिमा के इतिहास पर प्रकाश डाला। ब्लैकटाऊन के मेयर टोनी ब्लिसडेल ने सिख सैनिक की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर बिगुल फूंककर सभी जवानों को सच्ची श्रद्धांजलि दी गई और 1 मिनट का मौन रखा गया। संधर ने कहा कि पहली किताब लिखते समय उन्होंने पूरे ऑस्ट्रेलिया का भ्रमण किया और महसूस किया कि ऐसी कोई जगह नहीं है जो सिखों के अस्तित्व को दर्शाती हो। 2018 का यह सपना आज साकार हो गया है।

नार्थ कोरिया ने 2 छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया

सियोल। नार्थ कोरिया ने आज (सोमवार) को अपने पूर्वी समुद्री क्षेत्र में 2 छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया है। नार्थ कोरिया ने यह मिसाइल प्रक्षेपण ऐसे समय में किया जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया संयुक्त सैन्य अभ्यास के लिए यूएसएस निमित्ज और उसके लड़ाकू समूह को पड़ोसी जलक्षेत्र ले जा रहे हैं। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कि दोनों मिसाइलों को नार्थ कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के दक्षिण में एक पश्चिमी अंतर्देशीय क्षेत्र से सुबह करीब 7.47 मिनट से सुबह 8 बजे के बीच दागा गया। समुद्र में गिरने से पहले उसने करीब 370 किलोमीटर की दूरी तय की।

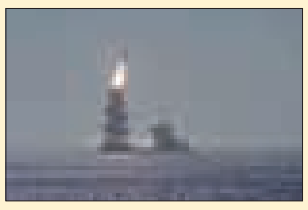

नार्थ कोरिया के पास समान विशेषताओं वाली एक अन्य लघु-श्रेणी प्रणाली भी है जो यूएस एमजीएम 140 आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम जैसी है। प्रक्षेपण यूएसएस निमित्ज और उसके लड़ाकू समूह के बुसान के दक्षिण कोरियाई बंदरगाह पर पहुंचने से पहले हुआ है। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि निमित्ज स्ट्राइक ग्रुप सोमवार को बुसान जाने से पहले दक्षिण कोरियाई रिसॉर्ट द्वीप जेजू के निकट अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में दक्षिण कोरियाई युद्धपोतों के साथ अभ्यास में हिस्सा लेगा। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास को उत्तर कोरिया युद्ध के लिए पूर्वाभ्यास करार देता है, जबकि अमेरिका और दक्षिण कोरिया इन सैन्य अभ्यासों को रक्षात्मक उपायों को बढ़ाने की कवायद कहते हैं।

अमेरिका के टेनेसी में राजमार्ग पर कार हादसे में एक साल की बच्ची समेत 6 लड़कियों की मौत

प्लेसेंट व्यू। अमेरिका के टेनेसी राज्य में एक राजमार्ग पर एक कार के दुर्घटनाग्रस्त होने से एक साल की बच्ची समेत छह लड़कियों की मौत हो गई तथा दो लोग घायल हैं इनमें एक गंभीर है। रॉबर्टसन काउंटी के आपात स्थिति प्रबंधन सेवा कार्यालय के प्रमुख ने बताया कि इसके कारण कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। एक विज्ञप्ति में उन्होंने बताया कि कर्मियों को कार के बाहर पड़ी एक साल की बच्ची समेत 6 लड़कियां मिलीं और इनकी उम्र 18 साल तक है। अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में एक व्यक्ति मामूली रूप से जख्मी हुआ है। उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त कार के पास दूसरी गाड़ी भी मिली है, जिसका चालक घायल नहीं हुआ है। हादसे में हताहत हुए लोगों की तत्काल पहचान नहीं की जा सकी।

कैलिफोर्निया के गुरुद्वारे में दो लोगों को गोली मारी!

कैलिफोर्निया। कैलिफोर्निया में स्थित एक गुरुद्वारे में दो लोगों को गोली मार दी गई है। अधिकारियों ने घटना का संबंध नफरती अपराध से इनकार किया है। सैक्रामेंटो काउंटी शेरिफ के प्रवक्ता सार्जेंट अमर गांधी के मुताबिक गोलीबारी गुरुद्वारा सैक्रामेंटो सिख सोसाइटी में दोपहर ढाई बजे हुई। यह घटना गुरुद्वारे में पहले नगर कीर्तन के दौरान हुई। सैक्रामेंटो बी अखबार की खबर के मुताबिक गांधी ने कहा कि गुरुद्वारे में दो व्यक्तियों के बीच लड़ाई होने लगी। उन्होंने कहा कि एक शख्स ने दूसरे व्यक्ति के मित्र को गोली मार दी। इसके बाद लड़ाई में शामिल दूसरे व्यक्ति ने अपने दोस्त को गोली मारने वाले शख्स को गोली मार दी और फरार हो गया। खबर के मुताबिक गांधी ने कहा कि गोलीबारी की घटना का संबंध नफरती अपराध से नहीं है और यह दो लोगों के बीच हुए झगड़े का नतीजा है जो एक-दूसरे को पहले से जानते थे। उन्होंने कहा कि पहले दोनों व्यक्तियों में हाथापाई हुई और फिर गोलीबारी। उन्होंने कहा कि एक संदिग्ध भारतीय पुरुष बताया जा रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या इस घटना से इलाके में किसी खतरे की आशंका है तो भारतीय मूल के पुलिस अधिकारी ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। घटना में जख्मी हुए दोनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और वे खतरे से बाहर हैं।

एलन मस्क के घाटे का सौदा साबित हो रही ट्विटर की डील

-अब आधी रह गई ट्विटर की वैल्यू

न्यूयॉर्क । दिग्गज कारोबारी एलन मस्क की ओर से खरीदे गए ट्विटर की वैल्यू अब आधी रह गई है। मस्क की ओर से कर्मचारियों को भेजे एक अंदरुनी मेल में इसका खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया कि मस्क की ओर से ट्विटर की मौजूदा वैल्यूएशन 20 अरब डॉलर लगाई गई है, जो कि करीब पांच महीने पहले टिवटर के अधिग्रहण के लिए उनकी ओर से चुकाई गई कीमत 44 अरब डॉलर का आधे से भी कम है। जो कि अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म स्पैनचेट की वैल्यूएशन 18.2 अरब डॉलर और प्रिनटेरस्ट की वैल्यूएशन 18.7 अरब डॉलर के काफी करीब है। मस्क ने ट्विटर की वैल्यू में बड़ी कमी आने के कारण को भी बताया। उनकी ओर से मेल में कहा गया कि ट्विटर कठिन दौर से गुजर रहा है। कंपनी के सामने वित्तीय समस्याएं हैं। एक समय ऐसा आ गया था कि कंपनी दिवालिया होने वाली थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एक साल में 1.5 अरब डॉलर की आय में कमी आई है और कर्ज का बोझ भी कंपनी पर बढ़ रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यूक्रेन को 15.6 अरब डॉलर का ऋण दिया

कीव । अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने इस सप्ताह की शुरुआत में युद्धग्रस्त यूक्रेन को 15.6 अरब डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है। यह पहली बार हुआ हैं कि जब वैश्विक ऋणदाता ने युद्ध में किसी देश को सहायता दी है। उधर, 1.1 अरब डॉलर की किश्त पाने के लिए पकिस्तान अभी भी आईएमएफ के सामने मिन्नतें कर रहा है। वैश्विक संस्था ने कहा था, यूक्रेन के अधिकारी और आईएमएफ के अधिकारी व्यापक आर्थिक और वित्तीय नीतियों के एक सेट पर स्टाफ लेवेल एग्रीमेंट पर पहुंच चुके हैं। इसके तहत, 48 महीने की विस्तारित फंड सुविधा (ईएफएफ) व्यवस्था द्वारा 15.6 अरब डॉलर का लोन दिया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्धग्रस्त पश्चिमी सहयोगी (यूक्रेन) के लिए 15.6 अरब डॉलर के वित्तपोषण के विस्तार की घोषणा आईएमएफ ने उसी दिन की, जब पाकिस्तान ने कुवैत को ईंधन खरीद भुगतान पर डिफाल्टर होने से बचने के लिए भुगतान करने का फैसला किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि वह कदम पाकिस्तान सरकार के लिए एक कठिन कदम रहा है,जो अन्य क्षेत्रों में समस्याएँ पैदा कर सकता है। आईएमएफ ने भी हाल कि दिनों में पाकिस्तान सरकार द्वारा उठाए गए आर्थिक कदमों पर सफाई मांगी है। हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, आईएमएफ ने अब इस्लामाबाद को 1.1 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज देने से पहले पाकिस्तान से बाहरी वित्तीय सहायता मिलने का आश्वासन मांगा है।

जापान में सेल्फ डीफेंस फोर्स के खिलाफ विरोध व्यक्त करते हुए लोग।

यूक्रेन से लड़े रूस के कैदी, 5000 भाड़े के सैनिकों को मिला आजादी का इनाम

मॉस्को । रूस और यूक्रेन के युद्ध में पुतिन को सैनिकों की जरूरत थी। रूस ने जेल में बंद कैदियों को भी युद्ध में उतार दिया। रूस के वैगनर ग्रुप में यह कैदी शामिल होकर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ रहे थे। इनमें से 5000 कैदियों ने अपना कॉन्ट्रैक्ट पूरा कर लिया है, जिसके बाद उन्हें माफी दे दी गई है। भाड़े के सैनिकों वाले वैगनर के संस्थापक येवगेनी प्रिगोझिन ने इसकी जानकारी दी। वैगनर ग्रुप मूल रूप से युद्ध लड़ चुके रूसी सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिकों की ओर से चलाया जाता है। रूसी सेना को यूक्रेन की ओर से कड़ी टक्कर मिली थी, जिसके बाद वैगनर ग्रुप ने एक बड़ी भूमिका निभाई है। प्रिगोझिन ने अचानक आगे आकर हजारों पुरुषों को जेलों से सेना में भर्ती कर लिया। इसके साथ ही यूक्रेन में कुछ सबसे खतरनाक लड़ाइयों में हिस्सा लेने के बदले आजादी का ऑफर दिया। पुतिन के खास प्रिगोझिन ने टेलीग्रम पर एक ऑडियो क्लिप शेयर करते हुए कहा ?कि वर्तमान समय में लगभग 5000 लोगों को कॉन्ट्रैक्ट पूरा करने पर माफी दे कर स्वतंत्र कर दिया गया है। वैगनर ग्रुप में अपराधियों के अलावा भी कई तरह के लोग शामिल हैं। प्रिगोझिन ने कहा कि जिन लोगों को माफ किया गया है उनका आंकड़ा 0.31 फीसदी है। प्रिगोझिन का एक विशाल खानपान का व्यवसाय है, जिसके कारण कभी-कभी मजाक में उन्हें पुतिन का बावर्ची भी कहा जाता है। प्रिगोझिन प्राइवेट आर्मी में पूर्व सैन्य अधिकारियों, पूर्व जासूसों और दोषियों को भर्ती करते हैं। अमेरिका ने प्रिगोझिन पर चुनावों में हस्तक्षेप और रूसी प्रोपोगेंडा को फैलाने के लिए प्रतिबंध लगा रखे हैं।

सनाउल्लाह का चौंकाने वाला बयान, अब पाकिस्तान में इमरान रहेंगे या फिर हम

- पीटीआई ने कहा,शाहबाज सरकार इमरान को मरवा सकती

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह ने चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पूर्व पीएम इमरान खान सत्ताधारी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के दुश्मन हैं। उन्होंने कहा, देश की राजनीति को ऐसी जगह पहुंचा दिया है जहां या तब उनकी हत्या हो जाएगी या फिर हमारी। सनाउल्ला पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं, इसके बाद उनकी तरफ से आया यह बयान उनके लिए विवाद पैदा करता जा रहा है। सनाउल्लाह, पूर्व पीएम नवाज शरीफ के करीबी हैं। उनके इस बयान के बाद इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) में पूर्व पीएम के करीबी चिंतित हैं।

70 साल के इमरान खुद भी कह चुके हैं कि शाहबाज सरकार उनकी हत्या कराना चाहती है। इमरान ने हत्या की साजिश में शाहबाज सरकार की भूमिका के लिए एक एफआईआर के लिए आवेदन डाली हुई है। इसमें उन्होंने पीएम शरीफ के अलावा कुछ सीनियर आईएसआई ऑफिसर्स का नाम भी लिया है। सनाउल्लाह की ओर से यह टिप्पणी कुछ प्राइवेट चैनल्स को दिए इंटरव्यू में कही है। उन्होंने कहा, या इमरान खान या हम मारे जाएंगे। वह अब देश की राजनीति को उस मुकाम पर ले गए हैं जहां दोनों में से एक ही रह सकता है, पीटीआई या पीएमएलएन। पीएमएलएन का पूरा अस्तित्व खतरे में है और हम उसके साथ हिसाब बराबर करने के लिए उसके खिलाफ किसी भी हद तक जा सकते हैं।

उन्होंने कहा, इमरान ने राजनीति को दुश्मनी में बदल दिया है। खान अब हमारा दुश्मन है और उसके साथ ऐसा ही व्यवहार किया जाएगा। यह पूछने पर कि क्या इस तरह की टिप्पणी से पाकिस्तान में अराजकता फैल सकती है, मंत्री ने कहा, पाकिस्तान में पहले से ही अराजकता कायम है। सनाउल्लाह के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त कर पीटीआई नेता और पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने कहा, यह बात अब साबित हो गई है, कि पीएमएलएन गठबंधन सरकार से इमरान खान को जान का खतरा है। उन्होंने कहा कि सनाउल्लाह गिरोह चला रहे हैं या सरकार? सुप्रीम कोर्ट ने शरीफ के नेतृत्व वाले पीएमएलएन को इटैलियन माफिया घोषित करना सही था और उनका बयान इसका सबूत है। पीटीआई ने सुप्रीम कोर्ट से इस पर संज्ञान लेने की प्रार्थना की है। पार्टी का कहना है कि यह बयान खान की जान को खुला खतरा है। पार्टी की सीनियर लीडर शिरीन मजारी ने ट्वीट कर लिखा, अब क्या किसी को भी खान के लिए सनाउल्ला की जानलेवा मंशा पर कोई संदेह है। यह सीधे तौर पर बदमाशों के काफिले के गृह मंत्री की ओर से दी गई धमकी है। न्यायपालिका को ध्यान देना चाहिए।

फर्स्ट सिटीजन बैंक सिलिकॉन वैली को खरीदने की तैयारी में

- अमेरिका में 189 बैंकों पर दिवालिया होने का संकट

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में इनदिनों बैंकिंग संकट गहराता जा रहा है। अमेरिकी बैंक ताश के पत्तों की तहत बिखर रहे हैं। अब तक तीन बैंकों की हालात खस्ताहाल हो चुकी है। जबकि 189 बैंकों पर खतरा मंडरा रहा है। अमेरिका की सिलिकॉन वैली बैंक, सिग्नेचर बैंक , फर्स्ट रिपब्लिक बैंक दिवालिया हो चुकी है। फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर इन बैंकों के संकट को और बढ़ाया है। अमेरिका के सिलिकॉन वैली बैंक के दिवालिया होने के बाद अब उस खरीदार मिल गया है। फर्स्ट सिटीजन बैंक सिलिकॉन वैली को खरीदने जा रहा है। 119 अरब डॉलर में ये डील हो रही है। इस डील में फर्स्ट सिटीजन बैंक एसवीबी के डिपॉजिट्स और लोन को भी खरीद रहा है।

इस डील के बाद सिलिकॉन वैली बैंक के ब्रांच फर्स्ट सिटीजन बैंक के नाम से खुलेगी। सिलिकॉन वैली बैंक के बिकने से खरीदारों ने राहत की सांस ली है। बैंक को अब आर्थिक संकट से निपटने में मदद मिलेगी। वित्तीय संकट से घिर इस बैंक को फर्स्ट सिटीजन बैंक ने फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन से खरीद लिया है।

सिलिकॉन वैली बैंक का कुल ऐसेट्स 10 मार्च को 167 अरब डॉलर और कुल डिपॉजिट 119 अरब डॉलर था। बैंक के डूबने से फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन को 20 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। सिलिकॉन वैली बैंक अमेरिका का 16वां सबसे बड़ा बैंक का। ये बैंक टेक कंपनियों और स्टार्टअप की फेवरेट बैंक है। बैंक के पास कई क्रिप्टोकरेंसी फर्म्स का डिपॉजिट था। साल 1983 में कैलिफोर्निया के सांता क्लैरा में इस बैंक की शुरुआत की गई थी। स्टार्टअप कंपनियों की पहली पसंद बंद हुए इस बैंक की हालात पिछले कुछ दिनों से खराब होती चली गई।

इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने रक्षा मंत्री को बर्खास्त किया

-इसके विरोध में लोग सड़कों पर उतरे

यरुशलम (एजेंसी)। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने न्यायपालिका में आमूल-चूल बदलाव की उनकी योजना को चुनौती दे रहे रक्षा मंत्री योआव गैलेन्ट को बर्खास्त किया हैं। इसके विरोध में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। तेल अवीव में प्रदर्शनकारियों ने एक मुख्य राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया और बड़े अलाव जलाए जबकि नेतन्याहू के निजी आवास के बाहर एकत्रित हुए प्रदर्शनकारियों से पुलिस की झड़प हुई। इस प्रदर्शन ने न्यायपालिका में बदलाव करने की नेतन्याहू की योजना को लेकर एक महीने से जारी संकट को और गहरा कर दिया है। गैलेन्ट को बर्खास्त करने से संकेत मिलता है कि प्रधानमंत्री और उनके सहयोगी इस सप्ताह अपनी योजना पर आगे बढ़ने वाले हैं।

गैलेट सत्तारूढ़ लिकुड पार्टी के पहले वरिष्ठ सदस्य हैं, जिन्होंने योजना की खुलकर मुखालफत की है। नेतन्याहू की सरकार इस सप्ताह इसतरह के विधेयक पर संसद में मतदान कराने की योजना बना रही है जिससे सत्तारूढ़ गठबंधन को न्यायिक नियुक्तियों पर अंतिम मुहर लगाने की शक्ति मिलेगी। इसमें इसतरह के कानून पारित करने का भी प्रावधान है जिससे संसद को आम बहुमत के साथ सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को पलटने और कानूनों की न्यायिक समीक्षा सीमित करने का अधिकार मिल जाएगा। नेतन्याहू तथा उनके सहयोगियों का तर्क है कि इस योजना से न्यायिक तथा कार्यकारी शाखाओं के बीच संतुलन बहाल होगा। लेकिन आलोचकों का कहना है कि ये कानून इजराइल की लोकतांत्रिक व्यवस्था में संतुलन बिगाड़ देगा और सत्तारूढ़ गठबंधन के हाथ में शक्तियां सौंप देगा। उनका कहना है कि ये कानून भ्रष्टाचार के मुकदमे का सामना कर रहे नेतन्याहू के लिए हितों का टकराव भी है। इस योजना के खिलाफ पिछले तीन महीने से हजारों लोग सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं जो देश के 75 साल के इतिहास में सबसे बड़ा प्रदर्शन है।

खालिस्तान समर्थकों ने वाशिंगटन में भारतीय दूतावास के बाहर हिंसा भड़काने की कोशिश की

वाशिंगटन (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थकों के एक समूह ने वाशिंगटन में भारतीय दूतावास के सामने एकत्र होकर न केवल हिंसा भड़काने की कोशिश की, बल्कि उन्होंने देश के राजदूत तक को धमकी दी। लेकिन अमेरिकी सीक्रेट सर्विस' और स्थानीय पुलिस के समय पर हस्तक्षेप करने से लंदन और सैन फ्रांसिस्को के मिशन पर हुई घटनाओं को फिर होने से रोक दिया गया। भारतीय दूतावास के बाहर प्रदर्शन कर रहे खालिस्तान समर्थकों ने एक पत्रकार पर भी हमला किया और उन्हें धमकाया।

वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास के पास अलगाववादी सिख एकत्र हुए और उन्होंने अमेरिका में भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू के खिलाफ अपशब्द कहे और उन्हें सार्वजनिक रूप से धमकी दी। प्रदर्शन के समय संधू दूतावास में नहीं थे। प्रदर्शन स्थल पर कुछ प्रदर्शनकारी अन्य प्रदर्शनकारियों को हिंसा में शामिल होने और इमारत की खिड़कियां एवं शीशे तोड़ने के लिए भड़काते हुए दिखाई दिए।

हालात नियंत्रण से बाहर होने की आशंका के मद्देनजर सीक्रेट सर्विस और स्थानीय पुलिस ने अतिरिक्त बलों को तुरंत तैनात किया और कम से कम तीन पुलिस वैन दूतावास के सामने खड़ी की गईं। एक समय, पांच प्रदर्शनकारियों ने तेजी से

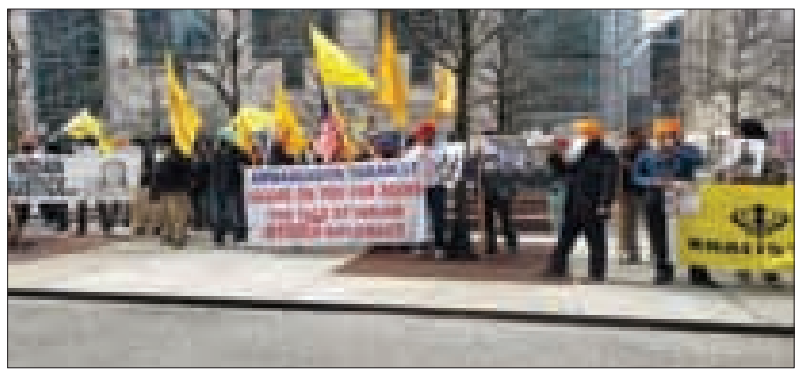

सड़क पार की और वे दूतावास के पास उस खंभे तक पहुंच गए, जिस पर तिरंगा था, लेकिन सीक्रेट सर्विस के कर्मियों ने तुरंत वहां पहुंचकर उनसे प्रदर्शन के लिए तय क्षेत्र में जाने को कहा।

इस घटना को लेकर भारतीय मिशन ने कड़ी प्रतिक्रिया जताकर कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां इन अलगाववादियों की हिंसक एवं असामाजिक प्रवृत्तियों को रेखांकित करती हैं। अमेरिका में पत्रकार खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनों को कवर कर रहे थे, उसी समय यह घटना हुई, लेकिन 'अमेरिका सीक्रेट सर्विस' और स्थानीय पुलिस ने समय पर हस्तक्षेप कर कोई अप्रिय घटना होने से रोक लिया।

ललित के झा ने ट्वीट किया, ''आज मेरी सुरक्षा करने और मुझे मेरा काम करने में मदद करने के लिए सीक्रेट सर्विस का धन्यवाद। अगर ऐसा नहीं होता, तब आज में शायद अस्पताल से यह लिख रहा होता। भारतीय दूतावास ने कहा, ''हमने आज वाशिंगटन डीसी में तथाकथित 'खालिस्तान प्रदर्शन' को कवर करने के दौरान प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया के एक वरिष्ठ भारतीय पत्रकार के साथ दुर्व्यवहार किए जाने, उन्हें धमकाए जाने और उन पर हमले किए जाने के व्यथित करने वाले वीडियो दिखाई दिए।

चीन ने डाल दी भारत और रूस की दोस्ती में दरार, रुकवाई एस-400 की डिलीवरी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पास मौजूद सबसे खतरनाक हथियारों में से एक एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को लेकर बड़ी खबर आई है। ऐसा लग रहा है कि भारत और रूस के बीच दरार डालने में चीन काफी आगे तक निकल गया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की दोस्ती की चर्चा दुनियाभर की हेडलाइन बनी हुई है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अचानक से शांति का प्रस्ताव लिए रूस पहुंच गए। चीन और रूस ने अमेरिका के खिलाफ नया गठबंधन बनाने का ऐलान किया है। रूस ने भी चीन के साथ संबंधों को नए मुकाम पर पहुंचाने का ऐलान किया है। लेकिन इस पूरी घटना में भारत को भी बड़ा नुकसान हुआ है।

एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की डिलीवरी नहीं होगी समय से पूरी

वैसे तो रूस और चीन पहले से ही पक्के दोस्त हैं, लेकिन इस बार इन दोनों बड़े नेताओं की मुलाकात ने भारत को भी परेशान कर दिया है। पुतिन और जिनपिंग की मुलाकात के बाद अचानक खबर आई है कि भारत को एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम के पांचों स्कार्डन की डिलीवरी समय पर पूरी नहीं हो पाएगी। रूस ने अब भारत को लिखित में बताया है कि वो 2024 तक सभी सिस्टम नहीं दे पाएगा। अभी तक भारत को एस-400 के तीन स्कावर्डन मिल चुके हैं।

भारतीय सेना ने क्या कहा?

महीनों से रूस द्वारा दिए गए कई आश्वासनों के बावजूद भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने अब एक बयान में कहा है कि मॉस्को यूक्रेन युद्ध के कारण भारत की सेना को आवश्यक रक्षा आपूर्ति प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा नहीं कर सकता है। नई दिल्ली को चिंता है कि फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण से भारत को सैन्य आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। आईएएफ का यह बयान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के उस बयान के कुछ महीनों बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि उनका देश युद्ध प्रणाली का निर्यात करना जारी रखेगा और एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में सहयोगियों को सैन्य आपूर्ति प्रदान करेगा। रिपोर्ट में इस डिलीवरी की बारीकियों का जिक्र नहीं है। भारत ने 2018 में 5.4 बिलियन डॉलर में खरीदी गई स-400 ट्रायम्फ वायु रक्षा प्रणाली की डिलीवरी भी शामिल है। मास्को में आर्मी एक्सपो में बोलते हुए रूस के रोसोबोरोनेक्सपोर्ट के सीईओ, अलेक्जेंडर मिखेयेव ने पिछले साल अगस्त में कहा था कि वे 2023 के अंत तक भारत को सभी पांच एस-400 रेजिमेंट वितरित कर देंगे।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटूआ मौजा, प्लॉट न.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्र नाथ पाण्डेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)